देशबन्धु

जबलपुर, रविवार 29 अक्टूबर 2023 । वर्ष –67 । अंक –349 । पृष्ठ –12 । मूल्य – 3.00 रु.

■ स्वाधीनता आन्दोलन...
■ पहली पंक्ति के नेता 04

■ इधर कुआं, उधर खाई : चार मोर्चों पर फंस...
■ विस्फोट से गाजा सिटी के आसमान में... 09

■ बढ़े गेहूं के दाम, पिछले साल के मुकाबले...
■ नारियल तेल छोड़कर अन्य सभी खाद्य श्रेणी... 11

■ भारत की निगाहें जीत के...
■ रनों की बारिश में ऑस्ट्रेलिया. 10

ICC CRICKET WORLD CUP INDIA 2023

आज के मैच
भारत विरूद्ध इंग्लैंड
समय - 2.00 दोपहर

विश्वप्रसिद्ध गीता प्रेस के ट्रस्टी बैजनाथ अग्रवाल का निधन

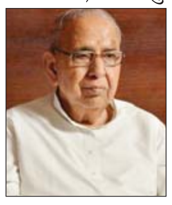

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गीता प्रेस, गोरखपुर के ट्रस्टी बैजनाथ अग्रवाल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। अग्रवाल 90 वर्ष के थे। परिजनों ने बताया कि शुक्रवार की रात लगभग 2 ।30 बजे उन्होंने हरिओम नगर स्थित अपने आवास पर उन्होंने अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार बनारस में गंगा तट पर होगा। मुख्यमंत्री ने उनके पुत्र देवी दयाल अग्रवाल से बात कर के सांत्वना दी है। बैद्यनाथ अग्रवाल समाजसेवी भी रहे हैं। गीता प्रेस के माध्यम से उनका धार्मिक एवं सामाजिक जुड़ाव भी रहा, ईश्वर उनकी आत्मा को चिर शांति प्रदान करे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने शोक संदेश में कहा कि विगत 40 वर्षों से गीता प्रेस के ट्रस्टी के रूप में बैजनाथ का जीवन सामाजिक जागरूकता और मानव कल्याण के लिए समर्पित रहा। वह ईश्वर के अनन्य भक्त थे। मुख्यमंत्री ने कहा है कि बैजनाथ के निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। शोकाकुल परिजनों से बातकर उन्हें ढांढस बंधाते हुए हुतात्मा की सद्गति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई–पेपर epaper.deshbandhump.com वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो- रेल मंत्रालय ने भारत नाम का प्रस्ताव भेजा है।
चुहिया- हां प्रिये- चुनावी समय में 'काम और नाम' दोनों बदलने की भरपूर कोशिश होती है।

जुन्नारदेव में गृहमंत्री अमित शाह की आमसभा

परिवार की राजनीति करने वाले देश का भला नहीं कर सकते : अमित शाह

छिंदवाड़ा/जुन्नारदेव, देशबन्धु। छिंदवाड़ा स्थित जुन्नारदेव पहुंचे केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में तीन परिवारों को चलती है। गांधी परिवार का आदेश चलता है, निर्देश कमलनाथ और गलती होती है तो चांटा दिग्विजय सिंह यानी बंटाढार पर पड़ता है।

आमसभा को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री शाह ने आगे कहा कि दिग्विजय सिंह जहां जाते है वहां उनके कपड़े फाड़ते है, परिवार की राजनीति करने वाले देश का भला नहीं कर सकते है। उन्होंने कहा कि इस बार मध्यप्रदेश में तीन दिवाली मनानी हैं। एक दिवाली के दिन, दूसरी मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार बनेगी तब और तीसरी दिवाली तब मनेगी जब प्रधानमंत्री मोदी के कर कमलों से भगवान श्रीराम लला के मंदिर का उद्घाटन होगा।

आजादी के बाद से कांग्रेस राममंदिर को लटका, अटका रही थी–अमित शाह ने कहा कि आजादी के बाद से कांग्रेस राम मंदिर को लटका, भटका व अटका रही थी। जनता ने मोदी को दूसरी बार चुना और उन्होंने चुपचाप इसका भूमि पूजन कर दिया। 22 जनवरी को उद्घाटन है। राहुल बाबा हर दिन ताने देते थे कि मंदिर वहीं बनाएंगे, तिथि नहीं बताएंगे। राहुल बाबा मंदिर बन गया, तिथि भी बता दी। जरा दर्शन करने आ जाना, आपको भी संतोष हो जाएगा।

जो परिवार के लिए राजनीति में है वो देश का भला कैसे करेगें–अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस को कुछ पॉजिटिव नहीं दिखता। भाई–बहन चुनावी राज्यों में घूम–घूमकर पूछते हैं कि क्या हुआ, आप इटली मूल के हैं इसलिए आप दोनों को समझ नहीं आएगा। कांग्रेस में एकता नहीं है। जो परिवार के लिए राजनीति में हैंए वो देश का भला नहीं कर सकते हैं। दिग्विजय व कमलनाथ के लोग एक–दूसरे के कपड़े फाडने पर उतारू रहते हैं।

➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

दमोह में प्रियंका गांधी की जनसभा

अगर सुनहरा दौर है तो आपके घर तक क्यों नहीं पहुंचा : प्रियंका गांधी

भोपाल/ दमोह,देशबन्धु। अभा कांग्रेस की महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी ने दमोह में आयोजित कांग्रेस की विशाल जनसभा में अपने संबोधन की शुरूआत करते हुये कहा कि भाइयो–बहनो मुझे पता है आप बहुत समय से हमारा इंतजार कर रहे हैं और इसके लिए मैं आपकी बहुत–बहुत आभारी हूं। बुंदेलखंड की धरती रानी दुर्गावती की धरती है बुंदेलखंड के वीरों ने 1857 से लेकर आजादी की लड़ाई तक बलिदान दिए उन्हें नमन करती हूं।

प्रियंका गांधी ने कहा कि आज सरकार बता रही है कि देश का सुनहरा दौर आ गया है लेकिन मैं आपसे जानना चाहती हूं कि यह सुनहरा दौर आपकी चौखट तक क्यों नहीं पहुंचा, आपके जीवन में क्यों नहीं पहुंचा है? आप तो गरीब के गरीब हैं आप अपने जीवन के संघर्षों में जूझ रहे हैं आपके घरों में और दमोह में आज भी पानी की किल्लत है। आज लोग बुंदेलखंड से पलायन क्यों कर रहे हैं? भाजपा ने 18 साल महिलाओं को बेवकूफ बनाया और चुनाव से दो महीने पहले स्कीम लेकर आ गये लेकिन उनकी झूठ की गारंटी अब नहीं चलने वाली हैं। क्योकि अब मप्र में कांग्रेस की सरकार बनने वाली है और हमारी गारंटी पर इसलिए भरोसा कीजिए, क्योंकि कमलनाथ जी ने 15 महीने में गारंटियां पूरी करके दिखायी, कांग्रेस सरकारों ने हिमाचल,

राजस्थान और छत्तीसगढ़ में पुरानी पेंशन लागू की, कांग्रेस की सरकार बनने पर मप्र में भी होगी, कांग्रेस सरकार गेहूं का 2600 रू और धान का 2500 रू. समर्थन मूल्य देगी।

प्रियंका गांधी ने कहा कि कमलनाथ जी ने आपको बताया है कि केंद्र में जब कांग्रेस की सरकार थी तो हमने बुंदेलखंड पैकेज देने का काम

➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

10वां रोजगार मेला

प्रधानमंत्री मोदी ने 51 हजार नियुक्ति पत्र बांटे

नई दिल्ली, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 10वें रोजगार मेले के तहत 51 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे। ये युवा पिछले कुछ दिनों में केंद्र सरकार के अलग–अलग विभागों में भर्ती हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दिवाली में अभी कुछ ही वक्त बाकी है, लेकिन नियुक्ति पत्र पाने वाले 50 हजार युवाओं के परिवार के लिए यह मौका दिवाली से जरा भी कम नहीं है, आपने कड़ी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। इसके लिए आप सभी नौजवान साथी और विशेष कर हमारी बेटियां बधाई की पात्र हैं। आपके परिवार को मेरी तरफ से बहुत–बहुत शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर कहा कि उनकी सरकार और भाजपा शासित प्रदेश पिछले साल अक्टूबर से ही रोजगार मेले का आयोजन कर रहे हैं। इन मेलों में लाखों की संख्या में युवाओं को अपॉइंटमेंट लेटर मिला है।

उन्होंने कहा कि रोजगार मेला युवाओं के प्रति हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाता है। उनकी सरकार ने पारंपरिक सेक्टर्स के साथ रिनुएबल एनर्जी, डिफेंस इंडस्ट्री और ऑटोमेशन जैसे नए सेक्टर्स में नौकरी पाने के मौके बढ़ाए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का भारत अपने युवाओं को स्किल और एजुकेशन से लैस कर रहा है ताकि नई मौकों का लाभ उठाया जा सके। भारत के विकास की दिशा और गति की वजह से सभी सेक्टर्स में नौकरियों के नई मौके पैदा हो रहे हैं।

37 स्थानों पर आयोजित किया गया–22 अक्टूबर 2022 को प्रधानमंत्री ने रोजगार मेले का पहला फेज शुरू किया था। तब प्रधानमंत्री ने कहा था–हमारा लक्ष्य देश के युवाओं को 2023 के अंत तक 10 लाख सरकारी नौकरियां देना है। प्रधानमंत्री ने पिछले 11 महीनों में आयोजित 10 रोजगार मेलों में करीब 6 लाख से ज्यादा युवाओं को जॉइनिंग लेटर दिए हैं। ये रोजगार मेला देश की 37 लोकेशन पर आयोजित किया गया।

फिर गरमाया इंडिया बनाम भारत का मामला

रेल मंत्रालय ने 'भारत' करने का भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली, देशबन्धु। इंडिया बनाम भारत का मामला रह रहकर गरमाता जा रहा है। सत्ताधारी भाजपा जहां इंडिया का नाम भारत करने का समर्थन कर रही है, वही विपक्ष का आरोप है कि गठबंधन का नाम भारत होने के कारण केंद्र सरकार इस तरह का महौल बना रही है।

इसी बीच रेल मंत्रालय ने केंद्रीय मंत्रिमंडल के पास एक प्रस्ताव भेजकर इंडिया का नाम भारत करने की मांग कर दी है। गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल के पास इस तरह का यह प्रस्ताव है, जिसमें देश का नाम इंडिया के बजाय भारत रखने की बात कही गई है। प्रस्ताव में कहा गया है कि संविधान में इंडिया और भारत दोनों नामों का उल्लेख है, ऐसे में अगर भारत नाम का प्रयोग बढ़ता है तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। हालांकि इस प्रस्ताव पर अभी केंद्र की ओर से कोई प्रतिक्रिया या बयान नहीं नहीं आया है। लेकिन सरकार के सूत्रों का कहना है कि औपचारिक

➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

सूरत में परिवार ने की सामूहिक आत्महत्या

तीन बच्चों समेत सात की मौत

सूरत। गुजरात के सूरत में सामूहिक आत्महत्या किए जाने की हृदय विदारक घटना हुई है। इस त्रासद घटना में एक साथ सात लोगों की मौत हो गई। सूरत में इस दिल दहला देने वाली घटना में एक पूरे परिवार ने जहर निगलकर सामूहिक आत्महत्या कर ली।

एक शख्स ने अपनी पत्नी, माता–पिता, एक लड़के और दो बच्चियों के साथ सामूहिक आत्महत्या कर ली। शांतिलाल सोलंकी ने फांसी लगाकर आत्महत्या की, जबकि परिवार के अन्य सदस्यों के जहर खाकर आत्महत्या करने की आशंका जताई जा रही है। यह घटना सूरत के पालनपुर इलाके की है।

पुलिस के मुताबिक यह दुखद घटना शनिवार को सूरत के अडाजण इलाके में हुई। इस घटना ने सूरत के निवासियों को सदमे में डाल दिया है क्योंकि चार वयस्कों और तीन बच्चों सहित परिवार के सात सदस्यों ने सामूहिक आत्महत्या कर ली है। घटना अडाजण के पालनपुर पाटिया स्थित सिद्धेश्वर अपार्टमेंट में हुई। शांतिलाल सोलंकी ने अपनी पत्नी, मां, पिता और तीन बच्चों सहित परिवार के सदस्यों को पहले जहर दिया और बाद में अपने अपार्टमेंट में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इलाके के निवासियों के पुलिस को घटना की सूचना दिए जाने के बाद अडाजण पुलिस और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। इस घटना ने पालनपुर पाटिया में रहने वाले लोगों के बीच

➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

निर्णय इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा–

सोशल मीडिया पर अश्लील पोस्ट लाइक करना अपराध नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि सोशल मीडिया पर किसी अश्लील पोस्ट को लाइक करना कोई अपराध नहीं है, लेकिन ऐसी सामग्री को साझा करने या दोबारा पोस्ट करने पर कानूनी परिणाम भुगतने होंगे।

अदालत ने अपने फैसले में बताया कि इस तरह की पोस्ट साझा करना सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धारा 67 के अनुसार ट्रांसमिशन की श्रेणी में आता है और दंड के अधीन होगा। न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने ये टिप्पणी तब की जब उन्होंने आगरा के मोहम्मद इमरान काजी के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही को खारिज कर दिया, जिस पर गैरकानूनी सभा से संबंधित पोस्ट को लाइक करने के लिए आईटी अधिनियम की धारा 67 और भारतीय दंड संहिता की अन्य धाराओं के

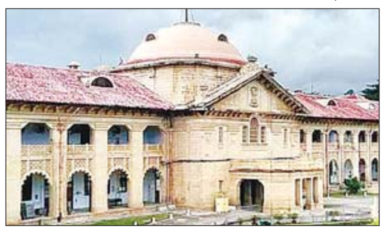

तहत आरोप लगाया गया था।

उन्होने कहा, हमें ऐसी कोई सामग्री नहीं मिली जो आवेदक को किसी आपत्तिजनक पोस्ट से जोड़ सके क्योंकि आवेदक के फेसबुक और व्हाट्सएप अकाउंट में कोई आपत्तिजनक पोस्ट उपलब्ध नहीं है। इसलिए, आवेदक के खिलाफ कोई मामला नहीं बनता है। न्यायमूर्ति देशवाल ने स्पष्ट किया, यह आरोप लगाया गया है कि केस डायरी में ऐसी सामग्री है जो दर्शाती है कि आवेदक ने गैरकानूनी सभा के लिए फरहान उस्मान की पोस्ट को लाइक किया है। लेकिन किसी पोस्ट को लाइक करने का मतलब पोस्ट को प्रकाशित या प्रसारित करना नहीं होगा इसलिए, केवल किसी पोस्ट को लाइक करने पर धारा 67 आईटी अधिनियम लागू नहीं होगा।

अदालत ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि आईटी अधिनियम की धारा 67 अश्लील सामग्री से संबंधित है, न कि उत्तेजक सामग्री से। काज़मी को सोशल मीडिया पर उत्तेजक संदेशों को लाइक करने के लिए एक आपराधिक मामले का सामना करना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप मुस्लिम समुदाय के लगभग 600–700 लोगों ने बिना अनुमति के जुलूस निकाला। आगरा में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) ने आरोप पत्र पर ध्यान दिया और 30 जून को उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था।

देश-विदेश

मुकेश अंबानी को मिली जान से मारने की धमकी

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी को ईमेल के जरिए जबरन वसूली और जान से मारने की धमकी मिली है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। ईमेल में 20 करोड़ रुपए की मांग करते हुए रकम न देने पर 66 वर्षीय अंबानी को गोली मारने की धमकी दी गई है। कंपनी के एक सूत्र ने इसकी पुष्टि करते हुए यह कहते हुए टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गाजा पर बमबारी के बीच इजरायल पर भड़का रूस

अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन गलत

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अपने ताजा बयान में कहा कि गाजा पर इजरायल की बमबारी से ऐसी तबाही का खतरा है जो सदियों नहीं तो कई दशकों तक जारी रह सकती है। लावरोव ने बेलारूसी राज्य समाचार एजेंसी बेल्टा के साथ एक साक्षात्कार में इजरायल पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हम आतंकवाद की निंदा करते हैं, लेकिन हम इस बात से भी असहमत हैं कि इजरायल अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के मानदंडों का उल्लंघन कर कार्रवाई कर रहा है। इजरायली सेना ने अपने ताजा बयान में बताया कि इजरायली सुरक्षा और खुफिया अधिकारियों ने कब्जे वाले वेस्ट बैंक में आतंकवादी गतिविधि में शामिल होने के संदेह में 11 लोगों को हिरासत में लिया है।

गाजा में जमीनी हमले शुरू कर चुके इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने शनिवार को कहा कि उसने रात में किए हमले में हमास नौसेना कमांडर अबू साहिबान को मार डाला है। आईडीएफ ने कहा कि मारे गए कमांडर ने समुद्र के रास्ते हमास की घुसपैठ की योजना बनाई थी और उसे अंजाम दिया था, जिसे सेना ने नाकाम कर दिया। अबू रकबे और नौसेना कमांडर अबू साहिबान की हत्या के साथ, आईडीएफ अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। आईडीएफ के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हैलागरी ने पत्रकारों को बताया था, सेना गाजा पट्टी में आगे बढ़ गई है और अपने अभियान को बढ़ा सकती है। आईडीएफ पहले ही दावा कर चुका है कि उसने शुक्रवार और शनिवार को हमास की 140 भूमिगत संरचनाओं को नष्ट कर दिया था।

एक दिन भाजपा को भी झेलना पड़ेगा : खड़गे

चुनाव के दौरान पहले कभी छापे नहीं पड़े, कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा भाजपा जो कर रही है, वह ठीक नहीं है

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार 28 अक्टूबर को विपक्षी पार्टियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। खड़गे ने कहा, हम 50 सालों से राजनीति में हैं। इससे पहले चुनाव के दौरान ईडी के छापे कभी नहीं पड़े। कांग्रेस के नेताओं को भाजपा डराना-झुकाना चाहती है। हम डरेंगे नहीं, बल्कि मुकाबला करेंगे। भाजपा हमेशा ऐसा करती है। वो जो कर रहे हैं, वह ठीक नहीं है। एक दिन भाजपा उन्हें भी झेलना पड़ेगा।

गहलोत ने बताया था गुंडागर्दी -कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि राजस्थान में भाजपा सीएम अशोक गहलोत का चुनाव खराब करना चाहती है। दरअसल, 26 अक्टूबर को ईडी ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के जयपुर और सीकर स्थित घरों पर रेड की थी। फिर सीएम अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट केस में समन भेजा। 27 अक्टूबर को अशोक गहलोत ने ईडी की कार्रवाई को गुंडागर्दी बताया था। उन्होंने कहा- भाजपा ने जांच एजेंसियों के जरिए देश में आतंक फैला रखा है।

भाजपा नेताओं पर कार्रवाई क्यों : ममता -दूसरी तरफ, 27 अक्टूबर को ईडी ने राशन घोटाला मामले में पश्चिम बंगाल के वन मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक को गिरफ्तार किया। इस पर ममता बनर्जी ने कहा- भाजपा गंदा राजनीतिक खेल खेल रही है। चुनाव से पहले देशभर में विपक्षी नेताओं पर ईडी की छापामार कार्रवाई क्या दर्शाती है? ममता ने भाजपा से सवाल पूछा- क्या किसी भाजपा नेता के घर भी ईडी की छापेमारी हुई है? भाजपा कहती है कि वह सबका साथ, सबका विकास चाहती है। हकीकत में इसका मतलब सबका साथ, सबका सत्यनाश है। ईडी जांच और छापेमारी के नाम पर लोगों पर अत्याचार कर रही है।

पूंजीपति मित्रों के लिए काम करती हैं सरकार : राहुल

कांकेर (छत्तीसगढ़)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ में सरकारी स्कूलों -कालेजों में केजी से पीजी तक निशुल्क शिक्षा का बड़ा चुनावी वादा करते हुए मोदी सरकार पर जोरदार हमला बोला और उस पर गरीबों की बजाय चुनिन्दा पूंजीपति मित्रों के लिए काम करने का आरोप लगाया। श्री गांधी ने आज भानुप्रतापपुर में एक बड़ी चुनावी सभा में कहा कि सरकार चलाने के केवल दो तरीके हैं,जिसमें पहला प्रदेश या देश के सबसे अमीर लोगो को फायदा पहुंचाने के लिए कार्य किया जाय,तो दूसरा सबसे गरीबों लोगो को आगे बढ़ने के लिए मदद की जाय। कांग्रेस और यूपीए की सरकारे दूसरे तरीके से काम कर रही है। उनकी प्राथमिकता में किसान,मजदूर,बेरोजगार हैं। दूसरी ओर भाजपा के की सरकारे एवं लोग बड़ी बड़ी बाते करेंगे लेकिन अन्त में वह अडानी जी की मदद करेंगे।

आचार समिति ने महुआ को 2 नवंबर को बुलाया

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में महुआ मोइत्रा पर लगे आरोपों की जांच कर रही लोकसभा की आचार समिति ने टीएमसी सांसद के आग्रह पर अब उन्हें 31 अक्टूबर की बजाय 2 नवंबर को सुबह 11 बजे कमेटी के सामने पेश होकर अपने बचाव में तथ्यों को रखने को कहा है। दरअसल, इस मामले में महुआ मोइत्रा के खिलाफ शिकायत करने वाले भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और जय अनंत देहाद्राई की गवाही के बाद लोकसभा की आचार समिति ने अपना पक्ष रखने के लिए महुआ मोइत्रा को 31 अक्टूबर को बुलाया था। लेकिन, महुआ मोइत्रा ने शुक्रवार को आचार समिति के अध्यक्ष विनोद सोनकर को पत्र लिखकर यह बताया कि वह अपने संसदीय क्षेत्र में पहले से निर्धारित कार्यक्रमों के कारण 4 नवंबर से पहले दिल्ली नहीं आ सकती, इसलिए समिति उन्हें 5 नवंबर के बाद कभी भी पेश होने का समय दे दें। महुआ मोइत्रा के पत्र का संज्ञान लेते हुए लोकसभा सचिवालय ने एथिक्स कमेटी के अध्यक्ष विनोद सोनकर के निर्देश पर उन्हें पत्र लिखकर कमेटी के सामने 2 नवंबर को 11 बजे पेश होने को कहा है। इसके साथ ही आचार समिति ने महुआ मोइत्रा को लिखे पत्र में यह भी साफ कर दिया है कि मामले की गंभीरता और संसद के सम्मान से जुड़ा मामला होने के कारण अब इस तारीख को आगे बढ़ाने का महुआ मोइत्रा का कोई भी आग्रह स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जमीयत ने जारी किया बड़ा बयान

राममंदिर उद्घाटन समारोह में शामिल न हों प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, देशबन्धु। अगले साल 22 जनवरी को अयोध्या में भव्य राममंदिर का उद्घाटन होने जा रहे हैं। जिसमें शामिल होने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर सहमति भी दे दी गई है। इस बीच जमीयत ने एक बड़ा बयान जारी करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री को राममंदिर सहित किसी भी धार्मिक आयोजन में भाग नहीं लेना चाहिए।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने शनिवार को कहाकि धार्मिक अनुष्ठान राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त हों और इसमें केवल धार्मिक लोग ही हिस्सा लें। इसलिए प्रधानमंत्री को राममंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम में नहीं जाना चाहिए। साथ ही मदनी ने एक बार फिर से बाबरी मस्जिद से संबंधित कोर्ट के फैसले को कानूनी और ऐतिहासिक तथ्यों के विरुद्ध बताया। प्रधानमंत्री मोदी को किया गया है आमंत्रित- उल्लेखनीय है कि मदनी का यह बयान तब आया है जबकि बीते बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी को अयोध्या में राममंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए आमंत्रित किया गया और उन्होंने इस समारोह शामिल होने के लिए अपनी सहमति भी दे दी। जमीयत की तरफ से जारी बयान में मदनी ने कहा कि वे साफ तौर पर यह कहना चाहते हैं कि अयोध्या विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला सुनाया था, उसको वे सही नहीं मानते हैं। उन्होंने कहा कि फैसले के तुरंत बाद उन्होंने अपनी स्थिति साफ कर दी थी और कहा था कि यह गलत माहौल में और गलत सिद्धांतों के आधार पर दिया गया फैसला है। यह कानूनी तथा ऐतिहासिक तथ्यों के भी विरुद्ध है।

विधानसभा चुनावों को लेकर बोले पवार

विपक्ष के लिए अनुकूल है हालात

- लोकसभा चुनाव में सभी के साथ आने की कही बात
- विधानसभा चुनाव में कांग्रेस एक महत्वपूर्ण पार्टी

मुंबई, (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को माना कि कुछ राज्यों के चुनावों में संयुक्त मोर्चा बनाने को लेकर विपक्षी दलों के बीच मतभेद हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह भी महसूस किया जा रहा है कि सभी को लोकसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ना चाहिए। यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि विधानसभा चुनावों के रुझानों से पता चलता है कि स्थिति विपक्ष के लिए अनुकूल है। हालांकि, उन्होने कहा कि उनके पास इसको लेकर टिप्पणी करने के लिए कोई प्रामाणिक जानकारी नहीं है कि राष्ट्रीय स्तर पर (सरकार में) बदलाव होगा या नहीं। उन्होंने कहा, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और पंजाब सहित अधिकांश राज्यों में भाजपा की सरकारें नहीं हैं। पवार ने कहा, हमारे कुछ विचार हैं। बहुमत का मानना है कि सभी को संसदीय चुनाव के लिए एक साथ आना चाहिए। विधानसभा को लेकर हमारे विचारों में मतभेद है। उन्होंने कहा कि ऐसे राज्य हैं, जहां कांग्रेस एक महत्वपूर्ण पार्टी है और क्षेत्रीय संगठन भी हैं, जिसके कारण इन मुद्दों को मेज पर हल किया जाना चाहिए। लेकिन, ऐसा करते हुए राज्य के चुनावों में यह इतना आसान नहीं है जितना कि लोकसभा चुनावों में होता है। हमारे सहयोगियों के बीच निश्चित रूप से यह भावना है कि हमें लोकसभा चुनावों के लिए एक साथ आना होगा। कुछ राज्यों के चुनावों में समस्या होती है। लेकिन लोकसभा के लिए हमें मिलकर काम करना चाहिए।

गठबंधन के काम में तेजी लाने का हो रहा आग्रह-'इंडिया' गठबंधन के प्रमुख नेता पवार ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस का उदाहरण दिया, जो पश्चिम बंगाल में एक मजबूत पार्टी है, लेकिन वाम दलों या कांग्रेस को दरकिनार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि लोग उनसे इंडिया गठबंधन के काम में तेजी लाने का आग्रह कर रहे हैं, जिसका मतलब है कि इस पर और काम करने की जरूरत है।

दोनों पार्टियों ने परिवार व राजनीतिक राजवंशों को मैदान में उतारा

कांग्रेस-भाजपा ने 26 वंशजों को बनाया उम्मीदवार

जयपुर, (एजेंसियां)। कांग्रेस और भाजपा एक-दूसरे पर राजनीति में भाई-भतीजावाद का आरोप लगाते रहे हैं और बार-बार इसकी आलोचना करते रहे हैं। हालांकि, इस सार्वजनिक रुख के बावजूद, दोनों पार्टियों ने राजस्थान में अपने दिग्गज नेताओं के परिवार के सदस्यों को टिकट दिया है। राजस्थान में करीब 81 सीटें हैं, जो कई नेताओं का गढ़ मानी जाती हैं। इनमें से 40 सीटें दशकों से कुछ नेताओं और उनके परिवारों की पॉकेट रही हैं। दोनों दलों ने अपने वरिष्ठ नेताओं के रिश्तेदारों को 26 टिकट दिए हैं। इसमें दिग्गज नेताओं के 15 बेटे, छह बेटियां-पोतियां, तीन पत्नियां, एक बहू और एक रिश्तेदार शामिल हैं। राजस्थान में अब तक बीजेपी ने 124 और कांग्रेस ने 76 टिकट बांटे हैं। इनमें से भाजपा ने 11 और कांग्रेस ने 15 ऐसे उम्मीदवारों को टिकट दिए जिनके परिवार के सदस्य विधायक, सांसद और मंत्री रहे हैं। बीजेपी ने देवली-उनियारा से पूर्व सांसद प्रत्याशी किरोड़ी सिंह बैंसला के बेटे विजय बैंसला को टिकट दिया है। इसके बाद विद्याधर नगर से दीया कुमारी हैं जो पूर्व सांसद गायत्री देवी की पोती हैं और जयपुर के पूर्व शाही परिवार से आती हैं।

बीकानेर से सिद्धि कुमारी को भाजपा से टिकट - बीकानेर से सिद्धि कुमारी, जिनके दादा करणी सिंह 1952 से 1977 तक सांसद थे, को बीजेपी से टिकट मिला है। श्रीमाधोपुर से चार बार विधायक रहे हरलाल सिंह खर्रा के बेटे झाबर सिंह खर्रा को इस बार अपने पिता के निर्वाचन क्षेत्र से टिकट मिला है। मंजीत चौधरी को मुंडावर से टिकट मिला है और वह पूर्व विधायक धर्मपाल चौधरी के बेटे हैं। पूर्व मंत्री दिगंबरसिंह के बेटे शैलेश सिंह को डीग कुम्हेर से टिकट मिला है।

दोनों पार्टियां एक दूसरे पर भाई-भतीजावाद का लगाती हैं आरोप

इसी तरह नसीराबाद से रामस्वरूप लांबा को टिकट मिला है। वह पूर्व मंत्री और सांसद सांवरलाल जाट के बेटे हैं। पूर्व सांसद नाथूराम मिर्धा की पोती डॉ. ज्योति मिर्धा नागौर से बीजेपी के सिंबल पर चुनाव लड़ेंगी। धरियावद से कन्हैयालाल मीणा लड़ेंगे चुनाव। वह धरियावद के पूर्व विधायक गौतमलाल मीणा के बेटे हैं। दीप्ति माहेश्वरी राजसमंद से चुनाव लड़ेंगी और वह पूर्व मंत्री किरण माहेश्वरी की बेटी हैं। सुमिता भींचर मकराना के पूर्व विधायक श्रीराम भींचर की बहू हैं और अब उसी सीट से चुनाव लड़ेंगी। भाजपा के ठीक बाद कांग्रेस ने भी पारिवारिक संपर्क वाले कई नेताओं को मैदान में उतारा है। सुशीला डूडी पूर्व विपक्ष नेता रामेश्वर डूडी की पत्नी हैं, जो अब नोखा से कांग्रेस के सिंबल पर चुनाव लड़ेंगी। सरदार शहर से अनिल शर्मा पूर्व विधायक भवर लाल शर्मा के बेटे हैं, जबकि ब्रजेंद्र ओला पूर्व केंद्रीय मंत्री शीशराम ओला के बेटे हैं। रामगढ़ से जिस जुबेर खान को टिकट दिया गया है, वह कांग्रेस विधायक सफिया जुबेर के पति हैं। सुजानगढ़ से उम्मीदवार बनाए गए मनोज मेघवाल पूर्व मंत्री भंवरलाल मेघवाल के बेटे हैं, जबकि रीटा चौधरी मंडावा से छह बार जीत चुके रामनारायण चौधरी की बेटी हैं। सवाई माधोपुर से टिकट पाने वाले दानिश अबरार पूर्व राज्यसभा सांसद अबरार अहमद के बेटे हैं, जबकि टोंक से लड़ने वाले सचिन पायलट पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट और पूर्व विधायक-सांसद रमा पायलट के बेटे हैं। डेगाना से चुनावी मैदान में उतरे विजयपाल मिर्धा, नाथूराम मिर्धा परिवार से हैं और पूर्व विधायक रिछपाल मिर्धा के बेटे हैं। ओसियां से दिव्या मदेरणा को भी टिकट दिया गया है। वह पूर्व विधानसभा अध्यक्ष परसराम मदेरणा की पोती और पूर्व मंत्री महिपाल मदेरणा की बेटी हैं। लूणी से महेंद्र विश्नोई को टिकट दिया गया है। वह पूर्व मंत्री रामसिंह विश्नोई के पोते और पूर्व विधायक मलखान विश्नोई के बेटे हैं। वल्लभनगर से उम्मीदवार बनाई गईं प्रीति शक्तावत पूर्व मंत्री गुलाब सिंह शक्तावत की बहू और पूर्व विधायक गजेंद्र शक्तावत की पत्नी हैं। मांडलगढ़ से टिकट पाने वाले विवेक धाकड़ कन्हैयालाल धाकड़ के बेटे हैं, जबकि, राजाखेड़ा से टिकट पाने वाले रोहित बोहरा पूर्व मंत्री प्रद्युम्न सिंह के बेटे हैं।

रिपोर्ट — छत्तीसगढ़ में पहले चरण के उम्मीदवारों को लेकर एडीआर की रिपोर्ट

पहले चरण के चुनाव में 223 उम्मीदवारों में से 26 आपराधिक

जोगेन्द्र सोलंकी

नई दिल्ली, देशबन्धु। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के पहले चरण में राजनीतिक दलों ने सुप्रीम कोर्ट के उस निर्देश को पूरी तरह अनदेखा कर दिया जिसमें राजनीतिक दलों से आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों को टिकट न देंने के लिए कहा गया था। छत्तीसगढ़ इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने छत्तीसगढ़ विधानसभा के पहले चरण चुनाव लड़ रहे सभी 223 उम्मीदवारों विश्लेषण करने के बाद इनमें से 26 यानि 12 फीसदी के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होंने का दावा किया है। इनमें 16 उम्मीदवार के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले है।

एडीआर ने ये विश्लेषण पहले चरण के चुनाव के लिए नामांकन के दौरान दर्ज किए गए हलफनामों के आधार पर किया है। आपराधिक मामलों में भाजपा से विश्लेषण किए गए 20 उम्मीदवारों में से 5 यानि 25 फीसदी, कांग्रेस से विश्लेषण किए गए 20 उम्मीदवारों में से 2 यानि 10 फीसदी, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) से विश्लेषण किए गए 15 उम्मीदवारों में से 3 यानि 20 फीसदी और आप के विश्लेषण किए गए 10 उम्मीदवारों में से 4 यानि 40 फीसदी ने अपने हलफनामों में अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। गंभीर आपराधिक मामलों वाले उम्मीदवारों में भाजपा से 4, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के 2 और 1 आम आदमी पार्टी का उम्मीदवार है। पहले चरण 223 उम्मीदवारों में से 46 यानि 21 फीसदी करोड़पति हैं। इनमें कांग्रेस के 20 उम्मीदवारों में से 17, भाजपा के 20 उम्मीदवारों में से 14, आप के 10 उम्मीदवारों में से 3 और जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के 15 में से 2 उम्मीदवार करोड़पति है।

223 उम्मीदवारों में से 46 करोड़पति

सुप्रीम कोर्ट ने 13 फरवरी, 2020 के अपने निर्देशों में राजनीतिक दलों को विशेष रूप से निर्देश दिया था कि वे आपराधिक पृष्ठभूमि वालों का चयन करने का कारण बताएं कि क्यों बिना आपराधिक पृष्ठभूमि वाले अन्य व्यक्तियों को उम्मीदवार के रूप में नहीं चुना जा सकता। इन अनिवार्य दिशानिर्देशों के अनुसार, ऐसे चयन का कारण संबंधित उम्मीदवार की योग्यता, उपलब्धियों और योग्यता के संदर्भ में होना चाहिए। लेकिन 2023 में हुए 4 राज्यों के विधानसभा चुनावों के दौरान भी यह देखा गया कि राजनीतिक दलों ने व्यक्ति की लोकप्रियता, अच्छे सामाजिक कार्य करना, मामले राजनीति से प्रेरित होने के निराधार कारण बताकर आपराधिक पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों को टिकट दे दिया था। एडीआर का मानना है कि राजनीतिक दलों को चुनावी प्रणाली में सुधार करने में ही कोई दिलचस्पी नहीं है।

11 प्रतिशत महिलाओं को मिला टिकट

कुल 233 उम्मीदवारों में 25 यानी की 11 फीसदी महिला हैं। पहले चरण के उम्मीदवारों में 103 यानी 46 फीसदी की उम्र 25 से 40 के बीच है। 98 यानी की 44 फीसदी की उम्र 41 से 60 के बीच है। वहीं, 22 यानी की 10 फीसदी की उम्र 61 से 80 के बीच है।

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

नाम परिवर्तन सूचना

मैं प्रशांत परदेशी पिता श्री सुनील कुमार परदेशी उम्र 31 निवासी- मकान नं. 266, शारदा नगर करमेता जबलपुर म.प्र. का शपथपूर्वक निम्न लिखित कथन करता हूं कि-

यह कि मैं उपरोक्त पते पर निवास करता हूं। यह कि मेरे समस्म शैक्षणिक दस्तावेज कक्षा आठवीं, दसवीं, बारहवीं, पेन कार्ड, आधार कार्ड, में मेरा नाम प्रशांत परदेशी दर्ज है। यह कि मैं प्रशांत परदेशी की जगह अपना नाम प्रशांत गुप्ता कराना चाहता हूं। यह कि मेरी जन्म तिथि दिनांक 06.10.1992 हैं। मैं अपना नाम परिवर्तन कराने हेतु में यह शपथ पत्र आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं।

प्रशांत गुप्ता
शपथकर्ता

र.नं. 1478

संभागीय कार्यालय संभाग क्रं.-15 सुहागी, नगर निगम, जबलपुर

प्रकरण क्रं./संभा.अधि./ राजस्व/ M113
दिनांक 26/10/2023

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है श्री राजेन्द्र कुमार पटेल पिता स्व. श्री ईश्वरदास पटेल के द्वारा वार्ड क्रं. 72 दादा ठनठनपाल वार्ड के निगम सम्पत्ति आई.डी. क्रं. 1002207447 के पंजीकृत स्वामी श्री आशीष कुमार गोंटिया पिता श्री कृपाशंकर गोंटिया के नाम से दर्ज मौजा रिमझा रामदेव डेवलपर्स कालोनी प्लाट नं. 421 खसरा नं. 173/1 व 173/2 का दर्ज प्लाट रकवा 1000 वर्गफुट के क्रेता श्री राजेश कुमार पटेल पिता श्री हरप्रसाद पटेल के द्वारा आवेदक को डायवर्टेड खसरा नं. 173/1, 173/2 एवं पी-2 ख.नं. 173/1 का भाग का प्लाट रकवा 1000 वर्गफुट विक्रय/क्रय की गई सम्पत्ति पर निम्न दस्तावेज ई-पंजीयन प्रमाण पत्र, लिंक रजिस्ट्री, आधार कार्ड, टैक्स रसीद एवं राजस्व नामांतरण शुल्क के आधार पर नगर निगम राजस्व कम्प्यूटर रिकार्ड में अपना नाम दर्ज किये जाने नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है जिसमें किसी को भी आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय क्रं-15 सुहागी में दस्तावेज/प्रमाण सहित आपत्ति आवेदन प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रमांक-15, सुहागी
र.नं. 1479 नगर पालिक निगम जबलपुर

कोर्ट विद्यमान कामगार नुकसान भरपाई आयुक्त तथा न्यायाधिश द्वितिय कामगार न्यायालय, नागपूर

केस नं. W.C.A. (A) No. : १०४/२०२३
पेशी तारीख १०/११/२०२३

अर्जदार : रामु बाबुराम बर्मन व एक
-विरूध्द-
गैरअर्जदार : चोला एम.एस. जनरल इंशुरंस को. लि.

जाहीर सूचना

आम जनता को सुचित किया जाता है की, मृतक सोनु रामु बर्मन इनकी दूर्घटना में मृत्यु हुई है। गैरअर्जदार इन्होने नुकसान भरपाई की रक्कम रूपये १४,००,०००/- (चौदा लाख रूपये केवल) मा. विद्यमान कोर्ट में जमा किये है। उपरोक्त रक्कम मिलने के लिए मृतक के आश्रीत १. रामु बाबुलाल बर्मन, २. श्रीमती ग्यानबाई रामु बर्मन, ३. मोहनाल रामु बर्मन, सब रहनेवाले गाडघाट तपरिया, जबलपूर, जि. जबलपूर मध्य प्रदेश इन्होने रक्कम मिलने हेतू दावा दाखल किया है। इनके अलावा उत्तराधिकारी यदी कोई हो तो, सूचना जाहीर होने के पश्चात दिनांक १०/११/२०२३ ठिक सुबह १०.३० बजे लिखीत कागदपत्रो के साथ न्यायालय में अपना दावा पेश करे। अन्यथा उपरोक्त रक्कम का भुगतान उपस्थित उक्त आश्रीत को किया जायेगा इसकी सूचना प्राप्त करे।

यह सुचना मा. कोर्ट के आदेश अनुसार आज दि. १८ ऑक्टोबर २०२३ को कोर्ट के शिक्के के साथ दि जाती है।

शिक्का — मा. कोर्ट के आदेश नुसार न्यायालय लिपीक, कामगार न्यायालय, नागपूर.

Prasanna Publicity 09326927622

प्रथम पृष्ठ का शेष

परिवार की राजनीति....

कमलनाथ को चर्चा के लिए चुनौती-उन्होने कहा कि कांग्रेस वाले कहते हैं कि आदिवासियों के लिए क्या किया, अरे भाई कमलनाथ आपके पास कोई हिसाब-किताब नहीं। कांग्रेस के दूल्हे कमलनाथ बाबू हिम्मत है तो पीएम मोदी के काम के मुकाबले 10 प्रतिशत भी 50 साल में कांग्रेस ने किया है तो बताना। आप चौराहा तय कर लो, हमारे एमपी के युवा मोर्चा अध्यक्ष चर्चा के लिए तैयार हैं। **शिवराज की जमकर तारीफ की**-अमित शाह ने आमसभा में सीएम शिवराजसिंह चौहान द्वारा आदिवासियों के कल्याण के लिए किए गए ढेरों काम गिनाए। सीएम ने रानी दुर्गावती स्मारक बनाया, शंकर शाह व रघुनाथ शाह की स्मृति में स्मारक बनाया जा रहा है। छिंदवाड़ा विश्विद्यालय का नाम राजा शंकर शाह रखा। हबीबगंज को रानी कमलापति रेलवे स्टेशन बनाया। पातालपानी रेलवे स्टेशन को टंट्या भील के नाम से जोड़ा। उनकी स्मृति में खंडवा में स्मारक बनाया।

अगर सुनहरा दौर है ....

किया था, लेकिन आज मैं यहां मध्य प्रदेश के चुनाव को लेकर आपके बीच में आई हुई हूं। आज नेताओं के आरोप-प्रत्यारोप के बीच आपको निर्णय लेना है कि आप किसका समर्थन करेंगे। मैं यहां बातें करने आई हूं ना की भाषण देने।एक जमाना था जब हमारे देश में बड़े-बड़े महापुरुष आजादी की लड़ाई लड़ रहे थे, हमारी उनसे बहुत उम्मीदें थी आज आपकी भी उम्मीदें होनी चाहिए किसी दल से, किसी नेता से। प्रियंका गांधी ने कहा कि जब मैं आम जनता से मिलती हूं और उनसे पूछती हूं कि आपकी क्या उम्मीद है सरकार से, तो वह बताते हैं कि हमारे संघर्ष भरे जीवन में हम चाहते हैं कि बस थोड़ा सी मदद मिल जाए सरकार की ओर से, हमें रोजगार मिल जाए, हमें महंगाई से राहत मिल जाए, हमें सुरक्षा मिल जाए, बस इतनी सी उम्मीद जनता की रहती है। मुझे भी पता है कि आप लोग रात दिन मेहनत करते हैं। अपने बच्चों को पढ़ाते हैं और मुझे यह भी पता है कि बुंदेलखंड से पलायन बहुत होता है। आप जो यह मेहनत करते हैं आप भी चाहते होंगे कि आपका भविष्य मजबूत हो, सुरक्षित हो और आप भी चाहते हैं कि सरकार आपके जीवन में भागीदारी निभाएं और मदद करें।

तीन बच्चों समेत....

सदमे की लहर फैला दी है। पुलिस ने मौत का कारण जानने के लिए शवों को पोस्टमार्टम के लिए न्यू सिविल अस्पताल (एनसीएच) में रखवाया है। पुलिस अधिकारियों ने परिवार और उनकी वित्तीय स्थिति के बारे में अधिक जानने के लिए पड़ोसियों और इलाके के दूसरे लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। इस सामूहिक आत्महत्या के पीछे का मकसद अभी भी किसी को पता नहीं है। हालांकि, पुलिस वित्तीय समस्याओं और पारिवारिक विवादों समेत सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

दिल्ली की हवा 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंची

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (सफर) के आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच गई है। शनिवार सुबह समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 303 तक पहुंच गया। धीरपुर में पीएम 2.5 के साथ एक्यूआई 364 पर था, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में था। पूसा में एक्यूआई ने पीएम 2.5 को 215 'खराब श्रेणी' में दर्ज किया। लोधी रोड पर, पीएम 2.5 सांद्रता के साथ वायु गुणवत्ता सूचकांक 'खराब' श्रेणी के तहत 239 पर था और पीएम 10 भी 'मध्यम' श्रेणी के तहत 178 पर था। आईआईटी दिल्ली स्टेशन में हवा खराब श्रेणी में थी और बाद में 176 के साथ मध्यम श्रेणी में पहुंच गई। शहर के मथुरा रोड पर एक्यूआई 'खराब' श्रेणी में था, इसमें पीएम 2.5 225 और पीएम 10 सांद्रता 304 'बहुत खराब' श्रेणी में थी। सफर के पूर्वानुमान के अनुसार, रविवार को शहर की वायु गुणवत्ता और खराब होकर 'बहुत खराब' श्रेणी में आ जाएगी।

देश-प्रदेश

उवाच

मैं आरएसएस का कार्यकर्ता हूं, संघ के आदेश को कभी नहीं टालता- राजनाथ सिंह

लखनऊ। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का कार्यकर्ता हूं। मैं संघ के आदेश को कभी नहीं टालता। जब मुझे इस बात की सूचना दी गई कि ठाकुर संकठा प्रसाद के व्यक्तित्व पर प्रकाशित पुस्तक का विमोचन होना है तो मैं व्यस्तता के बावजूद आ गया। रक्षामंत्री आरएसएस के प्रचारक स्वर्गीय ठाकुर संकठा प्रसाद के जीवन पर आधारित पुस्तक के विमोचन के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि ठाकुर संकठा प्रसाद अनुशासन के मामले में बेजोड़ हैं। पुस्तक का शीर्षक कर्मयोगी संकठा प्रसाद है, लेकिन वह निष्काम कर्मयोगी थे। उनकी कड़क आवाज में भी अपनापन था।

किसानों के मुद्दों पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा, भाजपा ने किया पलटवार

किसानों को नहीं मिलता समर्थन मूल्य

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के बीच किसानों पर सियासत गरमा गई है। कांग्रेस ने जहां समर्थन मूल्य और किसान सम्मान निधि को लेकर सरकार को घेरा तो वहीं इस मुद्दे पर भाजपा ने भी पलटवार किया है। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि शिवराज सरकार किसानों से छलावा कर रही है। सरकार समर्थन मूल्य पर उपज खरीदी की घोषणा तो करती है, लेकिन किसानों को समर्थन मूल्य नहीं मिलता। सर्मथन मूल्य का सच छिपाकर किसानों की योजनाओं पर ताला लगाने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने किसानों के साथ छल किया है। समर्थन मूल्य लागत से कम दिया जा रहा है। खुद सरकार ने समर्थन मूल्य से अधिक कीमत मांगी थी। महाराष्ट्र और गुजरात ने भी इसकी मांग की थी, लेकिन बावजूद इसके कीमत कम मिल रही है। गेहूं की एमएसपी 2275 रुपए घोषित की गई है, जबकि 2400 रुपए किसान की बोवाई की लागत है। उन्होंने आज मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि महाराष्ट्र ने 4 हजार, गुजरात ने 3 हजार से ज्यादा की लागत बताई है। सुरजेवाला ने कहा कि फरवरी 2016 में सीहोर में मुख्यमंत्री ने कहा था किसान को लागत और मुनाफा देंगे। रबी का एमएसपी और कम है, किसान से किया गया वादा धराशायी हुआ है। सरकार एमएसपी की घोषणा करती है, लेकिन किसान को समर्थन मूल्य नहीं मिलता। उन्होंने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश में सरकार ने एक और छल किया है। 2023-24 में बजट में भावन्तर योजना का 1 हजार रुपए मात्र रखा गया था। 21-22 और 22-23 में एक फूटी कौड़ी शिवराज सरकार ने खर्च नहीं की।

सम्माननिधि से प्रदेश के 9 लाख किसानों के नाम हटाए

सुरजेवाला ने कहा कि सरकार ने किसान सम्मान निधि को किसान अपमान निधि बना दिया। भाजपा सरकार 9 लाख किसानों को 8 अगस्त 2023 से किसान सम्मान निधि नहीं दे रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को लेकर सुरजेवाला ने कहा कि दो करोड़ किसानों के नाम किसान सम्मान निधि की सूची से हटाए गए हैं। इनमें मध्य प्रदेश के 9 लाख किसान भी शामिल हैं। सुरजेवाला ने कहा कि किसान स्वामीनाथन आयोग के हिसाब से मांग करते हैं। कांग्रेस ने किसानों को वचन दिया है। केंद्रीय कृषि विभाग की रिपोर्ट का हवाला देते सुरजेवाला ने यह दावा किया कि पिछले 7 साल में किसानों की आए बढ़ने के स्थान पर कम हुई है।

किसानों को लेकर भ्रम फैला रहे सुरजेवाला

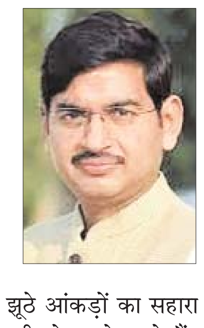

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा ने किसानों को लेकर कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला द्वारा लगाए गए आरोपों पर तीखा पलटवार किया है। पार्टी ने कहा है कि सूरजेवाला ने मध्यप्रदेश में झूठ की दुकान खोल ली हैं और वे किसानों को लेकर भ्रम फैला रहे हैं। वे झूठे आंकड़ों का सहारा लेकर खुद अपनी ही पार्टी की पोल खोल रहे हैं। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस को और रसातल में धकलेने के लिए सुरेजवाला ने झूठे और फर्जी आंकड़ों का सहारा लेकर खुद अपनी ही पार्टी की पोल खोलने में लग गए हैं। सुरेजवाला और करें तो क्या करें, क्योंकि कपड़ा फाड़ और परिवारवाद की दुकान मध्यप्रदेश कांग्रेस में फलने-फूलने के बाद उन्होंने सोचा क्यों न झूठ की दुकान खोलकर अपनी राजनीतिक रोटियां यहां सेकी जाएं।

श्री अग्रवाल ने आंकड़े देकर कहा कि वर्ष 2002-03 में मध्यप्रदेश में कांग्रेस शासनकाल में किसानों से समर्थन मूल्य पर खाद्यान्नों की खरीदी ही नहीं होती थी। किसानों को 15-16 प्रतिशत ब्याज दर पर फसल ऋण मिलता था। प्राकृतिक आपदा में फसल नुकसान होने पर मिलने वाली राहत ऊंट के मुंह में जीरे के समान थी। वर्ष 2018 में किसानों को कर्ज माफी का सपना दिखाकर उन्हें डिफाल्टर बना दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने डिफाल्टर किसानों के ब्याज का ऋण जमा किया है।

प्रतिवर्ष बढ़ाया जा रहा समर्थन मूल्य

श्री अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी समर्थन मूल्य को लेकर मध्यप्रदेश की जनता और किसानों में भ्रम फैलाने का कार्य कर रही है। केंद्र सरकार द्वारा समर्थन मूल्य प्रतिवर्ष बढ़ाया जा रहा है। वर्ष 2022-23 में गेहूं का समर्थन मूल्य 2015 रूपए था। 2023-24 में समर्थन मूल्य को बढ़ाकर 2125 किया गया। हाल ही में केंद्र सरकार ने वर्ष 2024-25 के लिए गेहूं का समर्थन मूल्य 2275 रूपए घोषित किया है।

किसान सम्मान निधि को लेकर भी बोला झूठ

श्री अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता रणदीप सुरजेवाला किसान सम्मान निधि को लेकर भ्रम फैला रहे हैं, जबकि हकीकत यह है कि मध्यप्रदेश के करीब 80 लाख किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री कल्याण योजना का लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की डबल इंजन की सरकार मध्यप्रदेश के किसानों को प्रति वर्ष 12 हजार रूपए नकद बैंक खातों में भेज रहे हैं। केंद्र सरकार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत प्रति वर्ष मध्यप्रदेश के करीब 80 लाख किसानों को 6 हजार रूपए प्रतिवर्ष प्रदान कर रही है, वहीं मध्यप्रदेश सरकार मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत भी प्रति वर्ष प्रदेश के किसानों को 6 हजार रूपए प्रतिवर्ष प्रदान कर रही है।

भाजपा सरकार में 4 गुना बढ़ा खाद्यान्न उत्पादन

श्री अग्रवाल ने कहा कि मध्यप्रदेश में वर्ष 2002-03 में कांग्रेस शासनकाल में खाद्यान्न उत्पादन मात्र 159 लाख मीट्रिक टन था, जो अब करीब चार गुना बढ़कर लगभग 619 लाख मीट्रिक टन हो गया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बोले-

कांग्रेसियों का राम भक्त बनना चुनावी पाखंड है

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष और सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि चुनाव आएंगे, जाएंगे राजनीति होती रहेगी पर आस्थाओं के साथ खिलवाड़ और मजाक देश स्वीकर नहीं करेगा। कांग्रेसियों का राम भक्त बनना चुनावी पाखंड है। कांग्रेस की असली दिक्कत प्रभु श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा से और श्री राम से है। कांग्रेस को घृणा सनातन से तो थी ही, अब नफरत का स्तर इतना बढ़ गया है कि कांग्रेस को राम मंदिर के चित्र वाले होर्डिंग्स से भी पीड़ा होने लगी है। ऐसा क्यों है जब भी राम मंदिर निर्माण से जुड़ा कोई सुखद कार्य होने लगता है कांग्रेस का दर्द बढ़ जाता है। यह बात उन्होंने भाजपा मीडिया सेंटर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कही। श्री शर्मा ने कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा के बयान को तुष्टिकरण से प्रेरित बताया और कहा कि कांग्रेस का मुगलों के प्रति प्रेम और सनातन के प्रति घृणा को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल का यह असर है और हमारी हिंदुत्व के विचारों की विजय कि बाबरी के पैरोकार कमलनाथ आज राम मंदिर को सनातन का मंदिर बता रहे हैं। कांग्रेस कहती है भगवान राम देश के है, बिल्कुल सही है फिर कांग्रेस को भी भगवान राम को होर्डिंग लगाने चाहिए लेकिन अगर उनका राम प्रेम छद्म है और बाबर प्रेम सर्वापरी है, तो वह जाकर बाबर के होर्डिंग लगाये। श्री शर्मा ने कहा कि अब चुनावी साल में सनातन को मिटाने की धारणा रखने वाले, हिन्दुओं से नफरत करने वाले कांग्रेसी, छद्म सनातनी वेष धारण कर के घूम रहे हैं।

शाह आज भोपाल, खजुराहो, रीवा, उज्जैन प्रवास पर

भोपाल, देशबन्धु। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जी 29 अक्टूबर को भोपाल, खजुराहो, रीवा, उज्जैन एवं 30 अक्टूबर को इंदौर एवं ग्वालियर प्रवास पर रहेंगे। श्री अमित शाह 29 अक्टूबर को प्रात: 10 बजे वीआईपी रोड भोपाल स्थित राजाभोज की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। आप प्रात: 11.30 बजे खजुराहो के होटल रमाडा पहुंचकर सागर संभाग की संभागीय बैठक का मार्गदर्शन करेंगे। दोपहर 2.50 बजे रीवा जिले के वृंदावन गार्डन झिरिया में रीवा एवं शहडोल संभाग की संभागीय बैठक में शामिल होंगे। उसके पश्चात शाम 6.30 बजे उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर के दर्शन कर फ्रीगंज स्थित टावर चौक में जनसभा को संबोधित करेंगे। रात्रि 8.30 बजे होटल रूद्राक्ष में उज्जैन संभाग की संभागीय बैठक में भाग लेंगे। श्रीशाह 30 अक्टूबर को प्रात: 11.30 बजे इंदौर के होटल ब्रिलियंट कन्वेशन सेंटर हाल विजय नगर में इंदौर संभाग की संभागीय बैठक को संबोधित करेंगे। दोपहर 2.30 बजे होटल रेडीसन सिटी सेंटर ग्वालियर में ग्वालियर चंबल संभाग की संभागीय बैठक में मार्गदर्शन करेंगे।

मुख्यमंत्री ने धूलकोट, सुंद्रेल और महेश्वर में चुनावी सभाओं को किया संबोधित, कहा-

कांग्रेस का पिछला वचन पत्र झूठा था, एक वादा पूरा नहीं किया

प्रियंका जी का झूठ सुनकर मैं हैरान हूं

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को भाजपा प्रत्याशियों, नेपानगर से मंजू राजेन्द्र दादू, धरमपुरी से कालू सिंह ठाकुर और महेश्वर विधानसभा क्षेत्र से राजकुमार मेव के समर्थन में विशाल चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कांग्रेस और प्रियंका गांधी के मध्यप्रदेश दौरे को लेकर जमकर निशाना साधा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज मध्यप्रदेश में फिर से प्रियंका गांधी आई हैं और फिर से झूठ की दुकान सज रही है। मुख्यमंत्री ने प्रियंका गांधी से कई सवाल भी पूछे और कहा कि अगर साहस है तो मैडम प्रियंका सवालों का जवाब दें और स्वीकार करें कि पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जो वचन-पत्र जारी किया था, वह झूठा था। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कांगेस को भगवान राम और राम मंदिर से तकलीफ है। भगवान राम के होर्डिंग हटवाने वाले कांग्रेसियों, लोगों के दिलों से भगवान राम को कैसे निकालोगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रियंका गांधी आज मध्यप्रदेश आई थीं। मैं हैरान हूं कि वे अपने भाषण में कितना झूठ बोलकर गईं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये झूठे लोग हैं, इनके परिवार ने इनको केवल झूठ बोलना ही सिखाया है। मुख्यमंत्री ने प्रियंका गांधी के 3 साल में केवल 21 नियुक्ति वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि 65 हजार युवाओं को तो नियुक्ति पत्र इस साल ही दिए हैं। मुख्यमंत्री ने प्रियंका गांधी से पूछा कि आपके भाई राहुल गांधी ने कहा था 10 दिनों में कर्ज माफ होगा नहीं तो मुख्यमंत्री बदल देंगे, लेकिन ना कर्ज माफ हुआ और ना ही मुख्यमंत्री बदला। उन्होंने कहा कि, वैसे तो कांग्रेस नहीं आ रही है, लेकिन आ गई तो ना लाड़ली रहेगी ना बहना रहेगी। कमलनाथ तो केवल पैसों का ही रोना रोते थे कि, मामा खजाना खाली कर गया। जब पैसा ही नहीं था तो मुख्यमंत्री क्यों बन गए थे। उन्होंने कहा कि, मेरे पास पैसों की कमी नहीं है। रसोई गैस का सिलेंडर 450 में ही दूंगा। कई नाम छूट गए हैं, लेकिन चुनाव के बाद उनके भी नाम जोड़े जाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि, प्रियंका गांधी में साहस है तो इन सवालों के जबाव दें कि, गरीब बैगा, भारिया, सहरिया बहनों को जो 1000 रूपए देते थे, कमलनाथ ने क्यों बंद किया। कांग्रेस ने संबल योजना क्यों बंद की, गरीब बहनों के पैसे देना क्यों बंद कर दिए। बेटा-बेटी के जन्म के समय मिलने वाले 12,000 रूपए क्यों बंद किए। बच्चों के लैपटॉप क्यों बंद कर दिए। बेटियों की शादी तो करवा दी, लेकिन उनके पैसे क्यों रोके। बुजुर्गों की तीर्थ दर्शन योजना क्यों बंद की। किसान सम्मान निधि की राशि के लिए किसानों की सूची प्रधानमंत्री जी को क्यों नहीं भेजी। गरीबों के मकान जो प्रधानमंत्री जी ने भेजे थे, वापस क्यों कर दिए। एक और बड़ा अपराध किया 2019 में जल जीवन मिशन लागू हुआ, हर गांव में हर घर में टोटी वाला नल लगाकर जल देने के लिए आपने महिलाओं के साथ अन्याय किया और योजना का कार्य शुरू नहीं कराया। कांग्रेस सरकार ने जल जीवन मिशन में कार्य शुरू ही नहीं किया क्यों। आपने कहा था 4000 रूपए बेरोजगारी भत्ता देंगे, एक पैसा भी नहीं दिया। युवाओं को फिर ठगने आ रहे हो। सबका कर्ज माफ करने का वादा किया था लेकिन वो भी नहीं किया।

बब्बर खालसा के 4 आतंकी गिरफ्तार, 6 पिस्तौल और 275 जिंदा कारतूस बरामद

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने खालिस्तान समर्थक संगठनों के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने में सफलता हासिल की है। एसएएस नगर (मोहाली) पुलिस ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के 4 आतंकी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को इस दौरान 6 पिस्तौल और 275 जिंदा कारतूस मिले हैं। ये लोग त्योहारों के दिनों में टारगेट किलिंग कर पंजाब का माहौल खराब करने की योजना बना रहे थे। उनके पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद हुए हैं।

डीजीपी पंजाब गौरव यादव द्वारा साझा की गई जानकारी के मुताबिक, एसएएस नगर पुलिस की सीआईए विंग ने एक आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। संगठन के सदस्यों का संबंध पाकिस्तान स्थित आतंकवादी हरविंदर सिंह रिंदा का आतंकी संगठन बीकेआई पाकिस्तान से हथियारों की तस्करी कर रहा था। ये लोग ड्रोन की मदद से पाकिस्तान से हथियार मंगवाकर पंजाब में सप्लाई करने का काम भी कर रहे थे। बीकेआई मॉड्यूल के सदस्यों को टारगेट किलिंग का काम सौंपा गया था।

गौरव यादव ने कहा कि मॉड्यूल को पाकिस्तान स्थित आतंकवादी हरविंदर रिंदा का समर्थन हासिल था, जो उसे देश की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) की मदद से सहायता प्रदान कर रहा था। यादव ने कहा, पाकिस्तान से हथियारों की तस्करी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस ने बताया कि ये आतंकी सीधे तौर पर पाकिस्तान में बैठे आतंकवादी हरविंदर रिंदा के कांटेक्ट में थे और वह इनकी पूरी मदद कर रहा था। हरविंदर रिंदा आईएसआई की मदद से इन्हें हथियार और आर्थिक मदद भेज रहा था। इन्हें पाकिस्तान से ड्रोन की मदद से हथियार और आर्थिक मदद भेजी गई थी।

सिद्दारमैया ने अंतरराज्यीय नदी जल-बंटवारा विवाद पर केंद्र से पूछा, कर्नाटक के लिए प्यार क्यों नहीं?

बेंगलुरु (आईएएनएस)। केंद्र की मोदी सरकार पर हमला जारी रखते हुए, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने कर्नाटक के महत्वपूर्ण अंतरराज्यीय नदी जल-बंटवारे विवाद को लेकर भाजपा सांसदों और केंद्र सरकार द्वारा प्रदर्शित उदासीनता पर चिंता जताई है। सीएम ने प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार से कर्नाटक की चिंताओं का स्पष्ट जवाब देने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा है कि कावेरी विवाद, महादयी नदी मुद्दा, ऊपरी कृष्णा परियोजना और मेकेदातु जलाशय जैसे विवादास्पद मामलों पर प्रकाश डालना जरूरी है।

कर्नाटक के अधिकारों और जरूरतों को बहुत लंबे समय से नजरअंदाज किया गया है। सिद्दारमैया ने कहा कि अब समय आ गया है कि हमारे भाजपा सांसद और केंद्र सरकार राजनीतिक मतभेदों को दूर कर राज्य के लिए खड़े हों। सीएम ने कर्नाटक को आपदा राहत निधि आवंटित करने में असमानता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कई प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने के बाद भी राज्य को वह वित्तीय सहायता नहीं मिली है जिसका वह हकदार है। सिद्दारमैया ने लोगों से केंद्र सरकार के खिलाफ अभियान का समर्थन करने का आह्वान किया और उनसे न्याय तथा न्यायसंगत उपचार की मांग के लिए एकजुट होने का आग्रह किया है।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, AMARTI RANI is legally MOTHER of Army no JC-483418F Rank SUB name RAM PARASHAD of Unit-JAK RRC JABALPUR MP Presently residing at Vill- KATHERA, PO- KATHERA, Teh- KATHUA, DISTT- KATHUA (J&K) PIN- 184104, शपथ पूर्वक कथन करती हूं कि मेरा नाम AMARTI RANI से AMRITI DEVI परिवर्तन हुआ है इस आशय का शपथ पत्र साथ में संलग्न है द्वारा शपथ पत्र दिनांक 28/10/2023 नोटरी जबलपुर म.प्र.।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, ARMY NO 13766137Y CHM HUKAM CHAND UNIT 1 JAK RIF निवासी VILLAGE- ARTHI, POST- KAPAHI, TEH- SUNDAR NAGAR, DISTT- SUNDER NAGAR, STATE- (HP) शपथपूर्वक कथन करता हूं कि मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरी पुत्री का नाम MEHAK एवं मेरी माताजी का नाम JASODA DEVI दर्ज है जो कि गलत है मेरी पुत्री का सही नाम MEHAK THAKUR एवं मेरी माताजी का सही नाम JASRU DEVI है जो कि उनके आधार कार्ड एवं अन्य कागजातों में दर्ज है, एवं पुत्री एवं माताजी के इन नामों को पढ़ा व सुना एव मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जावे।

मैहर विधानसभा : त्रिकोणीय मुकाबले के आसार

मैहर से नरेन्द्र कुमार मौर्य की रिपोर्ट

सतना, देशबन्धु। मैहर विधानसभा क्षेत्र में घूमते हुए मतदाता की खामोशी चौंकाती है। बरहिया गांव के मोहन लाल और एक आदिवासी सज्जन बार बार पूछने पर भी कहते हैं, अभी कुछ सोचा नहीं है। जैसा गांव, समाज में तय होगा, वैसा करेंगे। फिर अंत में वे धीरे से कहते हैं कि सत्ता तो बदलना चाहिए।

यही स्थिति पूरे क्षेत्र की है। शुरूआत में जब कुर्मी समाज में अच्छा प्रभाव रखने वाले मनीष पटेल से हम मिले तो उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी धर्मेश घई कमज़ोर साबित होंगे। वे नगर पालिका अध्यक्ष रहते हुए जब नगर का विकास नहीं कर पाए तो क्षेत्र का क्या करेंगे। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के सर्वे में राम निवास उरमलिया का नाम आया था, लेकिन टिकट धर्मेश को मिली। लेकिन मुख्य मुकाबला भाजपा और नारायण त्रिपाठी के बीच होगा।

उधर क्षेत्र में दबी जुबान से ही सही, मगर लोग बदलाव की इच्छा ज़ाहिर करते हैं। यह इच्छा सिर्फ विधायक बदलने की नहीं है बल्कि सरकार बदलने की है और यह कूवत सिर्फ कांग्रेस में ही है, इसलिए धर्मेश घई मुकाबले में हैं और नारायण त्रिपाठी के चलते यहां त्रिकोणीय संघर्ष के आसार हैं। मैहर के नादन गांव में दुकानदारी करने वाले विष्णु सिंह साकेत ने नारायण त्रिपाठी पर भरोसा जताया है। दूसरी ओर एक अन्य दुकान पर बैठे कुछ लोगों से चर्चा हुई तो उन्होंने सरकार बदलने की बात कही। यह भी कहा कि यह काम कांग्रेस ही कर सकती है, इसलिए लोग धर्मेश घई को वोट दे सकते हैं। एक अन्य ग्रामीण तुलसीदास साकेत ने भी इस बात की पुष्टि की और कहा कि हवा है ओर सरकार का बदलना तय है।

यह सच है कि अभी तक मतदाता खुलकर नहीं बोल रहे हैं, लेकिन सरकार के प्रति नाराजगी लाख छिपाने पर भी नजर आ ही जाती है। मैहर विधानसभा में अब छह प्रत्याशी मैदान में हैं। कांग्रेस से धर्मेश घई, भाजपा से श्रीकांत चतुर्वेदी, विंध्य जनता पार्टी से नारायण त्रिपाठी, बसपा से वीरेन्द्र कुशवाहा, आम आदमी पार्टी से बैजनाथ कुशवाहा और सपा से चंद्र प्रकाश पटेल। क्षेत्र में कुशवाहा वोट

कुर्मी समाज के वोट निर्णायक साबित होंगे

बसपा और आप में बंट सकते हैं। सपा का कोई जनाधार नहीं है। इस तरह कांग्रेस, भाजपा और विंध्य जनता पार्टी के बीच ही मुकाबला है।

मनीष पटेल मैहर की चर्चित हस्ती हैं। वे तीन बार चुनाव लड़ चुके हैं। एक बार कांग्रेस- भाजपा से और एक बार निर्दलीय के रूप में। निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में उन्हें 35 हजार वोट मिले थे। इस बार वे चुनाव नहीं लड़ रहे हैं, इसलिए सभी प्रत्याशी उनका समर्थन चाहते हैं ताकि पटेल वोट जो यहां करीब 35-40 हजार है वो उन्हें मिल जाएं और उनकी जीत सुनिश्चित हो जाए। ये अलग बात है कि मनीष अपने पत्ते नहीं खोल रहे और कहते हैं कि एक तारीख को मैं ना केवल अपने प्रत्याशी को समर्थन दूंगा बल्कि उनके लिए सड़क पर भी उतरूंगा। भले ही उन्होंने स्पष्ट कुछ ना कहा हो, लेकिन उनकी बातचीत से लगता है कि वे भाजपा प्रत्याशी श्रीकांत चतुर्वेदी का समर्थन करने वाले हैं। अगर ऐसा होता है तो भाजपा के जीतने की संभावनाएं ज़्यादा हैं।

घुनवारा करेगा मतदान बहिष्कार मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की घोषणाएं पूरी न होने से घुनवारा गांव के वासी इतने दुखी हैं कि उन्होंने मतदान बहिष्कार जैसे बड़े कदम की घोषणा कर दी है। आखिर 12 हजार से अधिक आबादी वाले इस गांव घुनवारा को ये कदम क्यों उठाना पड़ा? गांव के योगेश अवधिया बताते हैं कि 26 सितंबर 2015 को यहां प्रदेश का पहला अन्त्योदय मेला लगाया गया था। उसमें ग्रामीणों की चार मांगें स्वीकार की गई थी, पहली थी घुनवारा को तहसील का दर्जा देना। घुनवारा अभी नाम की उप तहसील है। दूसरी थी आईटीआई की स्थापना, तीसरी घुनवारा से पन्ना- बसेरा पहुंच मार्ग का निर्माण करना और चौथी थी नगर पंचायत बनाना।वे बताते हैं कि मई 2016 में आईटीआई चालू कर दी गई। इसके लिए पांच एकड़ जमीन पर निर्माण होना था, जमीन स्वीकृत भी हो गई। शुरूआत में ही 21 छात्रों ने एडमिशन ले लिया था। उनका एक पेपर हुआ और फिर उन्हें मैहर आईटीआई में समाहित कर दिया गया, जबकि मैहर में मिनी आईटीआई है। इसके लेकर आंदोलन भी किया गया। वे छात्र भी सड़कों पर उतरे लेकिन कुछ नहीं हुआ।

यही हाल पन्ना- बसेरा पहुंच मार्ग का हुआ। उसके भी टेंडर हो गए थे, लेकिन आगे कुछ ना हुआ। स्थिति यह है कि घुनवारा उप तहसील भी सिर्फ नाम की है, उसका भी कोई काम नहीं हो रहा। योगेश कहते हैं कि हमने भूख हड़ताल की तब सांसद गणेश सिंह ने आश्वासन देकर अनशन खत्म कराया था। उन्होंने कहा था कि जल्द काम शुरू होगा, लेकिन कुछ नहीं हुआ।

पिछले दिनों जब मुख्यमंत्री मैहर जा रहे थे, तब ग्रामीणों ने उन्हें रोककर अपनी समस्या बताई थी, उन्होंने ध्यान देने की बात की थी, लेकिन कुछ नहीं हुआ। अंत में गांव के लोगों ने मिलकर सामूहिक रूप से मतदान बहिष्कार का फैसला किया है। वे बताते हैं कि खबर सुनकर प्रशासनिक अमला नायब तहसीलदार कह अगुवाई में यहां आया था।

वे कहने लगे कि आप लिखकर दीजिए कि मतदान का बहिष्कार नहीं करेंगे। ग्रामीणों ने कहा, फिर आप भी लिखकर दीजिए कि हमारी मांग कब तक पूरी करेंगे। यह सुनते ही वे लोग चले गए। योगेश अवधिया कहते हैं कि 12 हज़ार की आबादी वाले गांव में 4989 मतदाता हैं। अभी नए मतदाता भी जुड़ गए हैं, तो यह संख्या बढ़नी चाहिए थी, लेकिन यह घटकर 4600 मतदाता ही रह गई है। कई जगह तो पूरे परिवार के वोट ही साफ हो गए। घुनवारा के साथ ऐसा पक्षपात ही हो रहा है। आखिर ग्रामीण कब तक बर्दाश्त करें।

अहसास

■ हरिप्रकाश राठी

बहुत पुरानी कहानी है। मेरी नानी मुझे सुनाया करती थी।

तब किसी देश में एक राजा राज्य करता था। राजा नितांत न्यायप्रिय एवं प्रजावत्सल था। उस राजा के इंसाफ के किस्से दूर-दूर तक सुनाये जाते। न्याय हर एक को मिले एवं हर हाल में मिले, यही उस राजा का उसूल था। राजा न्यायप्रिय होने के साथ-साथ प्रजारंजक भी था। वह प्रजा के दु:ख को अपना दु:ख समझता एवं हर समय इसी धुन में रहता कि प्रजा अधिक सुखी किस तरह हो सकती है। कहते हैं राजा एक बार घोड़े पर बैठकर शिकार खेलने गया तो राह में एक किसान का बच्चा घोड़े के नीचे आ गया। राजा बच्चे को लेकर उल्टे पाँव नगर लौट आया, राजवैद्य से इलाज करवाया एवं उसके ठीक होने तक पूरे पाँच दिन अन्न का दाना तक नहीं लिया।

ऐसे न्यायप्रिय राजा को उसकी प्रजा भी हृदय से आदर देती थी। ऐसे धर्मनिष्ठ राजा एवं प्रजा के चलते उस देश में वर्षा समय पर होती थी, अनाज रसयुक्त होते थे एवं वहाँ अकाल मृत्यु सुनने में नहीं आती थी।

इसी देश में दो मित्र निवास करते थे जिनकी बचपन से गाढ़ी मित्रता थी। दोनों एक दूसरे पर जान देते। दोनों एक-दूसरे के बिना रह ही नहीं पाते। दोनों हमउम्र युवा थे एवं इनमें से एक दूसरे से एक वर्ष बड़ा था। बड़े का नाम 'अरिष्टकेतु' एवं छोटे का 'सुमंत' था। दोनों एक मोहल्ले में पैदा हुए, दोनों के माता-पिता की आर्थिक स्थिति भी तकरीबन एक-सी थी, दोनों के घर विपन्न थे, दोनों गुरुकुल में भी साथ रहे एवं विवाह होने तक बहुधा साथ देखे जाते।

विवाह के कुछ वर्ष पश्चात् दोनों की नियति उन्हें भिन्न मार्गों पर ले गई। संयोग कुछ ऐसा हुआ कि सुमंत दिन-दिन आगे बढ़ता गया, चंद समय में ही उसका व्यवसाय चहुँ ओर फैल गया यहाँ तक कि व्यावसायिक जगत में उसके नाम की तूती बोलने लगी। उसके नाम की प्रतिष्ठा उतनी अधिक थी कि व्यवसायी उसकी लिखी हुण्डियों को स्वर्णमुद्राओं के समकक्ष मानने लगे। इससे ठीक विपरीत अरिष्टकेतु के सितारे तमाम प्रयासों के बावजूद गर्दिश में चले गए। वह जिस व्यवसाय में हाथ डालता उसी में नुकसान होता एवं इसी के चलते वह दिन-दिन वैसे ही सूखने लगा जैसे अकाल में नदी-तालाब सूख जाते हैं। उसकी दशा भी ऐसे ही तालाबों की उन मछलियों की तरह हो गई जो भावी की आशंका से दिन-रात तड़पती रहती है। सुमंत ने उसे अनेक बार सहयोग का प्रस्ताव भी किया, पर अरिष्टकेतु अभिमानी था, सुमंत से सहयोग लेना उसे गवारा न हुआ।

इसी दरम्यान अच्छे कारोबार के चलते सुमंत सपरिवार किसी बड़े जनपद में जाकर बस गया। यह जनपद उसके नगर से सौ कोस पर था। यहाँ आकर सुमंत के पौ-बारह हो गए। बड़े जनपद में माल की बिक्री कई गुना होने से उसकी व्यावसायिक बुलंदिया आसमान छूने लगी। उसका सिक्का चलने लगा तथा विपन्नता बीते दिनों की बात बन गई। नये जनपद पर आने के तीन वर्ष पश्चात् सुमंत के माता-पिता का निधन हो गया एवं उसे हरकारों से पता चला कि अरिष्टकेतु के माता-पिता भी कुछ समय पूर्व स्वर्गलोक सिधार गए हैं।

बादलों में चमकने वाली बिजली की तरह अरिष्टकेतु की स्मृति यदा-कदा उसके मन:पटल पर कौंधती लेकिन व्यावसायिक व्यस्तता के चलते धीरे-धीरे इस स्मृति का भी लोप हो गया।

काल का महानद कब रुका है। इस बात को भी दस वर्ष होने को आए। इन्हीं दिनों सुमंत एक बार अपनी ऊँची गद्दीदार पेढ़ी पर बैठा था कि एक फटेहाल भिखारी उसके समीप आया एवं वहीं आकर खड़ा हो गया। कृशकाय शरीर, सूखे होठ तथा दीन आँखों से वह साक्षात् विपन्नता का कंकाल लगता था। असहज सुमंत ने तिजोरी से कुछ निकाला एवं उसे दे ही रहा था कि यकायक चौंका। उसकी आँखें फटी रह गई। एक मित्र ने दूसरे मित्र को पहचानने में कोई भूल नहीं की। सुमंत उठा एवं अरिष्टकेतु को गले लगा लिया। हर्ष पुलकित उसकी आँखें भर आई। हृदय प्रेम, आनंद एवं श्रद्धा से भर गया। संयत हुआ तो बोला, ''मित्र! तुम्हारी यह दशा कैसे हो गई ? ऐसी विकट परिस्थिति में तुम मेरे पास चले क्यों नहीं आए ?'' कहते-कहते सुमंत की आँखों से गंगा-जमुना बह गई।

''सब भाग्य का खेल है मित्र! तुम्हारे नगर छोड़ने तक मुझे लगा मैं स्वयं को पुनर्स्थापित कर लूंगा। मैनें कुछ अन्य कारोबार भी किए, लेकिन उनमें भी सफलता नहीं मिली। अब हिम्मत जवाब दे गई है। मेरे ऊपर बहुत कर्जा हो चला है एवं लोग मुझ पर विश्वास नहीं करते। तुम्हारी भाभी एवं बच्चे अत्यंत विषम परिस्थितियों में जीवन जी रहे हैं।'' कहते-कहते अरिष्टकेतु का गला भर आया।

''सब भाग्य का खेल है मित्र! तुम्हारे नगर छोड़ने तक मुझे लगा मैं स्वयं को पुनर्स्थापित कर लूंगा। मैनें कुछ अन्य कारोबार भी किए, लेकिन उनमें भी सफलता नहीं मिली। अब हिम्मत जवाब दे गई है। मेरे ऊपर बहुत कर्जा हो चला है एवं लोग मुझ पर विश्वास नहीं करते। तुम्हारी भाभी एवं बच्चे अत्यंत विषम परिस्थितियों में जीवन जी रहे हैं।'' कहते-कहते अरिष्टकेतु का गला भर आया।

''तुम चिंता न करो मित्र! उन सबको मैं चुकता कर दूंगा। मैंने यहाँ इतना धन कमाया है कि सात पीढ़ियों के लिए पर्याप्त है। अब मेरा इस जनपद से भी मन भर गया है। पुराने नगर की याद दिन-रात सालती है। तुमने आकर उन स्मृतियों को पुनर्जीवित कर दिया है। गत कुछ समय से इधर का व्यवसाय बंद कर अपने नगर लौटने की भी सोच रहा हूँ। तुम्हारी भाभी एवं बच्चों की भी यही मंशा है। अब तुम आ गए हो तो इस योजना को त्वरित अंजाम दूँगा। अपना नगर अपना नगर होता है।'' कहते-कहते सुमंत की श्वासों में मिट्टी की गंध महक उठी।

कुछ ही माह में कारोबार समेटकर दोनों मित्र पुराने नगर में आ गए एवं मिलकर वहीं कारोबार करने लगे। सुमंत के सहयोग से अरिष्टकेतु की न सिर्फ पुरानी प्रतिष्ठा लौट आई, उसका व्यवसाय भी दिन दूना बढ़ने लगा।

भाग्य, भावी एवं भवितव्यता प्रबल है।

इस संसार में कौन है जिसे चिंता रूपी सर्पिनी ने नहीं खाया ? मोह ने किसे मतिभ्रम नहीं किया ? डाह ने किसे नहीं डसा ?

अरिष्टकेतु वैसे तो सुमंत का उपकार मानता था, परन्तु उसकी समृद्धि एवं संपर्कों को देख अनेक बार ईर्ष्या से दग्ध हो उठता। सुमंत की बढ़ती उसकी आँखों में खटकने लगती। यह ईर्ष्या अनेक बार इतनी गहन होती कि अरिष्टकेतु कल्पनाओं में मित्र का अरिष्ट तक सोचने लगता। व्यक्ति जब नकारात्मक विचारों से घिर जाता है तो स्वयं का विकास उसका लक्ष्य नहीं होता वह तो 'भाई भले ही मरे, भाभी विधवा होनी चाहिए' की तर्ज पर दूसरे का सम्पूर्ण विनाश सोच लेता है। नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी, समाजसेवी, राजसेवक बहुधा सुमंत के घर आते। वह अनेक समारोह में मुख्य अतिथि बन कर जाता यहाँ तक कि नगर के अनेक उत्सवों तक में नगर के प्रतिष्ठित व्यक्तियों की पंक्ति में होता। सुमंत उदार था। वह अर्जन के साथ विसर्जन की महत्ता भलीभांति समझता था। फल देने वाला वृक्ष किसे प्रिय नहीं होता। अरिष्टकेतु को यह कतई नहीं सुहाता कि उसकी दशा उसी के साथ पले-बढ़े मित्र के सामने ऐसी हो। इन्हीं विचारों के चलते अरिष्टकेतु के मस्तिष्क में एक भयानक योजना ने मूर्तरूप ले लिया।

एक बार अरिष्टकेतु सुमंत को नगर परकोटे से कुछ दूर घूमने के बहाने ले गया। दोनों बचपन में अक्सर यहाँ आते थे। बातें करते-करते सुमंत बचपन की स्मृतियों में खो गया एवं उसी समय अरिष्टकेतु ने कटार घोंपकर सुमंत का वध कर दिया। मरते-मरते सुमंत ने क्षणभर के लिए अरिष्टकेतु को देखा एवं फिर यह सोचकर आँखें मूंद ली कि अब दुनिया में देखने लायक क्या रह गया है ? अरिष्टकेतु ने बड़ी चतुराई से उसका शव वहीं गाड़ दिया एवं नगर आकर विलाप करते हुए सबको बताया कि सुमंत को एक चीता उठाकर ले गया। वह बहुत दूर उसके पीछे भागा, लेकिन चीता घनी पहाड़ियों में विलीन हो गया। पारिवारिक विश्वास के चलते थोड़े समय में उसने सुमंत के व्यवसाय पर भी आधिपत्य कर लिया एवं अब वह भी शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायियों में एक था।

इस घटना की सूचना राजा तक पहुँची एवं तफ्तीश करने पर भी कोई चिह्न न मिला तो राजा को दाल में काला लगा।

जिस नगर परकोटे की अगोचर शक्तियाँ रक्षा करती हो वहाँ यह पाप कैसे छिपता ?

एक दिन एक गडरिये ने आकर सेनापति को समाचार दिया कि वह अपनी मरी भेड़ गाड़ने के लिए एक स्थान खोद रहा था कि वहाँ उसे एक कंकाल एवं कुछ वस्त्र दिखे तथा उस कंकाल के समीप से यह दो अंगूठियाँ एवं कटार भी प्राप्त हुए हैं। सेनापति ने अंगूठियों एवं अन्य वस्तुओं की तफ्तीश करवाई तो यह स्पष्ट हो गया कि यह जघन्य अपराध अरिष्टकेतु ने किया है।

सेनापति उसे पकड़कर राजा के पास लाया एवं राजा को बताया कि किस तरह इस कृतघ्न ने इस पर उपकार करने वाले सज्जन मित्र की जघन्य हत्या की है। सेनापति ने दोनों की मित्रता का इतिहास राजा को बताया तो राजा के माथे पर बल पड़ गए। उसकी आँखें क्रोध से चमकने लगी, लेकिन वह संयत रहा। राजा उसे इस तरह एवं ऐसा दण्ड देना चाहता था जिसकी गूंज दूर तक जाए। राजा ने गौर से अरिष्टकेतु की ओर देखा। राजा ने अनेक अपराधी देखे थे। अरिष्टकेतु को देखकर वह ताड़ गया कि अरिष्टकेतु मूलत: सज्जन है, लेकिन लोभ एवं ईर्ष्या के वशीभूत उसने ऐसे जघन्य कृत्य को अंजाम दिया है। संभवत: इसने भी ऐसा घिनौना कृत्य करने की कल्पना नहीं की होगी। आँखों में परदा पड़ जाय तो इंसान क्या नहीं कर बैठता। अपराध फिर भी अपराध है एवं अपराधी को सजा मिलनी ही चाहिए। राजा सेनापति के निकट आया एव तेज आवाज में पूछा, ''सेनापति! तुम्हीं बताओ ऐसे कृतघ्न मित्रघाती को क्या दण्ड दिया जाय ?''

''राजन्! इसे बांधकर नगर के बाहर ऐसी जगह डलवा दिया जाय जहाँ माँसभक्षी पशु-पक्षी इसे नौंच-नौंच कर खा सकें। पक्षियों की तीखी चोंचें जब इसके बदन को आहत करेंगी तब इसे मित्र के उपकार एक-एक कर याद आएंगे।'' कहते-कहते रोष एवं आवेश के मारे सेनापति की आँखें लाल हो गई।

''लेकिन यह कैसे संभव है सेनापति ? क्या तुम नहीं जानतेज्ज.'' कहते-कहते राजा ने सेनापति की ओर इस तरह देखा मानो वो उसे कोई विशिष्ट संदेश देना चाहता हो। चतुर सेनापति ने राजा के मन की थाह जान ली। वह राजा की आँखों के इशारे का गूढ़ार्थ भांप गया। कुछ रुककर बोला, ''राजन्! मैं क्या नहीं जानता ? मैंने कुछ गलत तो नहीं कह दिया ? क्या यह दण्ड ऐसे जघन्य अपराध के अनुकूल नहीं है ?''

''मैं तुम्हारे द्वारा बताये दण्ड को गलत नहीं कह रहा, पर संभवत: तुम नहीं जानतेज्ज'' कहते-कहते राजा कुछ क्षण के लिए रुक गया।

''राजन्! आप अपनी बात स्पष्ट करें।'' सेनापति बोला।

''सेनापति! क्या तुम नहीं जानते कि मेरे नगर के माँसभक्षी पशु-पक्षी कृतघ्न व्यक्ति का माँस नहीं खाते। इसने अपने परम उपकारी मित्र का वध किया है। ऐसे दुर्दान्त, मित्रघाती एवं निकृष्ट व्यक्ति का माँस खाकर वे अपनी गति क्यों बिगाड़ेंगे ? पशु-पक्षी भी किसी धर्म से बंधे होते हैं। इससे तो अच्छा यही होगा कि वे किसी सड़े-गले मरे जानवर का मांस खा लें, ऐसा करके वे एक महान पाप से बच जाएंगे।'' कहते-कहते राजा ने तीखी आँखों से अरिष्टकेतु की ओर देखा।

अरिष्टकेतु पर बिजली गिरी। राजा का एक-एक वाक्य अपमान का तीखा बाण बनकर उसकी आत्मा में धंस गया। वह नख-शिख पसीने से नहा गया। सुमंत का चेहरा उसकी आँखों के आगे होकर घूमने लगा। उसकी पराजित, ग्लानित, अपमानित आत्मा उसके आगे असंख्य प्रश्न लेकर खड़ी हो गई। रे नराधम! रे कृतघ्न! तुमने ऐसा क्यों किया ? सुमंत ने तुम्हें भिखारी से श्रेष्ठि बनाया पर तुमने क्या सिला दिया ? तुम्हारे विश्वास पर तो वह सब कुछ छोड़कर जनपद से नगर चला आया था ? हा मित्र! मैंने यह क्या कर डाला ? हा! हा! मैंने यह क्या कर डाला ? मैं इतना निकृष्ट क्यों कर हो गया ? राजन् ठीक ही कहते हैं कि मुझ पातकी का माँस माँसभक्षी पशु-पक्षी तक नहीं खाएंगे ? यही सोचते-सोचते उसका सर घूमने लगा, आँखों से गंगा-जमुना बह निकली, वह निश्चेष्ट हो गया तथा देखते ही देखते राजा एवं सेनापति के सामने जड़ से कटे वृक्ष की भांति नीचे गिरकर ढेर हो गया।

अरिष्टकेतु की मृत्यु के पश्चात् विस्मयविमुग्ध सेनापति ने राजा से पूछा, ''राजन्, आज आपने यह कैसा दण्ड दिया ? आपकी वह बात मैं पूरी तरह समझ नहीं पाया कि आपके नगर के माँसभक्षी पशु-पक्षी कृतघ्न मित्र का माँस नहीं खाते ? यह कैसे संभव है ? भला ऐसे पशु-पक्षी भी किसी को बख्शते हैं? उनका तो यही धर्म है। वे यह कहाँ सोच पाते हैं कि यह कृतज्ञ का माँस है अथवा कृतघ्न का ?'' इस बार राजा मुस्कुराया एवं सेनापति के कंधे पर हाथ रखते हुए बोला, ''तुम ठीक कहते हो पशु-पक्षी ऐसा नहीं सोच सकते, लेकिन मनुष्य तो ऐसा सोच सकता है कि उसने कितना जघन्य अपराध किया है ? भटके हुए सज्जन एवं क्रूर अपराधी के दण्ड में अंतर तो होना ही चाहिए। दण्ड अपराध के अनुरूप ही नहीं, अपराधी के अनुरूप भी हो। पशु भी एक लाठी से नहीं हाँके जाते। मनुष्य तो फिर प्रज्ञाचेतन जीव है। मैं चाहता था कि दण्ड के पूर्व अरिष्टकेतु आत्मचिंतन करे। उसका आत्मचिंतन ही उसका मृत्युदण्ड था।''

''मैं समझा नहीं राजन्!'' ऐसे अनूठे दण्ड को सुनकर सेनापति की आँखें फैल गई।

''सेनापति! कठोर मृत्युदण्ड की सजा तो जगत के दुर्जनों के लिए है, सज्जन तो अहसास मात्र से मर जाते हैं। अरिष्टकेतु के समक्ष मैं जो कुछ कह रहा था, वह तो मात्र उसका अहसास जगाने भर के लिए था।''

''राजन्! सचमुच आप न्यायविद् हैं।'' कहते-कहते सेनापति का गला भर आया।

स्वाधीनता आंदोलन और साहित्य- हमारे जीवन मूल्य

■ सेवाराम त्रिपाठी

- पुस्तक. स्वाधीनता आन्दोलन और साहित्य
- सं. श्यामबाबू शर्मा
- प्रकाशक. अनुज्ञा बुक्स दिल्ली,
- मूल्य.799 रू
- रजनीगंधा 06. शिल्पी उपवन, अनंतपुर

स्वाधीनता से बढ़कर इस दुनिया में कोई चीज़ नहीं। स्वतंत्रता है तो सब कुछ है अन्यथा कुछ भी नहीं। पुस्तक का शीर्षक है. स्वाधीनता आंदोलन और साहित्य। इसे अनुज्ञा बुक्स दिल्ली ने प्रकाशित किया है। इसकी विधिवत योजना 16 मार्च 2022 को श्यामबाबू शर्मा ने बड़े उत्साह के साथ मुझसे साझा की थी। अपने तईं मैंने उनका हमेशा उत्साहवर्धन ही किया। वे बेहद उत्साही व्यक्ति हैं और उनकी सक्रियता ने हमें एक ठोस आधार और एक बड़ा नेटवर्क भी दिया है। वे संवाद पर अमल भी किया करते हैं। सक्रियता का आदान.प्रदान भी करते हैं। उन्होंने मुझे जो मान.सम्मान दिया है, वह सामान्य नहीं महत्वपूर्ण है। उन्होंने मेरी अनुशंसाओं को भलीभांति क्रियान्वित भी किया है। उसके बारे में क्या कहूं, सोचता हूं ऐसे आदमी भी इस मायावी महाबाज़ार में ढल रही दुनिया में मौजूद हैं। हम रिश्तों के विखंडन की त्रासदी भी झेल रहे हैं। खैर, यह एक अलग प्रश्न है।

सच मानिए, मैंने अपने किसी मित्र को इस विषयक कभी कोई फ़ोन नहीं किया कि आपको लिखना है। सम्पादक को खुला छोड़ दिया था। यह भी आश्चर्य से कम नहीं है। मेरे मित्रों ने मेरे संदर्भ को इतनी अहमियत दी। इसका सचमुच गर्व है मुझे। लेकिन यह गर्व वाकई में हिंदू होने जैसा गर्व नहीं है। मैं अपने तईं एक चुप्पा किस्म का, एक अदना सा आदमी रहा हूं। अपनी आत्मा में ही बहता हूं। साहित्य में कभी कोई धूम.धड़ाका करने की कोशिश भी नहीं करता। 28 मार्च को मैंने उन्हें इस बात के लिए प्रोत्साहित किया कि भारत की विविध भाषाओं में स्वाधीनता आंदोलन के अवदान को इसमें शामिल किया जाए तो बेहतर होगा। 4 अप्रैल को मैंने सुझाया कि मेरे मित्र और संस्कृत साहित्य के प्रकांड विद्वान प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी जी को इससे जोड़ा जाए और संस्कृत में स्वाधीनता आंदोलन के जो तमाम रूप रहे हैं उनसे निवेदन किया जाए कि उसे आलेख के रूप में प्रस्तुत करें। मैंने उन्हें त्रिपाठी जी का फोन नंबर उपलब्ध कराया और उनसे संपर्क करने को कहा। उसी तरह कन्नड़ भाषी मेरे मित्र हिंदी के विद्वान प्रो. धरणेंद्र कुरकुरी से अनुरोध करने के लिए कहा कि कन्नड भाषा में स्वाधीनता आंदोलन को आलेखित करें। 20 अप्रैल को मैंने अपने लिए भी विषय का चयन किया और कई दिक्कतों के बावजूद एक प्रतिज्ञा की तरह उस काम को पूरा किया। अग्रज रामकुमार कृषक जो छंद के भी ज्ञाता है और अत्यंत समझदार भी। सुधीर विद्यार्थी का नाम सुझाते हुए मैंने उन्हें बताया कि वे स्वाधीनता आंदोलन के क्रांतिकारी साहित्य के बारे में बेहतर तरीके से लिख सकते हैं। संपर्क सूत्र दे रहा हूं। बातें करें। एक बार ही उनसे लघुपत्रिका समन्वय समिति के आज़मगढ़ अधिवेशन में मिलना हुआ था। पांडेय शशिभूषण शीतांशु का भी नाम सुझाया। हालांकि एक बार ही उनसे मिला हूं बनारस में 1994में। उनसे भी मैंने आलेख लिखने के लिए कहने का अनुरोध किया। पूर्व में श्यामबाबू इस पुस्तक में कुछ लिखना नहीं चाहते थे। मैंने उन्हें समझाया कि आप ज़रूर लिखें। मैं मित्रों के नाम सुझाता गया, वे संपर्क करते रहे। कभी सफल हुए कभी असफल। कुछ और मित्रों. जानकारों के नाम सुझाए। जैसे अग्निशेखर और क्षमा कौल जी का। यह ठीक है कि अपनी विशेष व्यस्तताओं के कारण वे आलेख नहीं लिख सके। मैं सूत्र बताता गया और वे अपने उत्साह में अपनी कार्यविधि में उसे परिणत करते रहे।

इस किताब की विशेषता यही है कि हिंदुस्तानी भाषाओं में स्वाधीनता आंदोलन के सिलसिले में जो संघर्ष हुए हैं और साहित्य में उसे जिस तरह रेखांकित किया गया है। जिस प्रकार की उसकी विविध छवियां हैए उसे सामने लाया जाए। हिंदी, संस्कृत, मराठी, बांग्ला, कन्नड़, मलयालम, तमिल, तेलुगू, असमिया, मणिपुरी, गुजराती, पंजाबी, सिंधी, कश्मीरी, उड़िया, संथाली जैसी भाषाओं को इसमें केंद्रित किया जा सका है। इस क़िताब में लोक साहित्य. संस्कृति, सिनेमा, नाटक, उपन्यास, कविता के साथ पत्रकारिता और उसमें स्वाधीनता आंदोलन के व्यापक परिप्रेक्ष्य को पहचानने का एक विनम्र प्रयास किया गया है। यह मार्च से लेकर जुलाई 22 तक की महत्त्वपूर्ण रचनायात्रा है। इन पाँच महीनों में जिस उत्साह, उमंग, लगन और श्रद्धा से सम्पादक और लेखक मित्रों ने काम को अंजाम दिया है। वह मेरी निगाह में बेमिसाल है। श्याम बाबू ने जो काम किया है उसी का प्रतिफल है यह क़िताब। इसमें स्वतंत्रता आंदोलन का संघर्ष और समर्पण तो है ही उसकी खुशबू और महत्त्व भी है।

स्वाधीनता आंदोलन में इस देश का प्रत्येक वर्ग शामिल रहा है। जीवन के इस व्यापक रूप में देश के सभी लोगों ने कंधा से कंधा मिलाकर गुलामी से मुक्ति के लिए यह दिलचस्प मारक और अमूल्य लड़ाई लड़ी है। अपने प्राणों की आहुतियां दी. युवा पीढ़ी को जानना होगा कि यह आज़ादी दीवानगी और संघर्ष से ही कमाई गई है। यह फालतू पड़ी हुई कोई वस्तु नहीं है। वे इसकी कीमत समझें और इसकी सुरक्षा के लिए कुछ उठा न रखें। जुनून नहीं तो आज़ादी नहीं। जुनून नहीं तो जीना नहीं। जुनून और समर्पण नहीं तो लेखन भी नहीं। वे गीत हमें आज भी प्रेरणा देते हैं।

आज़ादी के अमृत महोत्सव में उस जज्बे को जीवित और जीवंत रखें। आज़ादी कहीं पड़ी हुई नहीं मिलती। वह लोक कल्याण की असली धुरी है। वह बलिदान मांगती है। वह हमारी अस्मिता है। स्वंतत्रता संग्राम सेनानियों से इसे हमें सीखना चाहिए। आज़ादी कायम है तो हम हैं। आज़ादी कायम नहीं तो हम भी नहीं हैं। वास्तव में यह सेंत-मेंत की दुनिया नहीं है। उसे लाना पड़ता है, निगरानी करनी पड़ती है और सतत कुर्बानी भी देनी पड़ती है। आज़ादी कोई सस्ती चीज़ नहीं है। यह अमूल्य होती है। इसका मूल्य वे जानते हैं जिन्होंने आज़ादी प्राप्ति के लिए गुलामी के खिलाफ़ लड़ाई लड़े थे और जो यह कठिन लड़ाई आज़ादी की सुरक्षा के लिए लड़ रहे हैं। हमें इसकी कदर करनी चाहिए। इसकी अवहेलना नहीं। भारतीय जीवन में इस दौर में अस्मिता की खोज और पहचान एक बेहद ज़रूरी मुद्दा है। भारत ने कभी भी नफ़रत फ़ैलाने का महासंग्राम नहीं लड़ा था। अवहेलना तो देखी थी, अब यह साक्षात हमारे सामने है। संभवत: इसीलिए स्वतंत्रता और मानवीय मूल्यों की सांसें फूल रही हैं। कभी प.जवाहर लाल नेहरू ने एक तथ्य की ओर हमारा ध्यान केंद्रित किया था कि मेरे भीतर पश्चिम और पूर्व का तनाव है, मेरे भीतर प्राचीन और आधुनिकता का तनाव है। इस मार्के की बात को हमें निरंतर अनुभव करते रहना होगा। इसमें स्वतंत्रता की वास्तविकता के बीज निहित हैं। इसी से हम वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। स्वाधीनता की लौ मद्धिम पड़ती जा रही है। उसके कारकों को लगातार खोजना होगा।

अभी तो हमें लोकबोलियों में स्वाधीनता आंदोलन, उसकी अवधारणा को और तमाम संघर्षों और जीवन मूल्यों और धाराओं को ढंग से खोजना है। उसमें लगातार परिवर्तन घटित होते रहे हैं। उसमें अभी भी बहुत कुछ छिपा है और यह सुखप्रद स्थिति है कि संकल्पनिष्ठ श्यामबाबू शर्मा शीघ्र ही इस वास्तविकता को आगे ले जाएंगे। यह जज़्बा अभी भी मौजूद है, स्वाधीनता आंदोलन केवल कुछ वर्षों की परिघटना नहीं है। हमारे पूर्वजों ने इसके लिए अनथक संघर्ष किए हैं। जब इस क़िताब की तैयारी चल रही थी ाउसी समय शर्मा जी को दो स्लिप डिस्क का आघात हुआ था। दिक्कतों के बाद भी वे बिना थमे, बिना रुके और अविचलित भाव से काम में लगे रहे।

अभी तो हमें लोकबोलियों में स्वाधीनता आंदोलन, उसकी अवधारणा को और तमाम संघर्षों और जीवन मूल्यों और धाराओं को ढंग से खोजना है। उसमें लगातार परिवर्तन घटित होते रहे हैं। उसमें अभी भी बहुत कुछ छिपा है और यह सुखप्रद स्थिति है कि संकल्पनिष्ठ श्यामबाबू शर्मा शीघ्र ही इस वास्तविकता को आगे ले जाएंगे। यह जज्बा अभी भी मौजूद है, स्वाधीनता आंदोलन केवल कुछ वर्षों की परिघटना नहीं है। हमारे पूर्वजों ने इसके लिए अनथक संघर्ष किए हैं। जब इस क़िताब की तैयारी चल रही थी ाउसी समय शर्मा जी को दो स्लिप डिस्क का आघात हुआ था। दिक्कतों के बाद भी वे बिना थमे, बिना रुके और अविचलित भाव से काम में लगे रहे।

लोक बोलियों के साहित्य में वह वाचिक हो या गैरवाचिक यानी लिखित, वह हमारी वार्ताओं में रहा हो या यूं ही अन्य किसी माध्यमों में, कुछ लोगों के अवदान हमारे खोजने, खंगालने के बावजूद इतनी जल्दी में मिल नहीं पाए। एक कसक रह. रह कर टीस रही है कि उर्दू, अरबी, फारसी और अन्य भाषाओं को तत्काल हम रेखांकित नहीं कर पाए। उस दौर में कितना साहित्य जब्त किया गया था। उसे भी परिश्रम से खोजना और हर हाल में पाना यानी उपलब्ध करना है। यह आसान काम नहीं है बल्कि बेहद गंभीर और मुश्किल है। क्योंकि आज की तरह हमारे पूर्व समयों में स्वाधीनता आंदोलन की लड़ाइयां नाम कमाने के लिए यश प्राप्ति के लिए और किसी तरह के लाभ. लोभ के लिए नहीं लड़ी जाती थीं, जो इस दौर में अभूतपूर्व प्रशंसा के रूप में विकसित हुआ है। साथ ही अपने आपको चमकाने के रूप में संपन्न हो रहा है। स्वतंत्रता हमारा जीवन मूल्य भी होती है। मौन आराधना भी है और उसको सुरक्षित रखना हमारे जिंदा रहने से ज्यादा ज़रूरी है। यह अमृत महोत्सव हमें आज़ादी के जश्न मनाने का जितना अवसर देता है। उससे कहीं ज्यादा उसको नए सिरे से पहचानने और पुनर्विचार करने का दायित्व भी सौंपता है। देखना यह है कि यदि हम अपनी सामासिकता, बहु आयामिता को नहीं बचा पाए और वह नफ़रत, क्रूरता, निर्लज्जता की भेंट चढ़ गई तो हमारे पुरखों का किया धरा अर्थहीन हो सकता हैघ। इधर बढ़ती कॉरीडोर संस्कृति ने दिखावे के जलसों ने आत्माओं तक को छलनी करना शुरू कर दिया है। अभी तो कहने को बहुत कुछ है और सहने को बहुत कुछ है। स्वतंत्रता के तमाम बिखरे सूत्रों को उसके विविध रंगों, सपनों और यथार्थ को विस्तार से समझने की ज़रूरत है। उसकी असलियत जड़ों, संस्कृति और लोकबोलियों के आयामों को विराट संदर्भों में टटोलने, सहेजने का भगीरथ प्रयास करना है और उसके लिए गंभीर जतन भी करना हैघ। ये बहुत उलझा हुआ सा मामला है। ठीक-ठीक कहा नहीं जा सकता कि कितना उसे कर पाएंगे। क्योंकि यह तो समय, परिस्थितियों और हमारी कार्यविधि में ही निर्णय हो पाएगा।

पहली पंक्ति के नेता

■ भूपेन्द्र भारतीय

वे बचपन से पहली पंक्ति के नेता रहे है। अपने पिताजी के पिताजी के समय से पहली पंक्ति वाली राजनीति में रहे। बचपन में अपने दादाजी के साथ पहली पंक्ति में बैठते थे। पाँच दशक से उन्हें कोई पहली पंक्ति से उठा नहीं पाया। हर राजनीतिक आयोजन में उनके लिए पहली पंक्ति में सीट आरक्षित रही है। मजाल की वे अपने क्षेत्र व पंक्ति से टस से मस हुए हो ! ना उन्हें कोई पहली पंक्ति से दूसरे पंक्ति में धकेल सका। आखिर नेतागिरी उनके बापदादा की जागीर जो ठहरीं। वे जन्मजात नेता जो ठहरे।

लेकिन इस सोशल मीडिया रूपी घोर कलयुग ने उनसे उनकी यह विरासत छीन ली। क्या जमाना आ गया ! युवाओं को अवसर देने के नाम पर उनके साथ राजनीति का सबसे बड़ा छल किया गया। उन्हें राजनीति में अग्रणी से सीधे बैकबेंचर बना दिया। पहली पंक्ति से सीधे राजनीति के कोपभवन में। लोकतंत्र नाम के खंभे ने उनकी नींव हिला दी। प्रजातंत्र ने उनसे उनकी जागीरी छीन ली। कहाँ तो हाईकमान ने अच्छे दिनों का वादा किया था और ऊपर से ये दिन देखने पड़ेंगे । उनकी राजनीति चाँद से सीधे उनकी गली में आ गई।

अब गली का बुजुर्ग मतदाता भी उन्हें नहीं पूछ रहा है। युवा मतदाता उनकी राजनीति से परिचित ही नहीं है। वह तो उन्हें नेता ही नहीं मानते। भला बड़ी कार व चेले-चपाटों के बगैर कोई नेता हो सकता है ? अब पहली पंक्ति के नेता की परिभाषा बदल चुकी है। क्या दौर था जब वे पहली पंक्ति के नेता थे। उनके एक इशारे पर पूरा क्षेत्र एकतरफा मतदान करता था। उनका दल उनके लिए हर समय रेड कार्पेट बिछाकर रखता था और अब देखो तो उन्हें टाटपट्टी तक नसीब नहीं हो रही है। उम्र के अंतिम पड़ाव पर बैकबेंचर बना दिया। वे जब पहली पंक्ति के नेता थे तो क्षेत्र में उनकी तूती बोलती थी। मजाल की हाइकमान उनसे बगैर पूछे कोई निर्णय ले सके। बड़े बड़े नेताओं की टिकट उनकी जेब में पड़ी रहती थी। ओर अब ये स्थिति है कि उनका ही टिकट कट गया है। पहली पंक्ति में आने के लिए राजधानी के चक्कर लगा रहे है। कहाँ तो अपने समय में वे स्वयं टिकट बांटते थे और अब उनकी टिकट के लाले पड़े हैं। क्या समय आ गया है, अब उन्हें कोई नहीं पूछ रहा है। वर्तमान में पहली पंक्ति के नेता तो छोड़ो, उन्हें तो उनके ही समय के वरिष्ठ नेता तक नहीं पूछ रहे हैं। वह भी क्या दौर था, जब वे पहली पंक्ति के नेता थे। सुबह से उनके घर पर ही कार्यकर्ताओं का ताँता लग जाता था। उनके परिवार के सदस्य उनका बहुत सम्मान करते थे। पहली पंक्ति के नेता होने के कारण परिवार के लोगों का भी उनके क्षेत्र में बहुत सम्मान था। छोटेमोटे काम स्वत: ही हो जाते थे। लेकिन अब परिवार के सदस्यों को भी कोई नहीं पूछ रहा है। पड़ोसी तक उन्हें नहीं पूछते। राजनीतिक चर्चाएं अब उनके परिवार में नहीं होती हैं। परिवार में कोई राजनीति की बात भी करता है तो सब उसे पागल समझकर आगे बढ़ जाते हैं।

अपने समय में वे अपने दल के पहली पंक्ति के नेता के साथ ही अग्रणी वक्ता भी थे। वे अग्रणी वक्ता आज भी है, लेकिन अब उन्हें उनका ही दल याद नहीं करता। नये कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण तक में उन्हें आमंत्रित नहीं किया जाता है। सोशल मीडिया की राजनीति के समय में उनके हाथ में ना मंच है ओर ना ही माईक। पहली पंक्ति के नेता इस स्थिति में अब अपनी राजनीति चमकाने के लिए विपक्ष की भूमिका में आ गए हैं। उन्हें लगता है कि शायद विपक्ष की भूमिका में आकर वे फिर से पहली पंक्ति के नेता का गौरव प्राप्त कर सकते हैं...!!

सुकून के दो पल

लोगों के पास धन दौलत
तो बहुत है पर मन
में सूकून के दो पल
ही नहीं हैं।
खाना भी खाते हैं तो
मोबाइल हाथ में होता है
खाने में क्या खाया पता ही नहीं होता
खाना खाने के लिए सुकून के
दो पल ही नहीं हैं।
भाग दौड़ वाली जिन्दगी में
इंसान इतना व्यस्त रहता है
कि परिवार के साथ दो पल
सुकून के बिताने के लिए नहीं हैं।
आज कल इंसान व्यापार
या नौकरी में इतना
पैसा कमाने में
व्यस्त हैं कि आराम
से बिताने के लिए
सूकून के दो पल ही नहीं हैं।
वर्तमान समय में
महिला एवं पुरुष काम
में इतने व्यस्त हैं कि
बच्चे भी आया के भरोसे पलते हैं।
बच्चों के साथ बिताने के लिए
सुकून के दो पल ही नहीं हैं।

मोहन सुरजन,
जबलपुर

ममता जोशी के सूफी गायन से गूंज उठी संगमरमरी वादियां

दो दिवसीय नर्मदा महोत्सव के समापन पर बिखरे कला और संस्कृति के रंग

जबलपुर,देशबन्धु। संगमरमरी सौंदर्य के लिए विश्वविख्यात भेड़ाघाट में दो दिवसीय नर्मदा महोत्सव के समापन पर लोक नृत्यों और सूफी गायन का श्रोताओं और कला रसिकों ने जमकर लुत्फ उठाया। शरद पूर्णिमा के चंद्रमा की अमृत किरणों से नहाई भेड़ाघाट की सुरम्य वादियों का सौंदर्य भी आज प्रकृति-प्रेमियों के लिए अद्भुत नजारा पेश कर कर रहा था। आर्मी बैंड की प्रस्तुतियों ने इसमें चार चांद लगा दिये।

नर्मदा महोत्सव के दूसरे दिन के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मुख्य आकर्षण चंडीगढ़ की सुप्रसिद्ध गायक ममता जोशी सूफी गायन था। परम्परागत रूप से नर्मदा पूजन के बाद शुरू हुए दूसरे दिन के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आगाज जबलपुर के कत्थक नाद और नटरंग नृत्य पीठ के कलाकारों द्वारा मनमोहक लोक नृत्यों की प्रस्तुति से हुआ। इसके बाद बारी थी सेना के बैंड दल की। पहली बार नर्मदा महोत्सव में प्रस्तुति दे रहे सेना के बैंड दल द्वारा देशभक्ति गीतों पर पेश की गई धुनों ने श्रोताओं में राष्ट्रप्रेम की भावनाएं उमड़ पड़ी। कत्थक नाद समूह के कलाकारों द्वारा श्री गणेश वंदना पर प्रस्तुत कत्थक नृत्य मंच पर भारतीय नृत्य कला की संबद्धता को सुशोभित कर रहा था। जिसे लोगों ने खूब सराहा। नटरंग नृत्य पीठ की ओर से शालिनी खरे एवं साथी कलाकारों ने गोंडवाना की लोक संस्कृति से संबंधित करमा लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। जिसने महोत्सव की शाम में चार चांद लगा दिए। समूह द्वारा विभिन्न लोकगीतों पर प्रस्तुत यह नृत्य महाकौशल की समूची सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित कर रहा था। साथ ही समूह के कलाकारों द्वारा राधा कृष्ण लीला का मंचन भी किया गया। मंच पर नटखट कन्हैया की बाल लीलाओं को देख दर्शकों का मन सराबोर हो गया और कार्यक्रम स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

दूसरे दिन के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अगली कड़ी में सेना के सुप्रसिद्ध ग्रेनेडियर बैंड के सूबेदार सतीश कुमार व उनके दल ने ओ देश मेरे गीत की प्रस्तुति के साथ सुरमयी कार्यक्रमों की श्रृंखला में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और श्रोताओं को देशभक्ति और राष्ट्र प्रेम के जज्बे से भर दिया। संगमरमर की श्वेत वादियों के बीच कल-कल बहती रेवा के तट पर आयोजित नर्मदा महोत्सव में सेना के बैंड दल की देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सेना और देश के सम्मान में भेड़ाघाट की सुरम्यवादियां श्रोताओं की करतल ध्वनियों से लंबे समय तक गूंजता रहा। आर्मी के इस बैंड ने मेरे सपनों की रानी कब आएगी तू और हर किसी को नहीं मिलता यहां प्यार जिंदगी में जैसे विभिन्न सदाबहार गीतों पर शानदार प्रस्तुतियां देकर महोत्सव की सुहानी शाम को रोशन कर दिया। नर्मदा महोत्सव के दूसरे दिन का प्रमुख आकर्षण ममता जोशी के गायन का भी श्रोताओं को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा। सूफी गायकी के क्षेत्र में अलग पहचान बनाने वाले सुश्री ममता जोशी ने गायन की शुरूआत में कबीर की रचनाओं को लयबद्ध किया।

उन्होंने भला हुआ मोरी माला टूटी तथा अंधेरी दुनिया भजन बिना कैसे रहियो जैसे कबीर की प्रसिद्ध रचनाओं को प्रस्तुत किया। जिसे सुनकर जलप्रपात के समीप मुक्ताकाशी मंच के सामने बैठे श्रोताओं का हृदय भक्ति भाव से खिल उठा। ममता जोशी द्वारा छाप तिलक सब छीनी से लेकर दमा दम मस्त कलंदर एवं सानू एक पल चैन न आवे जैसे एक से बढ़कर एक मशहूर सूफी गीतों का गायन भी किया। जिसे सुनकर श्रोता खुशी से झूम उठे। महोत्सव के दूसरे दिन शरद पूर्णिमा पर महोत्सव के पहले दिन की अपेक्षा कहीं ज्यादा कला रसिक गीत-संगीत और लोक नृत्यों का लुत्फ उठाने भेड़ाघाट पहुंचे थे। नर्मदा महोत्सव के दूसरे और समापन दिवस के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मुख्य अतिथि जीओसी मध्यभारत क्षेत्र लेफ्टिनेंट जनरल एम के दास थे। कलेक्टलर श्री सौरभ कुमार सुमन भी इस अवसर पर मौजूद थे।

मुक्ति बोध की रचनाएं ज्ञात से अज्ञात की ओर की है यात्रा

जबलपुर,देशबन्धु। पहल व अन्व?ित के संयुक्त तत्वावधान में आज रानी दुर्गावती संग्रहालय की कलावीथ?िका में मुक्त?िबोध की स्मृति में व्याख्यान और कविता केन्द्रि?त कार्यक्रम दूरदर्शन व आकाशवाणी नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक व प्रख्यात कवि लीलाधर मंडलोई मुक्त?िबोध की गद्य रचनाओं पर व्याख्यान देते हुए कहा कि मुक्तिबोध अपनी कविताओं में जिस प्रकार मोड़ लेते हैं वैसे ही वे अपनी कहानियों में जाते हैं। मुक्तिबोध की रचनाएं ज्ञात से अज्ञात की यात्रा है। मुक्तिबोध का व्यक्तित्व सुदढ़ है और वे हार न मानने वाले व्यक्ति व साहित्यकार रहे हैं। लेखन की निर्भयता उनकी सबसे बड़ी विशेषता है। मुक्तिबोध रंगों से अपनी भावना व विचार को व्यक्त करते थे। काला व धूसर रंग उनकी रचनाओं में उभरता है।

लीलाधर मंडलोई ने कहा कि मुक्तिबोध बड़े विचारकों से गुजरते हुए नया रास्ता खोजना चाहते थे। मुक्तिबोध विज्ञान खासतौर से भौतिक शास्त्र में भी प्रविष्ट हो कर जीवन का रास्ता खोजते थे। वे कहीं रूकना व थमना नहीं चाहते थे। मंडलोई ने कहा कि मुक्तिबोध को उनकी रचनात्मक बैचेनी ने बचाए रखा। मुक्तिबोध ने प्रतीक, मिथक व रूपकों से लोक शिक्षक की भूमिका निभाई।

दूसरे चरण के कार्यक्रम में मुक्त?िबोध की कविता शीर्षक के अंतर्गत मुक्तिबोध की किसी एक कविता पर कवि की ट?िप्पणी और कविता पाठ में जबलपुर के राजीव कुमार शुक्ल, भारती वत्स, विवेक चतुर्वेदी व भोपाल की श्रद्धा श्रीवास्तव की सहभागिता रही। पूजा केवट ने मुक्तिबोध की कविताओं का पाठ किया। संचालन रंगकर्मी आशुतोष द्विवेदी और आभार प्रदर्शन अन्व?िति के संपादक राजेन्द्र दानी ने किया।

मालगाड़ी के बैगन में लगी आग चार दमकल मौके पर पहुंचे

जबलपुर,देशबन्धु। शहडोल से कोयला लोडकर गाडरवारा जा रही मालगाड़ी के एक बैगन जबलपुर में धुआं निकलते हुए गार्ड ने देखा तो इसकी सूचना कंट्रोल को दी गई कंट्रोल की सूचना के आधार पर उक्त गाड़ी को कछपुरा में रोका गया इसके बाद दमकल विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग में काबू पाया गया।

इस संबंध में सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उक्त मालगाड़ी गाडरवारा में एनटीपीवी जा रही थी गाड़ी जबलपुर स्टेशन पहुंचने के बाद उसके गार्ड ने जब चेक किया तो बैगन नंबर डब्लू सी आर बैगन नंबर 2216 1125 781 के ऊपर से धुआं निकल रहा था जिसकी सूचना कंट्रोल को दी गई थी सूचना के बाद गाड़ी को कछपुरा स्टेशन में खड़ा किया गया जहां पर नगर निगम फायर ब्रिगेड के राजेंद्र पटेल विनोद पांडे शंकर सिंह और अलीम खान मौके पर पहुंचे दमकल वाहन लेकर पहुंचे और आग पर काबू पाया गया घटना की सूचना लगते ही मदन महल आरपीएफ भी मौके पर पहुंच चुकी थी। जानकारी के मुताबिक उक्त गाड़ी के बैंगन में पहले से ही आग लगी हुई थी यह तो अच्छा हुआ कि जबलपुर में उक्त बैगन से धुआं निकलते हुए देख लिया गया जिससे आग पर काबू पा लिया गया नहीं तो किसी भी बड़ी घटना से इनकार नहीं किया जा सकता था।

चंद्र ग्रहण का प्रभावः शाम ढलते ही मंदिरों के कपाट बंद देर रात ग्रहण काल का मोक्ष

जबलपुर, देशबन्धु। शरद पूर्णिमा की मध्य रात्रि को पड़ने वाला खंडग्रास चन्द्र ग्रहण पूरे भारत में दिखाई देगा। भारत के साथ ही इस चंद्र ग्रहण को एशिया, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका और उत्तरी अमेरिका में भी दिखाई दिया। साल के आखिरी ग्रहण का सूतक काल शाम 4.4 मिनट से लग गया था। मध्य रात्रि से चंद्र ग्रहण शुरू हो गया था। चंद्र ग्रहण मध्य रात्रि के बाद 1 बजकर 05 मिनट से आरंभ होकर 02 बजकर 24 मिनट तक चला। यह ग्रहण अश्विनी नक्षत्र और मेष राशि पर लगा। इस चंद्र ग्रहण को भारत के कई स्थानों पर देखा जा गया। इस चंद्र ग्रहण के बाद अगला चंद्र ग्रहण साल 2024 में 24- 25 मार्च और 17-18 सितंबर को पड़ेगा।

चंद्र ग्रहण कब से कब तक रहा

पं. लक्ष्मीधर बड़गैया ने बतया कि खंडग्रास चंद्र ग्रहण भारत के लगभग हर एक हिस्से से देखा गया। हिंदू पंचांग के मुताबिक यह ग्रहण शनिवार की रात 1. 05 मिनट से शुरू होगा और रात 2.24 मिनट तक चलेगा। उन्होंने बताया कि खंडग्रास चन्द्र ग्रहण की कुल अवधि 1 घंटे 19 मिनिट रही। शास्त्रों के अनुसार सूतककाल में खान-पान, पूजा-पाठ यहां तक मूर्तियों स्पर्श करना आदि पूरी तरह से वर्जित रहता है, हांलाकि रोगी, बच्चे, वृद्ध और गर्भवती महिलाओं को खान-पान करने की छूट रहती है। साल के आखिरी चंद्रग्रहण में जहां 8 राशि वालों के लिए अशुभ रहेगा, तो वहीं 4 राशि को शुभ फल प्रदान करेगा। ग्रहण खत्म होने के बाद स्नान करें, और पूजा स्थल पर गंगाजल से छिड़काव करके पूजा करें।

किस राशि पर क्या प्रभाव रहा

चन्द्र ग्रहण अथवा सूर्य ग्रहण को शुभ नहीं

शरद पूर्णिमा पर आसमान से नहीं बरसा अमृत

माना जाता है। ग्रहण का सभी 12 राशियों पर शुभ-अशुभ दोनों ही तरह का प्रभाव देखने को मिलता है। इन राशि वालों के लिए शुभ- मिथुन, कर्क, वृश्चिक और कुंभ राशि वालों के लिए यह चंद्र ग्रहण शुभ रहेगा। इन राशि वालों को रहा अशुभ- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, तुला, धनु, मकर और मीन राशि वालों को ज्यादा सावधान रहना होगा।

अशुभ प्रभाव से बचने करें यह उपाय-

चंद्र ग्रहण के दौरान कुछ उपायों को करने से ग्रहण का नकारात्मक प्रभाव व्यक्ति के जीवन पर नहीं रहता है। चंद्र ग्रहण के दौरान चंद्रमा के मंत्रों का जाप करने से ग्रहण का अशुभ प्रभाव नहीं पड़ता। इसके अलावा ग्रहण के दौरान राहु और केतु के मंत्रों का जाप भी फलदायी रहता है। चंद्र ग्रहण के बाद गरीबों को काले तिल, गुड़ आटा, चावल और सफेद चीजों का दान करना शुभ होता है।

शरद पूर्णिमा पर चन्द्र ग्रहण का साया

खंड ग्रास चन्द्रग्रहण के चलते आज शरद पूर्णिमा पर महिलाओं ने सूतक काल पूर्व ही पूजन-अर्चन कर लिया। जिससे शरद पूर्णिमा उत्सव नहीं मनाया गया। ग्रहण के चलते रात को खीर नहीं बनाई जा सकी, और न ही खुले आसमान के नीचे अमृत बरसा के लिए रखी जा सकी। ग्रहण के बाद खीर को रखा जा सकता है। ऐसी मान्यता है कि शरद पूर्णिमा पर मां लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं। भगवान श्रीकृष्ण शरद पूर्णिमा की रात को महारास करते हैं और शरद पूर्णिमा की रात को खीर रखने की परंपरा है। लेकिन ग्रहण के चलते यह संभव नहीं हो सका। हिंदू मान्यताओं में शरद पूर्णिमा का विशेष महत्व होता है। शरद पूर्णिमा के दिन चांद अपनी 16 कलाओं से युक्त होता है और इस दिन चांद से निकलने वाली किरणें अमृत के समान मानी जाती है, और लोग खीर बनाकर अमृत के लिए खुले आसमान के नीचे रखते है, लेकिन इस बार ऐसा संभव नहीं हो सका।

ऑनलाइन नामांकन की लास्ट डेट कल

ऑफलाइन फॉर्म सोमवार के बाद नहीं लेंगे जमा,आयोग ने जारी की गाइडलाइन

जबलपुर,देशबन्धु। चुनाव लड़ने के लिए ऑनलाइन नामांकन दाखिल करने वाले उम्मीदवारों को रविवार दोपहर तक सुविधा ऐप पर आवेदन देना होगा। इसके बाद ऑनलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। हालांकि, वे स्वयं रिटर्निंग अफसर के पास जाकर नामांकन भर सकेंगे।

स्लॉट बुक करना जरूरी-चुनाव आयोग ने ऑनलाइन आवेदन के गाइडलाइन तय की है। जिसके अनुसार नामांकन भरने की अंतिम तारीख के एक दिन पहले ऑनलाइन सुविधा बंद हो जाएगी। जो आवेदन ऑनलाइन जमा किया है, उसकी प्रिंटेड कॉपी रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष 30 अक्टूबर को 3 बजे तक जमा करानी होगी। इसमें भी शर्त यह है कि प्रत्याशी को रविवार दोपहर के पहले टाइम स्लॉट बुक करना होगा।

ऐसे नामांकन हो सकते हैं खारिज-रिटर्निंग अधिकारी की जिम्मेदारी होगी कि वह ऑनलाइन भरे गए नामांकन की जांच कर प्रक्रिया को पूरा करे। नामांकन पत्र को सत्यापित करने के पहले रिटर्निंग अधिकारी की जिम्मेदारी होगी कि वह क्यू आर कोड की जांच करे। इसकी जांच के बाद क्यू आर कोड की स्कैनिंग की जाएगी जिसमें आवेदन करने का समय दर्ज होगा। स्कैन किए गए फार्म और ऑनलाइन जमा किए गए फार्म की जांच करने की जिम्मेदारी रिटर्निंग अधिकारी की होगी। अगर ऑनलाइन जमा फार्म और ऑफ लाइन जमा किए गए फार्म की प्रविष्टि में अंतर की स्थिति बनती है तो रिटर्निंग अधिकारी ऑनलाइन नामांकन को खारिज कर देगा और ऑफलाइन फार्म को स्वीकार करेगा। अगर उम्मीदवार ने जमानत की राशि जमा नही की है तो इसकी जांच के बाद उसे सूचना दी जाएगी, और भारत सरकार के मैन्युअल के आधार पर कार्यवाही की जाएगी। इस व्यवस्था से आवेदन करने वाले उम्मीदवार नेट बैंकिंग के माध्यम से जमानत की राशि जमा कर सकेंगे। साथ ही प्रत्याशी चालान के जरिए या नकद भी राशि जमा कर सकते हैं।

वन्दे भारत में 03 लाख 70 हजार से अधिक यात्रियों ने किया सफर

जबलपुर,देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेल पर संचालित रानी कमलापति-हज़रत निज़ामुद्दीन-रानी कमलापति वन्दे भारत ट्रेन से दोनों दिशाओं में अब तक 03 लाख 30 हजार 600 से अधिक और रानी कमलापति-रीवा-रानी कमलापति वन्दे भारत ट्रेन से दोनों दिशाओं में 42 हजार 500 से अधिक एवं यात्रियों ने सफर किया। इस प्रकार पमरे से प्रारम्भ/टर्मिनेट होने वाली दोनों वन्दे भारत ट्रेनों से अब तक 03 लाख 73 हजार से अधिक यात्रियों ने सफर किया।

वन्दे भारत एक्सप्रेस युवा वर्ग एवं कामकाजी वर्ग में सबसे पसंदीदा यात्रा विकल्प बन रही है। सभी प्रमुख शहरों के बीच तीव्र संपर्क स्थापित होने से पर्यटन, रोजगार, व्यापार, शिक्षा और चिकित्सा के लिए यात्रा करने वाले यात्रिगण वन्दे भारत ट्रेनों से यात्रा करना पसंद करते हैं। युवाओं के बीच वंदे भारत काफी लोकप्रिय बन रही है।

पश्चिम मध्य रेल से संचालित होने वाली रानी कमलापति-हज़रत निज़ामुद्दीन-रानी कमलापति एवं रानी कमलापति-रीवा-रानी कमलापति वन्दे भारत ट्रेनें यात्रियों को प्राकृतिक सौंदर्य एवं घाट सेक्शनों के मनमोहक दृश्यों के अनुभव का एहसास करा रही है। वन्दे भारत ट्रेन विभिन्न शहरों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान कर रही है। यात्रा में समय की बचत हो रही है। यात्रियों को यात्रा में आराम दायक बना रही है।

वेरिफिकेशन और डिक्लेरेशन की तिथि 30 नवम्बर तक

जबलपुर,देशबन्धु। राज्य अधिवक्ता परिषद की बैठक शनिवार को संपन्न हुई। समिति ने अधिवक्ताओं को अंतिम अवसर देते हुए वेरिफिकेशन और डिक्लेरेशन फॉर्म ऑनलाइन भरने की अंतिम तिथि 30 नवंबर तय की है। अंतिम तारीख के बाद अधिवक्ता उक्त फॉर्म नहीं भर पाएंगे। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष राधेलाल गुप्ता ने की। परिषद के वाइस प्रेसिडेंट आरकेसिंह सैनी, सदस्य जगन्नाथ त्रिपाठी और राजेश पांडे भी उपस्थित रहे।

परिषद द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गयाकि अंतिम तिथि के बाद जिन अधिवक्ताओं का वेरिफकेशन और डिक्लेरेशन फॉर्म नहीं आएगा, उनका नाम नामांकन नामावली से हटा दिया जाएगा। ऐसे अधिवक्ता वकालत के पात्र नहीं होंगे। इन अधिवक्ताओं को परिषद की लाभकारी योजनाओं का लाभ भी नहीं मिलेगा। दरअसल, बार काउंसिल ऑफ इंडिया के निर्देशानुसार वेरिफिकेशन की अंतिम तिथि 30 नवंबर निर्धारित की गई है।

विशाल ईनामी दंगल आज

जबलपुर,देशबन्धु। विगत 65 वर्षों की भांती अपने गौरवशाली भारतीय परम्परा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी दुर्गा व्यायामशाला नारायणगंज के तत्वाधान में 29 अक्टूबर को दिन रविवार को विशाल ईनामी दंगल का आयोजन उक्त जानकारी व्यायामशाला के अध्यक्ष रतन सिंह ठाकुर के द्वारा दी गई, इण्डियन स्टाईल कुश्ती संघ के प्रांतीय महासचिव अर्जुन यादव ने समस्त जबलपुर जिले के पहलवानों से अधिक से अधिक संख्या में उक्त दंगल में भाग लेने की अपील की है।

महाराष्ट्र व्यायाम शाला में कार्यक्रम मंथन का आयोजन

जबलपुर,देशबन्धु। महाराष्ट्र व्यायामशाला, मढ़ाताल में शाम 6.00 बजे मंथन कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में नगर की सुप्रसिद्ध होमिओपैथ डॉ. रूचि जायसवाल ने मानसिक स्वास्थ्य मानसिक समस्याओं का समाधान कैसे करें विषय पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया।

आज के भौतिकवादी समाज में अत्याधिक मानसिक तनाव का प्रमुख समस्या हो गई है, जिसके कारण समाज का एक बड़ा वर्ग अवसाद, स्मृतिभ्रम, अत्यधिक उत्तेजना आदि मानसिक बीमारियों से पीड़ित हो रहा है ज्यादा पुरानी होने पर ये बीमारियां कई शारीरिक बीमारियों को जन्म देती है चूंकि इनके कारण मानसिक होते हैं अतः वे केवल औषधियों से ठीक नहीं हो सकती इसलिए हर बीमारी के पीछे मौजूद मानसिक कारण और लक्षण देखकर ही उसका इलाज किया जाना चाहिए। अंत में श्री हनुमान जी की विशेष आरती एवं प्रसाद वितरण से कार्यक्रम का समापन हुआ।

रघु तिवारी युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव नियुक्त

जबलपुर,देशबन्धु। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ राज्यसभा सांसद विवेक तंखा जी, विधायक तरुण भनोट के निर्देश पर शहर के प्रथम नागरिक महापौर एवं नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जगत बहादुर सिंह अन्नू के अनुमोदन एवं उनके अनुशंसा पर, युवा कांग्रेस प्रदेश प्रभारी अखिलेश यादव एवं प्रदेश सह-प्रभारी नदीम प्रधान जी को सहमति से एनएसयूआई छात्र संगठन के पूर्व जुझारू छात्र नेता एवं यूथ कांग्रेस मीडिया विभाग के स्टेट कोऑर्डिनेटर के रघु तिवारी की सक्रियता को देखते हुए मध्य प्रदेश युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डॉ विक्रांत भूरिया के द्वारा प्रदेश सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है ।

रघु तिवारी के प्रदेश सचिव नियुक्त होने पर नगर कांग्रेस कमेटी, सेवादल, महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस, एनएसयूआई, इंटक कांग्रेस, बाल कांग्रेस सभी संगठनों में एक हर्ष की लहर है बधाई करता में मनोज सेठ ,आरिफ बैग, अनुराग तिवारी, रिजवान अली कोटि, अधिवक्ता श्रीकांत विश्वकर्मा, सिद्धांत जैन, अंकित पटेल , रविंद्र गौतम, अदनान अंसारी, अमित मिश्रा, जसवंत सिंह ठाकुर ,अमित पंडित, गौरव सोनी, आदि कांग्रेस जनों ने बधाई प्रेषित की है।

रेलवे यात्रियों की समस्याओं को लेकर रेल प्रबंधक को सौंपा मांग पत्र

जबलपुर,देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेल के मुख्यालय जबलपुर में मुख्य यात्री प्रबंधक श्री बृजेंद्र कुमार को कमलेश सेन,सदस्य-रेल सलाहकार समिति ने रेलवे यात्रियों की सुविधाओ में बढ़ोतरी से संबंधित समस्याओं को लेकर एक मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र में प्रमुख रूप से राज्यरानी एक्सप्रेस के समय में बदलाव एवं विदिशा रेलवे स्टेशन के सामने बने पैराफिट को हटाने के साथ-साथ यात्री गाड़ियों के ठहराव एवं साप्ताहिक गाड़ियों को प्रतिदिन चलाने संबंधी मांग पत्र मे समाहित की गई। मुख्य यात्री प्रबंधक ने यात्री सुविधाओं में यथासंभव अतिशीघ्र बढ़ोतरी करने का आश्वासन दिया।इस अवसर पर गंजबासौदा के मंडल अध्यक्ष एवं समाजसेवी धर्मेंद्र कुशवाहा प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

सेवानिवृत्ति आदेश मामले में हाईकोर्ट ने जारी किया आदेश

जबलपुर,देशबन्धु। संत लाल, डम्पर ऑपरेटर, कोल माईन्स की वास्तविक जन्मतिथि सरकारी सेवा में सही दर्ज होने के बावजूद, एक स्थान से दूसरे स्थान पर ट्रान्सफर होने में लास्ट पे सर्टिफिकेट में गलत जन्म तारीख दर्ज होने के कारण, आवेदक द्वारा लगातार 23 वर्षो से विभागीय प्रयासरत करने के बावजूद उप महाप्रबंधक (कोल माईन्स) बिलासपुर द्वारा नोटिस देकर चार वर्ष की नौकरी बाकी होने के बाद जुलाई 2024 में सेवानिवृत्त करने का आदेश दिया है। इस आदेश के विरूद्ध हाईकोर्ट जबलपुर में रिट पिटीशन नम्बर 24420/2023 13/10/23 को तर्क प्रकरण में सुनने के बाद न्याधिपति मनिन्दर एस भटटी ने आवेदन स्वीकार करते हुए अनावेदकों को जवाब हेतु नोटिस जारी करते हुए अगली पेशी 06/11/23 को प्रकरण में सूचीबद्ध किया गया।

माँ काली और सिद्धिदात्री के जयकारों के साथ निकला जवारा विसर्जन जुलूस

जबलपुर, देशबन्धु। 360 गोत्रीय खटीक समाज के तत्वाधान में माँ सिद्धिदात्री मंदिर समिति द्वारा माँ काली एवं सिद्धिदात्री के कलश स्थापना के पश्चात लगातार 48 वर्षों से जवारा चल समारोह का आयोजन किया जाता है। मंदिर परिसर में मुन्नू पंडा द्वारा जवारों का पूजन-अर्चन कर मंदिर से परिसर से आरंभ हुआ। जवारा विसर्जन जुलूस सुभाष टॉकीज, मिलौनीगंज, दुर्गा चौक से होते हुए हनुमानताल पहुंचकर सम्पन्न हुई। महिला-पुरूषों की भजन मंडली जवारा जुलूस में देवी गीत गाते हुए और श्रृद्धालु बाना छेदे हुए माता के जयकारों का उद्घोष कर चल रहे थे। जवारा चल समारोह में महिलाएं सिर पर कलश रखें हुए थी, जिससे क्षेत्र धर्ममय प्रतीत हो रहा था। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ और विधायक लखन घनघोरिया, विद्या करन भोजक, मनीष माहर, मुन्ना ठाकुर, जीत जांगड़े, धर्मेन्द्र पटारिया, महेश रत्नाकर, घनश्याम सुहारिया, लखन पटारिया, बेवन जांगड़े, अनिल भोजक, उमेश पीपरी, आकाश सुहारिया, दिलीप अविंद्रा, लखन ढांडी, सिद्धार्थ पटारिया, विक्की पटारिया, संजय अविद्रा, प्रहलाद पीपड़ा, अमित पटारिया आदि सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

श्रीराम ने अपने मित्रों को उपहार देकर दी विदाई

जबलपुर, देशबन्धु। सदर स्थित धनुष यज्ञ रामलीला समिति द्वारा रामराज्य अभिषेक प्रथम तिलक वशिष्ठ जी द्वारा अयोध्यापति श्री राम का किया जाता है। समस्त अयोध्या वासी एवं नल-नील, अंगद, सुग्रीव, विभीषण, जामवंत, हनुमान जी के द्वारा प्रभु का तिलक किया जाता है। माता सीता श्रीराम के साथ राज्यसिंहासन पर विराजमान होते है।

भगवान श्री राम अपने मित्रों को उपहार में अनेक रत्न जड़ित वस्त्र और आभूषण प्रदान कर उनकी विदाई की। भगवान राम का अभिनय आर्यांश तिवारी, लक्ष्मण अरनव तिवारी, सीता माता, विषेश पाठक, भरत का अभिनय आदित्य तिवारी, शत्रुधन अबीर अग्निहोत्री, हनुमान जी मनोहर लाल अग्निहोत्री, अंगद रजनीकांत अवस्थी, जामवंत आदेश दीक्षित, सुग्रीव विजय ठाकुर, सुमंत सतीश पाठक, आकाश नायडू, पापा यादव, अरुण तिवारी, मोहित अग्निहोत्री, आशीष पाठक, शारदा तिवारी, डीपी कमल, शरद शर्मा, चमन धानुका, ओम प्रकाश पाठक, विशेष पुरस्कार से सम्मानित किए गए। सीताराम कुरचानिया रावण के रूप में प्रस्तुति से सम्मानित किए गए। अहिरावण मेघनाथ द्वितीय पुरस्कार अरुण तिवारी और सतीश पाठक को प्रदान किया। रवि महावर, प्रकाश पंडित, प्रकाश सोनी, राहुल रजक, व्यवस्था के रूप में विशेष पुरस्कार प्राप्त दिया गया। अभय नायडू लाइट एंड टेंट विशेष व्यवस्था के लिए हाईटेक तकनीक दिनेश शुक्ला, संजय शुक्ला, मधुर तिवारी को सम्मानित किया गया।

संदीप चौकसे, प्रदीप चौकसे, प्रमोद तिवारी, आवेश तिवारी, जुलूस प्रबंधन के लिए सम्मानित किया गया। व्यास पीठ शिव शंकर मिश्रा, नरेश तिवारी, शिवदत्त चौबे, मुकेश चौरसिया, मोनाल तिवारी, सौरभ गौतम, राजीव तिवारी, विजय कोरी, विशेष रूप से सम्मानित हुए प्रचार मंत्री के रूप में प्रहलाद श्रीवास्तव, धनंजय बाजपेई, एवं मीडिया प्रभारी ने भगवान श्री राम का आशीर्वाद प्रदान किया। समस्त समाचार पत्रों का इलेक्ट्रिक मीडिया प्रिंट मीडिया पुलिस प्रशासन , जिला प्रशासन अधिकारी, स्काउट, कैंट के कर्मचारी सदर के समस्त गण मन नागरिक जिन्होंने लीला के लिए विशेष सहयोग किया उन्हें भी धन्यवाद ज्ञापित किया गया अभिषेक चौकसे मधुर तिवारी सीताराम कुरचानिया धनंजय बाजपेई अपने वक्तव्य में भगवान राम को सनातन संस्कृति का जनक और ध्वजवाहक बताया संपूर्ण विश्व हमारी संस्कृति के कायल है।

आज भी चारों वेद गीता रामायण वसुदेव कुटुंबकम पर एकजुट करते हुए संपूर्ण विश्व को शांति और समन्वय का मार्ग दिखाता है यही हमारी सनातन संस्कृति की पहचान है हमारा देश अनेक व्यवस्थाओं से भरा हुआ संपूर्ण विश्व को दर्शनशास्त्र देता है हम सभी का आभार व्यक्त करते हैं आप सब में जो सहयोग प्रदान किया भगवान श्री राम कि मानव लीला आप सबके सहयोग से ही संभव हो पाया कोटि-कोटि धन्यवाद हमसे अगर कोई भूल हुई हो तो हम क्षमा पर आती हैं धनुष यज्ञ रामलीला समिति सदर प्रचार मंत्री धनंजय बाजपेई

हरे कृष्णा आश्रम से नर्मदा पंचकोशी 108 परिक्रमा का आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से निकाली जाने वाली नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा में चतुर्मास विश्राम में आज आखिरी शरद पूर्णिमा के अवसर पर आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद दास महाराज के सानिध्य में नर्मदा स्वर्ण कलश लड्डू गोपाल तुलसी मैया राधा रानी की एक साथ 108 परिक्रमा संकीर्तन के साथ की गयी भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ. सुधीर अग्रवाल अध्यक्ष डॉ. शिव शंकर पटेल संकीर्तनचार्य मनमोहन दुबे श्याम मनोहर पटेल मनोज गुलाबवानी दुर्गा पटेल सत्यप्रकाश नामदेव सह सकीर्तनचार्य सुरेश विश्वकर्मा जगदीश तिवारी देवेंद्र नेमा मोहित तिवारी विशाल पड्या आदि उपस्थित थे। नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा का पत्रक पूजन बगलामुखी मंदिर ब्रह्मचारी स्वामी चैतन्यानंद महाराज के सानिध्य में आज रविवार को सुबह 11 बजे किया जाएगा। 27 नवंबर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर वृहद नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से सुबह 8.30 बजे निकली जाएगी।

शरद पूर्णिमा को भाचार्य विद्यासागर का अवतरण दिवस मनाया

जबलपुर देशबन्धु। कंचन विहार विजय नगर स्थित पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में विगत दिनों से श्री 1008 कल्पद्रुम महामण्डल विधान विश्व शांति महायज्ञ आचार्य 108 विद्यासागर महाराज के आर्शीवाद एवं 105 आर्यिका रत्न चिंतनप्रति माता ससंघ के सानिध्य में चल रहा है। पूर्णिमा में भाचार्य विद्यासागर के अवतरण दिवस पर अष्ठ द्रव्य की 78 थालियों से आचार्य श्री की पूजन महिला मण्डल द्वारा किया गया है। विधानाचार्य वाल. प्र. अंकित भैया सहज एवं ब्र. संजय भैया, पंडित शुभम जैन द्वारा विधान प्रभावना के साथ हो रहा है। इस विधान के मुख्य पात्र, सौधर्म इन्द्र, चक्रवर्ती भरत पोदनपुर नरेश बाहुबली, कुवेर, महायज्ञ नायक यज्ञनायक एवं माता पिता आदि मुख्य है।

गेम्स खेलकर मनाया सिंधी लेडीज क्लब ने दीपोत्सव

जबलपुर, देशबन्धु। पारम्परिक परिधानों और दीपों से सजे माहौल में महिलाओं ने एंटरटेनिंग एक्टिविटी में हुनर दिखाया। सिंधी लेडीज क्लब के तत्वावधान में दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में दिवाली से जुड़े गेम्स खेले गए। इस दौरान लजीज व्यंजनों का लुत्फ भी उठाया गया। इस मौके पर निशा केसवानी, कंचन दरयानी, सुषमा बजाज, अनीता मलगानी, शोभा जादवानी मौजूद रहीं।

संग्रहालय में सुनी शौर्य की कहानी

जबलपुर, देशबन्धु। वनएमपी आर्टी रेजिमेंट एनसीसी यूनिट द्वारा ज्ञानोदय आवासीय रांझी स्कूल में संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। कैम्प की गतिविधि के दौरान कैडेट्स ने जीआरसी संग्रहालय का भ्रमण कर सेना और युद्ध में उपयोग होने वाले हथियारों की कहानी सुनी। कैंप कमांडेंट सेना मेडल, कर्नल विक्रांत त्यागी, डिप्टी कैंप कमांडेंट सौरभ चौहान, सूबेदार मेजर राकेश कुमार, सूबेदार अकिल होसेन का सहयोग रहा।

मिलेट्स उत्पादों की लगाई प्रदर्शनी

जबलपुर, देशबन्धु। मिलेट्स ईयर के अंतर्गत शनिवार को ट्रिपल आईटीडीएम में जवारहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के तत्वावधान में मिलेट्स उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें जहां मिलेट्स से बने तरह-तरह के व्यंजनों को शामिल किया गया, तो वहीं कृषि विश्वविद्यालय से आए विशेषज्ञों ने छात्रों को मिलेट्स से जुड़े उत्पादन, स्टार्टअप और मिलेट्स व्यंजनों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम संचालन शैलेश शर्मा ने किया।

तरंग कार्यक्रम 3 नवंबर से

जबलपुर, देशबन्धु। ट्रिपल आईटीडीएम में तरंग फेस्ट 3 से 5 नवम्बर तक आयोजन किया जायेगा। इस आयोजन में देशभर के संस्थानों से प्रतिभागी शामिल होने आते हैं। कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए इस फेस्ट में 33 से अधिक एंटरटेनिंग गेम्स और कॉम्पीटिशन होंगे। कार्यक्रम में सांस्कृतिक क्लब में जज़्बात, संवाद, आवर्तन, साज़, अभिव्यक्ति और शटरबॉक्स क्लब द्वारा नुक्कड़, गायन, पेंटिंग्स, क्विज, वाद-विवाद, नृत्य एवं वीडियो-एडिटिंग की एक्टिविटी खास होंगी। समारोह में प्रो-नाइट्स भी प्रतियोगियों के आकर्षण का केंद्र रहेंगी, जिसमें देशभर के कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

दिवाली लुक का ट्रेडिशनल अंदाज

जबलपुर, देशबन्धु। दिलसान सिंधी लेडीज क्लब का दिवाली मिलन कार्यक्रम शनिवार को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जहां ट्रैडिशनल फैशन का रंग देखा गया, तो वहीं मैचिंग ज्वैलरी, चूड़ी और बिंदी लगाने पर प्राइज भी दिए गए। इस मौके पर प्रेसिडेंट शिखा खटवानी, डायरेक्टर नीलम जैसवानी, हनी अडनानी, जिया बाघवानी, प्रियंका बाधवानी, दीपिका कुमार मौजूद रहीं।

दैनिक राशिफल

रविवार 29 अक्टूबर 2023 का पंचांग विक्रम संवत् 2080, शक संवत 1945 हिजरी 1444। कार्तिक कृष्णपक्ष की पूर्णिमा। नक्षत्र-भरणी

मेष
आज का दिन आनंद और उल्लास से भरा हुआ होगा। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी अच्छा होगा।

कर्क
नौकरी या व्यवसाय करने वालों के लिए आज का दिन लाभदायक है। नौकरीपेशा लोगों पर उच्च पदाधिकारियों की कृपादृष्टि रहने से पदोन्नति की संभावना है।

वृषभ
शारीरिक तथा मानसिक रुप से आज आप चिंता में रहेंगे। चिंताओं के कारण मानसिक दबाव होगा, जिससे आपको थकान महसूस हो सकती है।

सिंह
आज का दिन मध्यम फलदायी होगा। आप धार्मिक और मांगलिक कार्यों में जा सकते हैं। आपका व्यवहार न्याय प्रिय रहेगा।

मिथुन
आपका आज का दिन विविध लाभों की प्राप्ति करानेवाला होगा। परिवार में पुत्रों और पत्नी की तरफ से लाभदायक समाचार मिलेंगे।

कन्या
आज नए काम हाथ में लेना हितकर नहीं है। बाहर के खाद्यपदार्थों से तबीयत खराब होने की आशंका रहेगी। क्रोध को नियंत्रण में रखने के लिए मौन रहना सही साबित होगा।

क.

तुला
आज का दिन प्रणय, रोमांस, मनोरंजन और मौज-मस्ती से भरपूर है। सार्वजनिक जीवन में आप सम्मान प्राप्त करेंगे।

मकर
आप का आज का दिन मध्यम फलदायी है। शारीरिक एवं मानसिक रूप से आज प्रतिकूलता का अनुभव करेंगे।

वृश्चिक
पारिवारिक सुख- शांति के कारण शारीरिक और मानसिक रूप से प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। निर्धारित कामकाज में आप सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

कुंभ
चिंताओं के बादल हटने से आप मानसिक हल्कापन महसूस करेंगे। मन में उत्साह का संचार होगा, जिस वजह से दिनभर का समय आनंदपूर्वक गुजरेगा।

धनु
आपका आज का दिन मिश्रित फलदायी है। आज आपको पेट संबंधी समस्या हो सकती है। संतान का स्वास्थ्य और उनकी पढ़ाई के संबंध में चिंता से मन व्यग्र रहेगा।

मीन
आज आप को खर्च पर संयम रखने की सलाह दी जाती है। क्रोध और जिह्वा पर संयम रखें। अन्यथा किसी से विवाद होने की आशंका है।

मा.

3,8,4,9,37,84,45,90,61,53,28,14

सत्यनारायण मंदिर में शरद पूर्णिमा को चढ़ते हैं सवा तीन पाव के पेड़े

जबलपुर, देशबन्धु। कमानिया गेट स्थित सत्यनारायण मंदिर की स्थापना 100 वर्ष पूर्व की गई है। सत्यनारायण मंदिर में मुख्य रूप से शरद पूर्णिमा महोत्सव बहुत ही धूमधाम और बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया जाता है।

पण्डित राकेश मिश्रा ने बताया सत्यनारायण मंदिर बहुत ही प्राचीन मंदिरों में एक है। श्रद्धालु मंदिर में आकर भवगान सत्यनारायण का पूजन-अर्चन कर भगवान से अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना करते है। वैसे तो नारायण भक्त प्रतिदिन मंदिर में आकर दर्शन एवं पूजन के करते हैं। लेकिन शरद पूर्णिमा के अवसर पर भगवान सत्यनारायण को सवा तीन पाव पेड़े का प्रसाद अर्पण करते हैं। शरद पूर्णिमा को व्रत भी रखते है। लेकिन इस वर्ष खंडग्रास चंद्र ग्रहण के चलते मंदिर में होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों को स्थिगित कर दिया गया है। चन्द्र ग्रहण के कारण सभी मंदिरों के साथ-साथ सत्यनाराण मंदिर के कपाट भी शाम 4 बजाकर 5 मिनट पर बंद हो गये है और चन्द्रग्रहण मोक्ष होने के बाद ही मंदिर के कपाट खोले जायेंगे एवं पुन: धार्मिक किये जा सकेंगे।

बाल्मीकि जयंती के अवसर पर जरूरतमंदो को कराया गया भोजन

जबलपुर, देशबन्धु। माता सीता को आश्रय देने वाले महर्षि बाल्मीकि जयंती के अवसर पर मां सीता प्रसाद रोटी ग्रुप द्वारा शनिवार को दोपहर 12 बजे सदर, नौदरा ब्रिज, रसल चौक, जबलपुर स्टेशन के आसपास मां सीता प्रसाद रोटी भोजन जरूरतमंद व्यक्तियों को वितरण किया गया। गौरतलब है कि राम द्वारा माता सीता का त्याग कर वन में लक्ष्मण छोड़ जाते है, तब माता सीता को महर्षि वाल्मीकि जी उन्हें अपने आश्रम में आश्रय देते है, जहां माता सीता अपने लव और कुश को जन्म देती है। माता दोनों पुत्रों को पालन-पोषण आश्रम में रहकर ही करती है। जिनकी शिक्षा महर्षि बाल्मीकि द्वारा दी जाती है। महर्षि ने हमेशा हर व्यक्ति को आश्रय दिया, और भोजन दिया इसी उद्देश्य को आगे बढ़ते हुए मां सीता प्रसाद रोटी ग्रुप द्वारा महर्षि बाल्मीकि जयंती के मौके पर भोजन वितरण किया।

नेमा समाज भवन में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन आज

जबलपुर,देशबन्धु। नेमा समाज पब्लिक चेरिटेबल ट्रस्ट, नेमा युवक संघ जाबालिपुरम के तत्वाधान में आज, 29 अक्टूबर को प्रात: 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक नेमा समाज भवन (कचनार) विजयनगर जबलपुर में नेमा समाज सहित अन्य सभी समाजों के नागरिकों के स्वास्थ्य लाभार्थ निशुल्क चिकित्सा शिविर का वृहद आयोजन किया जा रहा है। जिसमें ख्यातिलब्ध अस्थि रोग एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ विकास सावला, कैसर सर्जन डॉ.प्रशांत जैन, रीढ़ की हडडी एवं मस्तिष्क सर्जन डॉ प्रशांत कुशवाहा, दंत चिकित्सक, डॉ राजकुमार साहू फिजियोथेरेपिस्ट डॉ श्रीमती अंकिता नेमा अपनी सेवाऐं प्रदान करेंगे तथा खून की जांच एवं अन्य परीक्षण बंसल पैथोजास्टिस द्वारा किये जायेंगे संयोजन समिति ने अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाने का अनुरोध किया गया है।

स्टेनोग्राफरों को नहीं मिल रहा समयमान वेतनमान

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के जिलाध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि कौशल विकास संचालनालय मध्य प्रदेश के अन्तर्गत कार्यरत ऐसे स्टेनोग्राफर जो स्टेनोटायपिस्ट से पदोन्नत हुए है, अब तक समयमान वेतनमान से वंचित है। बिना समयमान वेतनमान एवं बिना पदोन्नति प्राप्त किये ही सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जिससे इन्हे लगातार आर्थिक क्षति एवं मानसिक पीड़ा से गुजरना पड़ रहा है जबकि शासन की नीति के अनुसार प्रत्येक अधिकारी/कर्मचारी को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय समयमान वेतनमान दिए जाने के स्पष्ट आदेश हैं। परंतु स्टेनोटायपिस्ट से पदोन्नत स्टेनोग्राफरों को समयमान वेतनमान नहीं मिल रहा है जिससे उनमें रोश व्याप्त है।

संघ के जिलाध्यक्ष-रॉबर्ट मार्टिन, जियाउरहीम, हेमन्त ठाकरे, गुडविन चार्ल्स, राकेश श्रीवास, दिनेश गौंड़, राजकुमार यादव, एनोस विक्टर, एस.बी.रजक, नीलेश खरे, अनूप डाहट, संदीप दुबे, योगेश ठाकरे, अषोक परस्ते, महेन्द्र प्रधान, राजू डहरिया, अनूप सिंह मरकाम, वीरेन्द्र श्रीवास, मुन्नालाल कतिया, गोपीशाह, रऊफ खान, रामकुमार कतिया, राजेश सहारिया, चैतन्य कुषरे, आशीष कोरी आदि ने शासन से मांग की है कि कौशल विकास के स्टेनोग्राफरों हेतु समयमान वेतनमान हेतु प्रथक से आदेश शीघ्र जारी किये जाएं।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्री मनोहर लाल तिवारी- अधारताल कमला भंडार के पास निवासी श्री मनोहर लाल तिवारी (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री करण सिंह राजपूत- शुक्ला नगर गुलौआ गढ़ा निवासी श्री करण सिंह राजपूत (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती सुधा देवी श्रीवास- संजय नगर अधारताल निवासी श्री सुदर्शन श्रीवास की धर्मपत्नी श्रीमती सुधा देवी श्रीवास (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती त्रिवेणी बाई- बजरंग नगर रांझी व्हीकल रोड निवासी श्री मोहन बसोर की धर्मपत्नी श्रीमती त्रिवेणी बाई (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर में किया गया।

श्री कीर्ति कुमार नायडू- टैगोर कॉलोनी बादशाह हलवाई मंदिर मोड़ ग्वारीघाट रोड निवासी श्री कीर्ति कुमार नायडू (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कुसुम बाई राजपूत- जोगी मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्री गणेश राजपूत की धर्मपत्नी श्रीमती कुसुम बाई राजपूत (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री झल्लू लाल पटेल- न्यू कंचनपुर अधारताल निवासी झल्लू लाल पटेल (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री श्याम सुंदर पैगवार- कांचघर दुर्गा मंदिर के पास निवासी श्री श्याम सुंदर पैगवार (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री प्रकाश पटेल- पुरानी रेलवे स्टेशन के पास ग्वारीघाट निवासी श्री प्रकाश पटेल (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती लीला नामदेव- नब्बे क्वाटर शक्तिनगर निवासी श्री राम कुमार नामदेव की धर्मपत्नी श्रीमती लीला नामदेव (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती विमला खरे- कटरा अधारताल निवासी श्री शंकर प्रसाद खरे की धर्मपत्नी श्रीमती विमला खरे (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नरबदा प्रसाद कनौजिया- चांदमारी पंचशील स्कूल के पास लालमाटी निवासी श्री नरबदा प्रसाद कनौजिया (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर में किया गया।

श्रीमती शोभा बर्मन- कटरा अधारताल निवासी श्री सूरज बर्मन की धर्मपत्नी श्रीमती शोभा बर्मन (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट में संपन्न हुआ।

श्री छेदी लाल चौधरी- झामनदास चौक लालमाटी निवासी श्री छेदी लाल चौधरी (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर में किया गया।

श्री सुभाष चंद्र मिश्रा- शक्ति नगर गुप्तेश्वर निवासी श्री सुभाष चंद्र मिश्रा (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती नोनी बाई- छिवला ग्वारीघाट निवासी श्री काशीराम की धर्मपत्नी श्रीमती नोनी बाई (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

पार्टी में गए युवक की संदिग्ध मौत, परिजनों को हत्या का शक

जबलपुर, देशबन्धु। गढा क्षेत्र में रहने वाला युवक तिलवारा स्थित धन महल रिसोर्ट में चल रही एक पार्टी में शामिल होने की बात कहकर घर निकला, लेकिन उसके बाद वापस घर नहीं लौटा। युवक के लापता होने के बाद परिजन और पुलिस की तलाश में देर रात युवक की रिसोर्ट के बाजू वाली सूनसान गली में गंभीर स्थिति में पड़ा हुआ मिला। युवक को गंभीर हालत में निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी सांसे थम चुकी थी। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए तिलवारा थाना पुलिस ने मामले की हर एंगल से जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक जनता होटल के समीप रहने वाला विवेक शर्मा रात में जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने रिसोर्ट गया था। देर रात तक घर वासप न लौटने पर परिजनों ने मोबाइल पर कॉल किया तो, मोबाइल स्विच ऑफ मिला। परिजनों ने पुलिस को सूचना देते हुए विवेक की तलाश की तो रिसोर्ट की बाजू वाली सड़क पर विवेक अचेत अवस्था में मिला, उस समय उसकी सांसे चल रही थी। विवेक की मौत के बाद पुलिस ने प्राथमिक कार्रवाई करते हुए पोस्टपार्टम के लिए लाश को मेडिकल

रायपुर से आये दोस्तों के साथ मनाने गया था पार्टी

अस्पताल भेजा है। मृतक के चाचा का कहना है कि विवेक ठेकेदारी के साथ रेत-गिट्टी सप्लाई का कार्य करता था। शुक्रवार को रायपुर के रहने वाले 2 लड़के विवेक से मिलने आए थे। विवेक के लापता होने के बाद रायपुर निवासी लड़कों को कॉल किया गया तो उन्होंने बताया कि वह पार्टी में शामिल होने के बाद रायपुर के लिए निकल गए हैं। पूरे मामले में रायपुर निवासी दोनों युवकों की भूमिका बेहद संदिग्ध लग रही है। बताया जाता है कि विवेक की नाक और आंख में चोट के निशान है।

घटना स्थल के पास ही विवेक की एक्टिवा मिली है। जानकारी के मुताबिक विवेक के 2 छोटे-छोटे बच्चे हैं। पोस्टमार्टम के बाद घर विवेक की लाश घर पहुंची, जिसके बाद घर में चीख-पुकार मच गई।

कॉल डीटेल से मिलेंगे अहम तथ्य

परिजनों ने पुलिस को बताया कि रात में विवेक के मोबाइल पर किसी का कॉल आया जिसके बाद रात करीब 10:50 बजे वह घर से किसी की जन्मदिन की पार्टी में जाने की बात कहकर निकला था। परिजनों ने पुलिस से कहा कि प्लानिंग के साथ विवेक को घर से बुलाकर उसकी हत्या की गई है। हत्या करने वाले संभवत: परिचित लोग ही होंगे। इधर क्षेत्र में एक्सीटेंड होने की चर्चा भी आमजन के बीच है।

6 बदमाश हथियार के साथ पकड़े गए

देशी 2 पिस्टल, 1 कट्टा, 3 जिंदा कारतूस एवं 2 बटनदार चाकू, 1 तलवार जप्त

जबलपुर, देशबन्धु। गढा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आधा दर्जन बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2 पिस्टल, 1 देशी कट्टा 3 जिंदा कारतूस, 2 बटनदार चाकू एवं 1 तलवार जप्त की है। गढा टीआई बृजेश मिश्रा ने बताया कि सूचना के आधार पर टीम ने कार्रवाई करते तिलवारा एवं गढा क्षेत्र के सक्रिय बदमाश संजय अहिरवार उर्फ सारंग निवासी तिलवारा से1 पिस्टल,1 कारतूस, करन विश्वकर्मा से 1 पिस्टल 1 कारतूस, सागर बाल्मीक उर्फ मान्या सुर्बे से 1 देशी कट्टा, 1 कारतूस, अनुराग उर्फ वासू जुगेल के पास से धारदार बटनदार चाइना चाकू, नागेश पटेल से एक बटनदार चाइना चाकू व भोला यादव से एक तलवार एवं थाना गढा में दर्ज प्रकरण में फरार आरोपी के कब्जे से एक बटनदार चाकू जप्त किया गया है।

गढा पुलिस का कहना है कि पकड़े गए सभी आरोपी अपराधिक प्रवृत्ति के हैं। गिरफ्तार आरोपियों का अन्य थानों से आपराधिक रिकॉर्ड जुटाया जा रहा है। आरोपियों को अवैध हथियार के साथ रंगे हाथ पकड़ने में थाना प्रभारी बृजेश मिश्रा, अनिल कुमार, योगेन्द्र सिह, राजेन्द्र प्रसाद अहिरवार,सायबर सेल के अमित पटेल सहित अन्यकी सराहनीय भूमिका रही है।

गरीब नवाज कमेटी ने पति के हाथों कराया पत्नि का अंतिम संस्कार

जबलपुर, देशबन्धु। बेलबाग क्षेत्र में एक लंबी बीमारी के चलते एक वृद्धा की शनिवार को मौत हो गयी। मृतिका के पति की माली हालत खराब होने के कारण वह अपनी पत्नि का दाह संस्कार करने असमर्थ था। जिसके लिये मृतिका के बेटे ने ख्वाजा गरीब नवाज कमेटी के संस्थापक से संपर्क किया। कमेटी के कार्यकर्ताओं ने वृद्धा का ग्वारीघाट मुक्तिधाम में उसके पति के हाथों अंतिम संस्कार कराया। इस संबंध में ख्वाजा गरीब कमेटी के संस्थापक इनायत अली ने बताया कि शनिवार को सुबह बेलबाग क्षेत्र से उन्हें फोन आया कि 55 वर्षीय महिला माया विश्वकर्मा का बीमारी के चलते मौत हो गई। लेकिन उसके पति विनोद विश्वकर्मा पत्नि का दाह संस्कार करने में सक्षम नहीं है। जिसके बाद मृतिका के पुत्र अक्षय विश्वकर्मा ने इनायत अली से संपर्क किया। जिसके बाद इनायत अली अपने कार्यकर्ताओं के साथ बेलबाग पहुंचे और मृतिका के शव को विधि विधान के साथ ग्वारीघाट मुक्तिधाम ले जाया गया। जहां मृतिका के पति विनोद विश्वकर्मा के हाथों कमेटी के कार्यकर्ताओं ने अंतिम संस्कार कराया।

जिला बदर के आरोपी को क्षेत्र में घूमते पुलिस ने पकड़ा

जबलपुर, देशबन्धु। माढोताल थाना अंतर्गत ग्राम रेगवां का शातिर बदमाश जिला बदर के आदेश का उल्लंघन करते हुये पकड़ा गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि माढोताल थाना अंतर्गत शुभम उर्फ रंगा पटैल पिता भीकम पटैल उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम रैगवां एक अपराधिक प्रवृत्ति का युवक है जिसके विरूद्ध कई अपराध पंजीबद्ध होकर न्यायालय मे विचाराधीन है। जिसकी आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिये जिला बदर का प्रकरण तैयार कर जिला दण्डाधिकारी जबलपुर को प्रेषित किया गया था।

जिससे सहमत होते हुये जिला दण्डाधिकारी जबलपुर ने 16 अगस्त 23 को शुभम उर्फ रंगा पटैल को जिला जबलपुर एवं उससे लगे सीमावर्ती जिले मण्डला, डिण्डौरी, सिवनी नरसिंहपुर कटनी, दमोह, उमरिया की राजस्व सीमाओं से जिलाबदर किया गया था। उक्त आदेश की तामीली करा दी गयी थी। 27 अक्टूबर को पुलिस को सूचना मिली कि जिला बदर का आरोपी शुभम उर्फ रंगा पटैल ग्राम रैगवां में घूम रहा है। पुलिस ने सूचना पर तत्काल ग्राम रेगवां तालाब के पास दबिश देते हुये शुभम उर्फ रंगा पटैल को दबोच लिया। जिला बदर के आदेश का उल्लंघन करना पाया जाने पर पुलिस ने शुभम उर्फ रंगा पटैल के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

घर के सामने ट्रैक्टर खड़ा करने की बात पर दो पक्षों में जमकर चली रॉड, कई घायल

जबलपुर, देशबन्धु। गोसलपुर थाना अंतर्गत कछपुरा में घर के सामने ट्रेक्टर खड़ा करने की बात पर दो पक्षों में विवाद में हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। जिसमें पत्थर भी बरसाये गये। मारपीट के दौरान दोनों पक्षों के लोग घायल हुये हैं।

जानकारी के अनुसार गोसलपुर थाना में देर राजू पटैल उम्र 45 वर्ष निवासी कछपुरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि रात लगभग 9 बजे उसके पड़ोस में रहने वाला शरद पटैल अपना ट्रेक्टर उसके घर के सामने रोड पर खड़ा कर दिया, जिससे रास्ता बंद हो गया। तो उसने शरद पटेल से अपना ट्रेक्टर हटाने के लिये कहकर अपने घर खाना खाकर लेट गया। कमरे का दरवाजा खुला था कुछ देर बाद शरद पटैल उसके आंगन के बाहर आकर गालीगलौज करते हुये उसके बेटे सागर से गालीगलौच करने लगा। उसकी पत्नी सामने आयी तो पत्नि का हाथ पकड़कर धक्का दे दिया। वह आंगन में बाहर आया तब तक शरद पटैल का पिता बारेलाल, उसका छोटा भाई नीरज पटैल हाथ में

रॉड लिये आये तथा तीनों उसके साथ मारपीट करने लगे। कुछ देर बाद महेन्द्र पटैल, मनोज पटैल तथा मनोज पटेल का बेटा मानशु भी आकर उसकी पत्नी एवं बेटे सागर से मारपीट करने लगे तथा सड़क से पत्थर उठाकर फेंकने लगे। आवाज सुनकर उसकी भाभी सरोज, भतीजा अंशु आकर बीच बचाव किये। मारपीट से उसे हाथ, पैर, पेट, पत्नी के सिर, भाभी सरोज के घुटने के नीचे तथा अंशु के हाथ में चोट आयी है। घायलों की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

वहीं शरद पटैल उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम कछपुरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि बीती रात वह खेत से अपना ट्रैक्टर लेकर आया एवं घर के बाहर रोड़ पर ट्रैक्टर को खड़ा कर अपने कैम्पस के अंदर करने के लिये अपनी पत्नी से बड़े गेट की चाबी मांग रहा था तभी पीछे से राजू पटैल गालीगलौज करने लगा, उसी समय उसकी पत्नी चाबी लेकर आ गयी और वह ट्रैक्टर से उतरकर गेट खोलकर ट्रैक्टर को अंदर कर दिया, तभी राजू पटैल हाथापाई करने लगा पीछे से शिवम पटैल हाथ में रॉड लिये तथा उसका का बेटा सागर भी वहां पर आ गया। शिवम ने रॉड से हमलाकर उसे सिर में चोट पहुंचा दी। आवाज सुनकर उसके पिता बारेलाल बीच बचाव करने आये तो शिवम पटेल ने रॉड से हमलाकर पिता के माथे में चोट पहुंचा दी। उसकी मौसी जानकी बाई भी आकर बीच बचाव करने लगी। जिन्हें रॉड से हमलाकर कमर में चोट पहँचा दी। पुलिस ने दूसरे पक्ष के घायलों की रिपोर्ट पर अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

विधानसभा चुनाव

क्रिटिकल बूथों पर तैनात किये जायेंगे माइक्रो ऑब्जर्बर

केंद्र शासन या केंद्र शासन के उपक्रमों के कर्मचारी होंगे माइक्रो आब्जर्बर

जबलपुर, देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग ने विधानसभा का स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराने क्रिटिकल बूथों पर बेबकास्टिंग या सीसी टीव्ही कैमरों से नजर रखने के अलावा प्रत्येक क्रिटिकल बूथ पर माइक्रो आब्जर्बर भी तैनात करने के निर्देश दिये हैं। निर्वाचन आयोग के निर्देश हैं कि गैर सीएपीएफ (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) उपायों में एक के रूप में माइक्रो आब्जर्बर को भी मतदान के दिन महत्वपूर्ण मतदान केंद्रों के लिये नियुक्त किया जा सकता है।

निर्वाचन आयोग के निर्देशों के मुताबिक माइक्रो आब्जर्बर क्रिटिकल बूथों पर मतदान के दिन की प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखेगा। उसका कार्य यह देखना है कि निर्वाचन प्रक्रिया निष्पक्ष और स्वतंत्र रीति से चले तथा मतदान प्रक्रिया दूषित न हो। निर्वाचन आयोग के मुताबिक माइक्रो ऑब्जर्बर मतदान के दिन निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षकों के निरंतर सम्पर्क में रहेंगे तथा मतदान को प्रभावित करने सकने वाली प्रत्येक गतिविधि की सूचना सीधे मोबाइल फोन या वायरलेस या संचार के अन्य किसी साधन से सामान्य प्रेक्षकों को देंगे। मतदान समाप्ति के बाद माइक्रो आब्जर्बर निर्धारित प्रारूप में अपनी रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सामान्य प्रेक्षकों को ही सौपेंगे ।

भारत निर्वाचन आयोग ने कहा है कि माइक्रो ऑब्जर्बर केंद्र शासन के या केंद्र शासन के उपक्रमों के कर्मचारियों को बनाया जा सकेगा। ये कर्मचारी ग्रुप सी से निम्न नहीं होंगे। ऐसे कर्मचारी माइक्रो ऑब्जर्बर के रूप में अपने निवास के जिले में मतदान केंद्रों पर नियुक्त किये जा सकेंगे। हालांकि उनका उपयोग उनके गृह विधानसभा क्षेत्र में नहीं किया जायेगा। ऐसी स्थिति में जहां जिले में

माइक्रो ऑब्जर्बर के रूप में नियुक्त करने के लिये पर्याप्त संख्या में केंद्र शासन अथवा केन्द्र शासन के उपक्रमों के कर्मचारी उपलब्ध नहीं हैं, वहां पड़ोसी जिलों में पदस्थ भारत सरकार या केंद्रीय उपक्रमों के कर्मचारियों को माइक्रो ऑब्जर्बर बनाया जा सकेगा। निर्वाचन आयोग ने कहा है कि दुर्लभ स्थितियों में केंद्र या राज्य शासन के सेवा निवृत्त ऐसे अधिकारी का भी उपयोग माइक्रो ऑब्जर्बर तौर पर जा सकता है, जो ग्रुप सी से कम नहीं हो। ऐसे सेवानिवृत्त अधिकारियों को उनके निवास वाले विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्रों पर नियुक्त नहीं किया जाना चाहिए। आयोग के मुताबिक राष्ट्रीय सेवा योजना के सदस्यऔर कार्यक्रम अधिकारी अथवा समन्वयक को तथा भारत स्काउट गाइड के रिजर्व (रेंजर्स एवं रोवर्स) को भी दुर्लभ मामलों में माइक्रो आब्जर्बर नियुक्त किया जा सकेगा। निर्वाचन आयोग के मुताबिक माइक्रो ऑब्जर्बर को मतदान सबंधी नियमों एवं प्रक्रियाओं के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण दिया जायेगा। आयोग ने कहा है कि माइक्रो ऑब्जर्बर को मतदान के दिन 90 मिनट पहले मतदान केंद्रों पर पहुंचना होगा। माइक्रो आब्जर्बर मतदान केंद्रों पर मतदान की तैयारियों, मतदान केंद्रों पर उपलब्ध सुविधाओं तथा मॉक पोल से लेकर वास्तविक मतदान शुरू होने एवं मतदान खत्म होने तक की पूरी प्रक्रिया पर नजर रखेंगे।

उम्मीदवार केवल भूरा, पीला या धूसर रंग में ही छपवा सकेंगे डमी मतपत्र

भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के मुताबिक चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों द्वारा प्रचार अभियान में इस्तेमाल के लिए डमी मतपत्र भी छपवाये जा सकते हैं। लेकिन इसका रंग और आकार वास्तविक मतपत्रों के सदृश्य नहीं होना चाहिए। ऐसे डमी मतपत्रों पर उम्मीदवार द्वारा उस स्थान जहां वे वास्तविक मतपत्र में उपस्थित होंगे को दर्शाते हुए अपने नाम एवं प्रतीक का उपयोग किया जा सकेगा। लेकिन इनमें उस निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे दूसरे उम्मीदवार या उम्मीदवारों का नाम या प्रतीक नहीं होना चाहिए। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के मुताबिक डमी मतपत्र को किसी भी रंग अर्थात भूरा, पीला या धूसर रंग में छपवाया जा सकता है। किन्तु सफेद या गुलाबी रंग में इसे नहीं छपवाया जा सकता। यह आकार में भी वास्तविक मतपत्र के जैसा नहीं होना चाहिए।

राजनैतिक दलों द्वारा दी जाने वाली पर्ची में अभ्यर्थी या पार्टी का नाम तथा चुनाव चिन्ह न हो

भारत निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि चुनाव लड़ रहे राजनैतिक दल अथवा उम्मीदवार यदि मतदाताओं की सुविधा के लिए उन्हें मतदाता पर्ची जारी करते हैं तो ऐसी पर्चियों में उम्मीदवर का नाम या उसके राजनैतिक दल का नाम एवं चुनाव चिन्ह नहीं होना चाहिए। आयोग के मुताबिक ऐसी मतदाता पर्ची सादे कागज पर ही होनी चाहिए तथा पर्चियों में किसी दल या उम्मीदवार को मत देने के लिए कोई नारे या आव्हान भी नहीं होना चाहिए । आयोग के मुताबिक मतदान केन्द्र के दो सौ मीटर के दायरे के भीतर किसी नारे या आव्हान बाली पर्ची का परिचालन को मत याचना माना जायेगा जो विधि के अधीन अनुज्ञेय नहीं है।

जिला पंचायत सीईओ ने देखी मतदान केंद्रों में व्यवस्थायें

जबलपुर, देशबन्धु। जिला पंचायत की सीईओ जयति सिंह ने विधानसभा क्षेत्र बरगी अंतर्गत शहपुरा जनपद पंचायत के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर उपलब्ध सुविधाओं एवं मतदान संबंधी तैयारियों का जायजा लिया ।

पूर्व विधानसभा से ओवैसी की पार्टी से गज्जू सोनकर होंगे प्रत्याशी

जबलपुर, देशबन्धु। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन(एआईएमआईएम) ने मध्यप्रदेश विधानसभा में एंट्री कर दी है। जबलपुर की पूर्व विधानसभा से पूर्व कांग्रेस नेता गज्जू सोनकर को प्रत्याशी बनाया जाना अब तय हो गया है। गज्जू सोनकर ओवैसी की पार्टी से अपना नामांकन दाखिल करेंगे। एआईएमआईएम से गज्जू के प्रत्याशी बनाए जाने के बाद पूर्व विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक घटनाक्रमों की चर्चाएं जोरों पर हो रही हैं। कहा जा रहा है कि एआईएमआईएम के मैदान में आने से अन्य पार्टियों को नुकसान होना तय हो गया है।

काफी समय से अटकलों का बाजार गरम था और चर्चाएं थी कि एआईएमआईएम पूर्व विधानसभा अपना प्रत्याशी नहीं उतारेगी लेकिन शनिवार दोपहर से गज्जू सोनकर के नाम पर चर्चाएं तेज हो गई थी। रात होते होते यह तय हो गया कि औवेसी की पार्टी से गज्जू सोनकर ही पूर्व क्षेत्र से प्रत्याशी होंगे। एआईएमआईएम पार्टी द्वारा अधिकारिक रूप से इसकी घोषणा भी कर दी है। चुनाव लड़ने के लिये गज्जू अब जी जान लगा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पार्टी वरिष्ठ पदाधिकारी से चर्चा हुई थी। जिसके बाद पार्टी के वरिष्ठों ने पूर्व क्षेत्र से उनका नाम फायनल किया गया है। अब वह जल्द ही नामांकन प्रक्रिया को पूरा करेंगे। अब पूर्व क्षेत्र में इस चुनाव में कांटे की टक्कर देखने के लिये आम जन भी तैयार है।

प्रदेश में बिल माफी के नाम पर 20 लाख परिवारों को गरीब रेखा की पात्रता से रखा बाहर

जबलपुर, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की घोषणा ने जबलपुर के 80,000 गरीब परिवारों का जीवन संकट में डाल दिया। घोषणा से पूर्व ही षड्यंत्र रच अधिकारियों की मिली भगत से गरीबी रेखा के पात्र परिवारों को गरीबी रेखा की पात्रता से बाहर कर दिया गया है। शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश की जनता को लुभाने के लिए की गई घोषणा में 1 किलो वाट तक के बिजली उपभोक्ताओं को बिल माफी के नाम पर मध्यप्रदेश के 20 लाख परिवारों को गरीबी रेखा की पात्रता से बाहर का रास्ता दिखा दिया, इससे जबलपुर भी अछूता नहीं रहा। यह आरोप प्रेसवार्ता के दौरान कांग्रेस नेता संजय कपूर, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नु तथा कांग्रेस के बिजली प्रकोष्ट के अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने यह आरोप प्रदेश सरकार पर लगाये हैं। जबलपुर शहर के 80,000 परिवारों को बिजली विभाग के अधिकारियों के द्वारा षड्यंत्र पूर्ण तरीके से 1 किलोवाट या उससे कम के बिजली उपभोक्ताओं का लोंड अब 2 किलोवाट कर दिया गया है,जिसका खमियाजा आज यह हुआ कि आज जबलपुर शहर के 80,000 गरीब परिवार गरीबी रेखा के दायरे से बाहर हो गए हैं।

केंद्रीय जेल जबलपुर में 151 बंदी का नेत्र परीक्षण

जबलपुर,देशबन्धु। राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन(ए)द्वारा नेता जी सुभाष चंद्र बोस केंद्रीय जेल जबलपुर में 151 बंदी भाइयों का नेत्र परीक्षण किया गया। राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन(ए)एवं शंकराचार्य नेत्रालय गोटेगांव नरसिंहपुर के संयुक्त तत्वाधान में नेताजी सुभाषचंद्र बोस केंद्रीय जेल जबलपुर में अखिलेश तोमर अधीक्षक के कुशल मार्गदर्शन में तथा मदन कमलेश उप अधीक्षक जेल के सहयोग से 151 बंदी भाई एवं बहनों का नेत्र परीक्षण किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश पटेल एवं चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. अशोक डोंगरे मानवाधिकार संगठन के नगर अध्यक्ष रविन्द्र उपाध्याय, डॉ. अजय सैलानी, प्रकाश यादव, शंकराचार्य नेत्रालय की ओर से संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. राकेश बोस, मनीष गुप्ता, साक्षी यादव, कौशल सेन, राजेन्द्र यादव, राकेश ठाकुर, अम्बिका दुबे का सराहनीय योगदान रहा। शिविर समाप्ति के उपरांत मदन कमलेश उप अधीक्षक जेल के द्वारा सभी सहयोगियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

दिन में किया शरद पूर्णिमा का पूजन, पति की लंबी उम्र की कामना की

राम जानकी मन्दिर में महिला मंडल ने संगीतमय रामायण और भजनों का गायन किया

गांधीग्राम, देशबन्धु। अश्विन शुक्ल पक्ष शरद पूर्णिमा का पर्व गांधीग्राम में दिन के समय श्रद्धा,भक्तिभाव और उल्लास के साथ मनाया गया। व्रतधारी महिलाओं ने भगवान सत्यनारायण, माता तुलसी की पूजा अर्चना करते हुए संतान सुख, पति के लिए मंगलकामना करते हुए व्रत रखा। गांधीग्राम के मंदिरों व घरों के तुलसी के पौधे के नीचे व्रतधारी महिलाओं ने डेढ़ पाव खोवा, डेढ़ पाव शक्कर के छह लड्डू बनाकर उनका भोग तुलसी माता को लगाया और भगवान सत्यनारायण की पूजा कर कथा का श्रवण किया। इसके बाद एक लड्डू तुलसी को अर्पण कर,एक लडडू रामजानकी मन्दिर गांधीग्राम के अष्टधातु निर्मित बांके बिहारी भगवान को अर्पण किया। एक लड्डू बाल गोपालों को,एक लड्डू गर्भवती महिला, एक पति और अंतिम एक सखी को दिया।

व्रतधारी महिलाओं में पूजन में वन्दना मिश्रा,सीमा त्रिपाठी, कृष्णा तिवारी, रश्मि मिश्रा, अनुराधा तिवारी, नम्रता तिवारी,सुनीता त्रिपाठी,सुधा असाटी, मनीषा असाटी, गुड्डी असाटी, तिवारी,नम्रता, वर्षा असाटी,सुनीता असाटी, साधना असाटी,ममता असाटी, कीर्ति,शोभना असाटी सहित आदि ने पूजन कर बताया कि ऐसी मान्यता है कि ऐसा करने से माता तुलसी, भगवान सत्यनारायण मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। शरद पूर्णिमा के संबंध में कई मान्यताएं हैं जो जीवन में नया प्रकाश देती हैं। राम जानकी मन्दिर में संगीतमय रामायण एवं भजनों का गायन- गांधीग्राम के बाजार स्थित राम जानकी मंदिर गांधीग्राम में पूजन के उपरांत पहुंची महिलाओं द्वारा संगीत में रामायण भजन कीर्तन आदि की सुमधुर प्रस्तुति की गई । मंदिरों में ग्रहण काल के पूर्व से ही भजन कीर्तन चलता रहा।संगीतमय रामायण एवं भजनों की सुमधुर प्रस्तुति से वातावरण भक्ति हो गया ।बाजार स्थित महिला मंडल द्वारा ढोलक,तबला, मंजीरा, खंजनियां आदि वाद्ययंत्रों की सुमधुर धुन पर संगीतमय रामायण वा भजनों का गायन में महिला रामायण मंडल की सुशीला चौरसिया, सीमा त्रिपाठी,वंदना मिश्रा,आशा असाटी, प्रभा असाटी, पूजा असाटी, रीना चौरसिया, देवश्री असाटी, मधु चौरसिया, छाया चौरसिया, देवकी असाटी, गंगा असाटी द्वारा किया गया।

शरद पूर्णिमा : खीर का प्रसाद वितरण किया

कुंडम, देशबन्धु। पंडित जयशंकर शुक्ला रंगमंच बस स्टैंड में शरद पूर्णिमा का खीर का प्रसाद वितरण किया गया वहीं पर मंडल के पदाधिकारी द्वारा मंच के रामलीला कलाकारों का श्रीफल साल पुष्प माला और तिलक लगाकर स्वागत किया गया है बाहर से कलाकार भी डांस पार्टी का कार्यक्रम भी आयोजित रहा पंडित जयशंकर शुक्ला जागृति दुर्गा संस्कृति रंगमंच कुंडम के मंडल अध्यक्ष हरिशंकर शुक्ला एडवोकेट के द्वारा समस्त कलाकारों एवं दर्शकों को अपने विचार वाणी में कहा कि रामलीला का कार्यक्रम बहुत सुंदर ढंग से हमारे कलाकारों ने कला प्रस्तुत किया है इतना तक की 30 वर्षों में जो झांकियां नहीं बना पाए थे वह आज चित्रकला के निखिल मिश्रा द्वारा एवं समस्त साथियों द्वारा रामलीला मंचन पर झांकी बनाई गई है और कलाकारों ने अपनी कला को निखार लाते हुए दर्शकों को दिखाया चित्रकला के साथ सजा सजाया सजाने वाला कलाकार निखिल मिश्रा जो चित्रकला में हमारा कुंडम नगर का नाम रोशन किया है इसी शुभ अवसर पर निर्मला मिश्रा मंडल के उपाध्यक्ष अशोक सोनी संतोष तिवारी ओम शंकर शुक्ला डॉ राजू साहू मनीष मिश्रा रतन चंद कुशवाहा जितेंद्र शुक्ला पत्रकार मनोज सोनी दिनेश सोनी छोटेलाल रजक इस कार्यक्रम में बड़ी पौड़ी से आए शास्त्री जी पंडित ज्ञानेश्वर महाराज जी ने संगीत को सजाया मंच के संचालन करता गायक हुब्बी लाल चक्रवर्ती पत्रकार द्वारा समस्त कलाकारों का मंच में स्वागत किया गया है।

सार-समाचार

शांतिपूर्ण मतदान करने के लिए निकाला फ्लैग मार्च

कुंडम, देशबन्धु। शांतिपूर्ण मतदान करने के लिए निकल गया फ्लैग मार्च कुंडम नगर का भ्रमण करते हुए आज नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए कुंडम थाना प्रभारी अनूप नामदेव एवं बघराजी चौकी एस आई आरती मंडलोई के मार्गदर्शन में सीआरपीएफ के जवानों के साथ कुंडम नगर में कमानिया गेट दुर्गा मंदिर काले बाबा मंदिर संतोषी माता मंदिर हनुमान मंदिर बस्ती हरदौल मंदिर होते हुए चांदनी चौक आवास योजना तक पैदल मार्च किया गया जिसमें बताया गया कि आने वाले नवंबर में होने जा रहे विधानसभा के चुनाव में सभी लोग किसी की बातों में ना आए और निर्भीक होकर मतदान केंद्र जाकर के अपना मतदान करने जाऐ इस अवसर पर कुंडम थाना से ए एस आई जसवंत सिंह विमल यादव जेपी यादव प्रिंस पटेल समस्त पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

नगर में मनाई गई अजमीढ़ देव जयंती

बरेला, देशबन्धु। स्वर्णकार समाज द्वारा विशाल सोनी की निवास स्थान पर अजमीढ देव महाराज की जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई प्रथम चरण में भगवान अजमीढ देव महाराज की पूजन अर्चना की गई फिर नगर की सभी स्वर्णकार बंधु और पदाधिकारीयो ने समाज को ऊंचाई प्रदान करने के लिए अपने-अपने विचार रखें जयंती में बड़ी संख्या में पुरुष महिलाएं बच्चे सहित स्वजाति बंधु शामिल रहे अंत में सभी को प्रसाद वितरण किया गया

सत्येन्द्र पांडेय युवक कांग्रेस प्रदेश सचिव नियुक्त

गोसलपुर, देशबन्धु। प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने कार्य कार्यकारणी में विस्तार करते हुए सत्येन्द्र पांडेय को युवक कांग्रेस का प्रदेश सचिव नियुक्त किया है। इसमें विवेक तंखा,लखन घनघोरिया, एकता ठाकुर ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना भी की है।

निर्दलीय प्रत्याशी संजीव बरकड़े का नामांकन

गोसलपुर, देशबन्धु। जबलपुर की सिहोरा विधानसभा में और मुकाबला रोचक होता दिखाई दे रहा है यहां से भाजपा कांग्रेस के अलावा निर्दलीय प्रत्याशी डॉ संजीव बरकड़े ने भी अपना नामांकन दाखिल कर दिया है डॉ संजीव बरकड़े लगातार कई साल से कांग्रेस के कार्यकर्ता के रूप में काम कर रहे थे इस बार अब उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में सिहोरा विधानसभा से लड़ने का मन बनाया है शुक्रवार को उन्होंने अपना नामांकन भरा। उनके नेताओं ने उनके लिए कोशिश की थी की उन्हे कांगेस प्रत्याशी बनाया जाए, लेकिन अब निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में विधानसभा चुनाव में उतरने जा रहे हैं उनका कहना है कि जनता के बीच उनका लगातार संपर्क रहा है साथ ही कई ऐसे मुद्दे हैं जिससे सिहोरा विधानसभा आज भी अछूती रही है लिहाजा वे इन मुद्दों को उठाएंगे।

पुलिस ने वाहन चैकिंग के दौरान पकड़ी 23 लाख की नकदी, 16 किलो चांदी

पन्ना, देशबन्धु । विधानसभा चुनाव आदर्श आचार संहिता के चलते पुलिस द्वारा पन्ना पुलिस अधीक्षक एस साई कृष्ण थोटा के निर्देश मे लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कडी मे बीते दिवस पन्ना पुलिस ने देवेन्द्र नगर सकरिया से इन्डिगो कार वाहन क्रमांक यूपी 93 9414 जो सतना से झांसी जा रही थी। उसको चेक किया, उक्त वाहन मे भारी मात्रा मे नगदी रकम तथा चांदी बरामद की गई। जिसे पन्ना कोतवाली ला कर नगदी की गिनती तथा चांदी का वजन किया गया। जिसमे तेईस लाख ग्यारह हजार नगद कैश बरामद हुआ तथा लगभग 16 किलो चांदी के बने हुए आभुषण एवं चांदी पाई गई।

असाटी दिवस पर नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ समाज का संकल्प लिया

प्रभातफेरी निकाली, विविध कार्यक्रम हुए आयोजित

गांधीग्राम, देशबन्धु। शरद पूर्णिमा के शुभ अवसर पर असाटी समाज धर्मशाला गांधीग्राम में प्रतिवर्ष की परंपरा अनुसार असाटी दिवस मनाया गया।

जिसमें कार्यक्रम के अध्यक्ष कमलेश असाटी आचार्य जी एवं कोषाध्यक्ष सुरेश असाटी , संरक्षक किशनलाल असाटी द्वारा दीप प्रज्वलन कर समाज की इष्ट देवी मां वैभव लक्ष्मी,शंख व समाज के ध्वज का पूजन किया। समाज के महिला पुरुषों ने असाटी धर्मशाला से विभिन्न मन्दिरों का भ्रमण करते हुए धर्मध्वजा एवम ज्योति कलशों को शिरोधार्य कर प्रभात फेरी निकाली गई ।गांधीग्राम की महिला समिति द्वारा गरबा नृत्य एवं नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा भी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

इस अवसर पर असाटी समाज के अध्यक्ष कमलेश असाटी ने कहा कि हम सभी को पर्यावरण की सुरक्षा करना है व स्वच्छता स्वयं अपनाना है ,बच्चों को इसकी शिक्षा देना है। जिससे स्वच्छ समाज व स्वच्छ भारत के निर्माण में हम सहयोगी बन सके। समाज के अध्यक्ष कमलेश असाटी व सुरेश असाटी ने कहा कि समाज में समरसता का भाव बनाना है। तथा दहेज़ विहीन शादियां कर समाज के लिए उदाहरण बनना है।इसकी महती आवश्यकता है। इस अवसर पर समाज के समस्त उपस्थित जनों ने एकमत होकर नशा मुक्ति का संकल्प लिया।

ये रहे उपस्थित-कार्यक्रम में मिट्ठू लाल असाटी, छोटे असाटी, कमलेश असाटी ,सुरेश असाटी ,कमलेश, भागचंद, रमेश असाटी, दिनेश, दीपचंद,लक्ष्मी, रवि असाटी, संजू असाटी, उमेश असाटी, जगदीश, कपिल ,पिंटू, विनोद असाटी, सुदेश असाटी ,अशोक, मुकेश, शिवचरण,दीपक, आशीष असाटी, गौरव, अज्जू असाटी, ऋतिक, बंटी , विजय ,शरद, जीतू असाटी, वैभव एवं महिला समिति से महामंत्री देवश्री असाटी, अध्यक्ष प्रीति असाटी, सीमा शशि असाटी, हरिओम, अनमोल असाटी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन आशीष कुमार असाटी उर्फ अन्नू आचार्य जी द्वारा किया गया।

शरद पूर्णिमा पर निकली शाकाहार रैली

पनागर, देशबन्धु। नगर में आज शरद पूर्णिमा के पावन पर्व पर प्रथम चरण में भगवान श्री 1008 शांतिनाथ स्वामी जी को श्रीफल चढ़ाकर एक शाकाहार रैली का आयोजन किया गया जो नगर और आसपास की ग्रामीण क्षेत्र में शाकाहार का संदेश देकर निकली तत्पश्चात कमानिया गेट में ध्वजारोहण श्री जैन प्रबंधन सभा समाज के पूर्व अध्यक्ष डॉ चक्रेश सिंघई जी ने किया इसके बाद शोभायात्रा बाजार जैन मंदिर पहुंची यहां समाज के वरिष्ठ श्री राजेंद्र जैन रज्जू भैया ने ध्वजारोहण किया कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ जन महिलाएं पुरुष युवा वर्ग भी मौजूद थे।

बिना रजिस्ट्रेशन के गली-मोहल्लों में चल रहे सैकड़ों कोचिंग सेंटर, मनमानी फीस वसूल रहे

सीधी, देशबन्धु। कस्बा क्षेत्र एवं जिला मुख्यालय के रिहायशी क्षेत्रों में अवैध रूप से चल रहे कोचिंग सेंटर आम लोगों के लिए मुसीबत बन गए हैं। इनमें ज्यादातर का न तो पंजीयन है और न ही इन्हें खोलने के लिए कोई स्थान सुनिश्चित किया गया है। यह कोचिंग संचालक अभिभावकों से मनमानी फीस वसूलते हैं। जबकि इन्होंने कोचिंग सेंटर संचालित करने के लिए संस्थान का पंजीयन तक नहीं कराया है। कोचिंग सेंटर पर वाहन खड़ा करने के लिए पार्किंग व्यवस्था भी नहीं है। रिहायशी कॉलोनियों में संचालित कोचिंग सेंटरों में पढ़ने वाले छात्रों को लोग समझ नहीं पाते कि यह छात्र हैं या कोई और। ऐसे में कोचिंग सेंटर रहवासियों के लिए परेशानी का सबब बनते जा रहे हैं। खास बात यह है कि कोई भी शासकीय शिक्षक बच्चों को ट्यूशन पढ़ा कर मनमानी पैसों की वूसली नही कर सकता लेकिन शहर के अधिकांश शासकीय शिक्षक अपने घरों पर बेधडक ट्यूशन पढ़ा रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक शहर में छोटे बड़े मिलाकर करीब सैकड़ो कोचिंग सेंटर संचालित हैं। ज्यादातर कोचिंग सेंटर के पास रजिस्ट्रेशन ही नहीं है। इसका जवाब शिक्षा विभाग के पास भी नहीं है। नियमानुसार रिहायशी क्षेत्र में पार्किंग एवं पर्याप्त जगह की व्यवस्था के बगैर संचालक कोचिंग सेंटर नहीं चला सकते। लेकिन कार्रवाई के अभाव में कोचिंग सेंटर के संचालक नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। कोचिंग सेंटरों पर आने वाले छात्र मुख्य सड़क पर अपने वाहन खडे कर देते हैं, इससे स्थानीय लोगों के अलावा राहगीरों को सड़क पर चलने में परेशानी हो रही है।

नहीं हैं सुविधाएं-शहर में जितने भी कोचिंग सेंटर चल रहे हैं, वह छात्र.छात्राओं से मनमाफिक मोटी फीस तो लेते हैं, लेकिन सुविधाओं के नाम पर कुछ भी नहीं देते। एक बड़े हाल में क्षमता से अधिक छात्र.छात्राओं को बैठकर पढ़ाया जाता है। जहां पर छात्राओं को घंटों बैठे रहने के बाद भी कोलाहल रहित महौल, न ही कूलर पंखों की व्यवस्था होती है और न ही शुद्ध पेयजल की और न ही पार्किंग की। दूसरी ओर भीड़ की आड में कुछ शरारती तत्व छात्राओं के साथ अश्लील हरकतें भी करते हैं। सड़क पर पार्क होते हैं वाहन-आवासीय कॉलोनी में संचालित कोचिंग सेंटरों पर पढ़ने के लिए आने वाले छात्र छात्राएं कोचिंग सेंटरों पर पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने से दुपहिया वाहन साइकिलें सेंटर के बाहर मार्ग में ही खडी कर देते हैं। इसके चलते मार्ग अवरुद्ध हो जाता है।

सरकारी स्कूलों के शिक्षक संचालित कर रहे कोचिंग -नगर पालिका क्षेत्र में मापदंडों के विपरीत शहर की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सहित कई पॉश कालोनियों में इन दिनों नियमों को ताक पर रखकर धडल्ले से कोचिंग संस्थानों का संचालन हो रहा है। सबसे अहम बात यह है कि इस आवासी कॉलोनी में कोचिंग सेंटर घरों में संचालित हो रही हैं। खासतौर से यहां कोचिंग सेंटर स्थानीय लोगों के लिए समस्या बने हुए हैं। इन सेंटरों पर पढ़ने के लिए आने वाले स्टुडेंट्स के वाहन सड़क पर ही पार्क होते हैं। साथ ही जिला प्रशासन के लचर व्यवस्था के चलते कई सेंटरो में सरकारी स्कूलो के शिक्षक मनमानी रूप से फीस के नाम पर वसूली कर रहे हैं।

आज मनाया जाएगा अशोक विजय धम्म दिवस

गांधीग्राम, देशबन्धु। समीप ग्राम पंचायत बेला में स्थित महान सम्राट अशोक प्रतिमा स्थल अशोक ग्राउंड में सम्राट अशोक का 2341वा विजय धम्म दिवस मनाया जाएगा।

उक्त कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जबलपुर शहर के तमाम बौद्ध विहारों से बुद्ध अनुयाई रैली के रूप में अधारताल, पनागर,गांधीग्राम बुढ़ागर होते हुए बेला पहुंचेंगे जहां वह महान सम्राट अशोक की प्रतिमा स्थल पर एकत्रित होकर सम्राट अशोक की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के उपरांत सभी पुरानी टिकरिया, बरनू तिराहा, गोसलपुर, पहरेवा नाका सिहोरा होते हुए रूपनाथ के लिए प्रस्थान करेंगे ! जहां पर बुद्ध अनुयाई महान सम्राट अशोक द्वारा स्थापित लघु शिलालेख पर महान सम्राट अशोक विजय धम्म दिवस का समापन करेंगे। कार्यक्रम में पहुंचने की अपील आयुष्मति शांति रामराज पटेल बेला, शिवप्रसाद बिरहा सिलुवा, ओम समद, डी आर खातरकर, उदयभान कुशवाहा, महेंद्र सैनी ,अभय चौरसिया ,सतीश चौरसिया, संतोष चक्रवर्ती ,राजेश चक्रवर्ती ,बबीता गोटिया ,किरण कोल, सरोज चौधरी, बबीता कोल ,बिटियारानी कोल आदि ने की है!

गरीबों की थाली में सड़ा चावल परोसने की थी तैयारी

पीडीएस से लौटाया गया 429 बोरी खराब चावल, बरबसपुर वेयरहाउस का मामला

अनूपपुर, देशबन्धु। जिले में धान खरीदी से लेकर सार्वजनिक वितरण प्रणाली तक की व्यवस्था हमेशा से ही सुर्खियों में रहती है। एक तरफ जिला प्रशासन आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियो में लगा हुआ है, सड़क पर आने जाने वाले व्यक्तियों पर निगरानी रखी जा रही है। वहीं दूसरी तरफ गरीबों के निवालो में डाका डालने की तैयारी भी कर ली गई थी। जिला मुख्यालय से सटे ग्राम बरबसपुर में स्थित मां शारदा वेयरहाउस से 26 अक्टूबर को शासकीय उचित मूल्य की दुकानों के लिए चावल भेजा गया। कीड़े युक्त और पाउडर हो चुके चावल को दुकानों से वापस किया गया। शुक्रवार को मामले का खुलासा होने के बाद नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक और वेयरहाउस प्रबंधक भी जांच के लिए पहुंचे। जहां पूरे मामले को लेकर अधिकारी सफाई देते दिखे।

यह है मामला - मां शारदा वेयरहाउस से 26 अक्टूबर को ट्रक क्रमांक एमपी 65 जेडए 2073 से शासकीय उचित मूल्य की दुकान निगौरा तथा सेन्दुरी में राशन भेजा गया। दोनों ही जगहों पर जब चावल की बोरियों को अनलोड किया जा रहा था तो उनसे पाउडर हो चुके चावल की गर्द उड़ रही थी। आनन फानन में ही चावल की परख की गई, इसके बाद सेन्दुरी के सेल्समैन बृजेश पटेल के द्वारा मौके पर पंचनामा बनाकर 306 बोरी खराब चावल को वापस भेजा गया। इसी तरह निगौरा में भी 60 बोरी चावल खराब होने की वजह से बैरंग वेयरहाउस के लिए रवाना कर दिया गया।

बोरे बता रहे हकीकत - मामले की जानकारी शुक्रवार को निकल कर बाहर आई। इसके बाद प्रशासनिक अधिकारियों को भी इस संबंध में अवगत कराया गया। नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंधक मधुर खर्द और खाद्य विभाग के अधिकारी जांच के लिए पहुंचे। वेयरहाउस में रखे चावल के बोरो के ऊपर से ही चावल की दुर्गति स्पष्ट दिखलाई दे रही थी। चावल में कीड़े लगे हुए थे और डस्ट उड़ रही थी। वेयरहाउस की लापरवाही की वजह से 560 बोरी चावल को खराब होना बतलाया जा रहा है।

यह पहली बार नहीं - वेयरहाउस संचालक और विभाग के अधिकारियों की मिली भगत से गुणवत्ता विहीन चावल गरीबों की थाली तक पहुंचता रहा है। पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में खराब राशन बांटे जाने का वीडियो भी वायरल हुआ था। राइस मिलर से सांठगांठ करते हुए गुणवत्ता विहीन चावल का खेल चलता रहा है। विभाग के मुखिया भले ही इसी जिले से रहे हो किंतु गरीबों के राशन में हेर फेर होता रहा है।

अल्टीमेटम देकर लौटे- जांच के लिए पहुंचे अधिकारियों ने वेयरहाउस संचालक को खराब हो चले चावल के ट्रीटमेंट के लिए 6 दिन का समय दिया है। वही जब उनसे यह पूछा गया कि जो चावल पाउडर में तब्दील हो चुका है उसका ट्रीटमेंट कैसे होगा। तब वह अलग-अलग सफाई देते रहे, कीड़े लगे चावल और जाले में तब्दील हो चुके चावल का ट्रीटमेंट संभव है किंतु पाउडर का कैसे होगा और पाउडर हो चुके चावल की मात्रा कितनी है इसके संबंध में भी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई। फिलहाल 6 दिन बाद दोबारा जांच के लिए पहुंचने की बात विभागीय अधिकारियों के द्वारा कही गई।

इनका कहना है

चावल के ट्रीटमेंट के लिए 6 दिन का समय दिया गया है। इसके पश्चात एक बार फिर जांच की जाएगी। पीडीएस संचालकों की तत्परता की वजह से चावल नहीं बट पाया।

मधुर खर्द, प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम अनूपपुर

रूस का उसके परमाणु संयंत्र पर यूक्रेनी हमला विफल करने का दावा

मॉस्को, (एजेंसियां)। नागरिक और सैन्य अधिकारियों के अनुसार, रूसी शहर कुरचतोव स्थित कुर्स्क परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर एक यूक्रेनी हमले को विफल कर दिया गया है जिसमें में कई ड्रोन शामिल थे। आरटी के अनुसार, अपुष्ट रिपोर्टों में दावा किया गया है कि एक ड्रोन ने साइट पर परमाणु अपशिष्ट भंडारण भवन को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना यूक्रेन की सीमा से लगे कुर्स्क क्षेत्र में गुरुवार शाम की बताई जा रही है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने लगभग दो घंटे के अंतराल पर दो मौकों पर रूसी क्षेत्र में एक फिक्स्ड-विंग ड्रोन को रोकने की सूचना दी। परमाणु ऊर्जा संयंत्र की प्रेस सेवा ने कहा कि उस पर तीन दुश्मन ड्रोन द्वारा हमला किया गया था। कुरचतोव यूक्रेनी सीमा से लगभग 60 किमी दूर है। नागरिक अधिकारियों के बयान में ज़मीन पर किसी नुकसान या किसी के हताहत होने की सूचना नहीं दी गई है। इसमें कहा गया है कि संयंत्र की सभी चार इकाइयाँ सामान्य रूप से काम कर रही हैं। उनमें से तीन वर्तमान में ऑनलाइन हैं, जबकि एक सेवामुक्त होने से पहले शटडाउन प्रक्रिया से गुजर रहा है।

इधर कुआं, उधर खाईः चार मोर्चों पर फंस गए नेतन्याहू

ये फॉर्मूला मान गए तो कुर्सी का डर, ना माने तो मित्रों का भय

तेलअवीव। इजरायल-हमास युद्ध का आज 21वां दिन है। इस बीच हमास आतंकियों ने ईरान के माध्यम से गाजा में तुरंत संघर्षविराम करने को कहा है।

उधर, इजरायली सेना गाजा पट्टी में घुसकर टैंकों से कोहराम मचा रही है। संयुक्त राष्ट्र पहले ही मानवीय संकट झेल रहे गाजा पट्टी में संघर्ष विराम करने का आह्वान कर चुका है। कई मुस्लिम देशों समेत यूरोपीय देशों ने भी गाजापट्टी में सीजफायर करने को कहा है। इधर, हमास आतंकियों ने इजरायली बंधकों को रिहा करने के एवज में शर्त रखी है।

हमास ने कहा है कि वो सिविल नागरिकों की रिहाई के लिए तैयार है लेकिन उसके बदले में इजरायल की जेलों में बंद 6 हज़ार फिलिस्तीनियों को रिहा करना होगा। हमास ने ये शर्त भी ईरान के जरिए रखी है। उधर, इजरायल में लोग प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ आवाज उठाने लगे हैं। नेतन्याहू घर से लेकर बाहर तक चौतरफा घिरे हुए हैं और कई मोर्चों पर जंग लड़ रहे हैं।

अमेरिका-यूएन-भारत का भी भय- संयुक्त राष्ट्र ने जहां इजरायल से युद्धविराम के लिए कहा है, वहीं अमेरिका ने दो टूक कहा है कि हमास आतंकियों से जंग खत्म होने के बाद इजरायल को दो राष्ट्र (फिलिस्तीन और इजरायल) समाधान की दिशा में काम करना होगा, जबकि इजरायल अपने विस्तारवादी मंसूबों पर आगे बढ़ता रहा है।

इससे पहले भी इन मंसूबों में कई बार इजरायल ने सफलता पाई है लेकिन अमेरिका ने उन इरादों पर ब्रेक लगा दिया है।

सिंगापुर में छात्रा से बलात्कार के आरोप में भारतीय नागरिक को 16 साल की जेल

सिंगापुर, (आईएएनएस)। एक भारतीय नागरिक को 2019 में 23 वर्षीय छात्रा से बलात्कार के लिए 16 साल जेल और 12 बेंत की सजा सुनाई गई है। 26 वर्षीय सफाईकर्मी चिन्नैया कार्तिक ने सिंगापुर के एक उपनगर क्रांजी में 4 मई को छात्रा के साथ बलात्कार किया।

इस मामले में शुक्रवार को दोषी ठहराया गया। द स्ट्रेट्स टाइम्स अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, हाईकोर्ट को बताया गया कि आरोपी कार्तिक ने पीड़िता की इतनी बेरहमी से मारपीट की कि उसके परिजन भी जब उससे मिलने अस्पताल गए तो वह उसे पहचान नहीं पाए। उप लोक अभियोजक कायल पिल्लै ने बताया कि पीड़िता कैंपस वापस जाते वक्त गलत एमआरटी ट्रेन पकड़ने के बाद देर रात क्रांजी पहुंची। अपने बॉयफ्रेंड से कॉल पर बात करने के चलते वह 10 से 15 मिनट तक चलती रही, तभी कार्तिक उसके पास आया और पूछा कि क्या वह ठीक है। पीड़िता ने उसे अकेला छोड़ने के लिए कहते हुए वापस एमआरटी स्टेशन जाने की कोशिश की। यह महसूस करते हुए कि वह उसका पीछा कर रहा है, उसने अपने बॉयफ्रेंड को बताया, जिसने उसे एक खुली जगह पर जाने और टैक्सी करने के लिए कहा। महिला ने सड़क पार करने का फैसला किया, लेकिन चिन्नैया ने उसे सड़क के डिवाइडर पर पकड़ लिया और उसके चेहरे पर मुक्का मारा और उसके साथ मारपीट की। फोन पर उसकी चीखें और शोर सुनने के बाद, बॉयफ्रेंड ने उसके हॉल मेट से संपर्क किया, जिसने पुलिस को बुलाया। द टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी पीड़िता को जंगली इलाके में ले गया, जहां उसने उसके साथ बलात्कार किया और गला दबाने की कोशिश की और भाग गया।

होश में आने पर पीड़िता ने हिम्मत कर मुख्य सड़क पर गई और वहां बैठकर रोती रही, जब तक कि पुलिस नहीं पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने आस-पास के छात्रावासों और आवास क्षेत्रों में जांच की और घटना के अगले दिन कार्तिक को पकड़ लिया। उसके डीएनए सैंपल पीड़िता के कपड़ों और शरीर पर पाए गए। एक मनोचिकित्सीय मूल्यांकन के बाद उसे मानसिक स्वास्थ्य संस्थान में रिमांड पर लिया गया, जिसमें पाया गया कि वह मुकदमा चलाने के लिए अयोग्य था, और 1 अगस्त, 2022 को उसे बरी कर दिया गया। उनका पुनर्मूल्यांकन किया गया और 16 जनवरी, 2023 को दलील देने के लिए उपयुक्त पाया गया।

आज का इतिहास

1709 – इंगलैंड तथा नीदरलैंड ने फ्रांस विरोधी संधि पर हस्ताक्षर किए।
1794 – फ्रांसीसी सेना ने दक्षिण पूर्वी नीदरलैंड के वेनलो पर कब्जा किया।
1851– बंगाल में ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन की स्थापना।
1859 – स्पेन ने अफ्रीकी देश मोरक्को के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1864 – यूनान ने नया संविधान अंगीकार किया।
1913 – मध्य अमेरिकी देश अल सल्वाडोर में बाढ से हजारों लोग मारे गये।
1920– पूर्व राष्ट्रपति जाकिर हुसैन के प्रयासों से जामिया मिलिया इस्लामिया की स्थापना।
1924 – ब्रिटेन में लेबर पार्टी को संसदीय चुनाव में हार।
1942 – नाजियों ने बेलारूस के पिनस्क में 16 हजार यहूदियों की हत्या की।

रूस के खिलाफ जंग के बीच आखिर क्यों भड़क उठे यूक्रेन के लोग, अनिवार्य सैन्य सेवा की समय सीमा पर बवाल

अनिवार्य सैन्य सेवा पर 18 महीने की सीमा की मांग को लेकर शुक्रवार को बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी यूक्रेन के शहरों की सड़कों पर एकत्र हुए। यह घटनाक्रम रूस-यूक्रेन के बीच पिछले 20 महीने से जारी युद्ध के बीच सामने आया है। युद्ध में शामिल दोनों पक्ष अपनी सैन्य गति को बनाये रखने का प्रयास कर रहे हैं, हालांकि कोई भी पक्ष दूसरे पक्ष को पूरी तरह से पछाड़ने वाला झटका नहीं दे पाया है और लड़ाई अगले साल तक खिंचने की आशंका है। अठारह महीने की सेवा सीमा युद्ध से पहले की अधिकतम सीमा के समान होगी। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि यूक्रेन की संसद समय पर संभावित विकल्पों पर विचार करे। राजधानी कीव में किये गए प्रदर्शन में लगभग 100 लोग शामिल हुए। इन प्रदर्शनकारियों में यूक्रेन के सैनिकों की पत्नियां, माताएं, बच्चे और रिश्तेदार शामिल थे। प्रदर्शनकारी अपने प्रियजनों की वापसी के लिए बैनर लिए हुए थे। बैनर पर सैनिकों को वापस बुलाओ के नारे लिखे हुए थे। वेलेरिया कोलियाडा (35) ने सेना में स्वेच्छा से सेवा देने वाले अपने पति के बारे में कहा कि मैं उनके जीवन को लेकर लगातार डर में जी रही हूं। प्रदर्शनकारी कम से कम छह अन्य शहरों में भी एकत्र हुए।

हमास के गुर्गों पर पाबंदी, फंड रोकने की तैयारी; आतंकी संगठन की ऐसे कमर

इजरायल पर हमला करने वाले आतंकवादी संगठन हमास की कमर तोड़ने के लिए अमेरिका ने खास प्लान तैयार किया है। यूएस ने हमास के सभी वित्तीय स्रोतों को खत्म करने के अपने प्रयासों का शुक्रवार को और विस्तार कर दिया। इसके तरह गुट से जुड़े लोगों और संगठनों के खिलाफ दूसरे दौर के प्रतिबंधों की घोषणा की गई। अमेरिका के वित्त विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय ने इसे लेकर एक बयान जारी किया। इसमें कहा गया कि नए प्रतिबंध हमास को वित्तीय और रसद की सहायता मुहैया कराने में ईरान की भूमिका को उजागर करते हैं। इनमें ईरान में हमास का एक प्रतिनिधि और ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के सदस्य शामिल हैं।

हमास के इजरायल पर हमले के बाद यह दूसरा मौका है जब अमेरिका ने उससे जुड़े लोगों पर प्रतिबंध लगाया है। मालूम हो कि हमास के अचानक किए गए अटैक में 1,400 से अधिक लोग मारे गए थे। आतंकी संगठन के खिलाफ प्रतिबंधों की घोषणा ऐसे समय की गई, जब अमेरिका के उप वित्त मंत्री वैली अडेयेमो लंदन की यात्रा पर हैं। हमास के लिए फंड मुहैया कराने को बंद करने के लिए एक तरह का कैंपेन चलाया जा रहा है। इस प्रयास में अमेरिका के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक ब्रिटेन का समर्थन अहम है। ध्यान रहें कि हमास को यूएस और ब्रिटेन आतंकवादी संगठन मानते हैं।

हमास के खिलाफ इजरायल की बड़ी कामयाबी, हवाई हमलों के मास्टरमाइंड को एयर स्ट्राइक में किया ढेर

हमास के खिलाफ जारी युद्ध में इजरायल की सेना को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। आतंकवादी संगठन के एरियल एरे प्रमुख असेम अबू रकाबा को मौत के घाट उतार दिया है। सेना की ओर से कहा गया कि आईडीएफ के लड़ाकू विमानों की ओर से बीती रात किए गए हमलों में वह मारा गया। रकाबा हमास के यूएवी, ड्रोन, पैराग्लाइडर, हवाई पहचान और डिफेंस के लिहाज से अहम शख्स था। 7 अक्टूबर को इजरायल में घुसकर नरसंहार का जो प्लान बनाया गया, उसमें भी वह शामिल था। असेम अबू रकाबा ने उन आतंकवादियों की कमान संभाली, जिन्होंने पैराग्लाइडर के जरिए इजरायल में घुसपैठ की। आईडीएफ की चौकियों पर हुए ड्रोन हमलों के लिए भी वह जिम्मेदार था।

इजरायल ने गाजा पट्टी में इंटरनेट और संचार के अन्य माध्यम बंद कर दिए हैं, जिससे वहां रहने वाले 23 लाख लोगों का आपस में व बाहरी दुनिया से संपर्क कट गया है। इजरायल ने शुक्रवार रात से गाजा पर हवाई और जमीनी हमले भी तेज कर दिए हैं। इजरायली सेना ने कहा कि वह क्षेत्र में जमीनी अभियान व्यापक कर रही है। सेना की यह घोषणा इस बात का संकेत देती है कि वह गाजा पर संपूर्ण आक्रमण के नजदीक पहुंच रही है। उसने गाजा में हमास आतंकियों का पूरी तरह से सफाया करने का प्रण लिया है।

हमास ने इजरायल के लगभग 30 बच्चों को बनाया बंधक

परिवार वापस लौटने का कर रहे हैं इंतजार

अबीगैल एडन सिर्फ तीन साल की है और जब हमास के आतंकवादियों ने सात अक्टूबर को किबुत्ज, केफर अजा पर हमला किया और उसके माता-पिता की हत्या कर दी तो वह केवल इतना जानती थी कि आश्रय लेने के लिए पड़ोसी के पास भागना चाहिए।

ब्रोडच परिवार में शामिल मां हैगर और उसके तीन बच्चे हिंसा भड़कने पर अबीगैल को अपने साथ ले गये और फिर सभी पांच लापता हो गए। बाद में सरकार ने सभी पांचों के हमास का बंदी होने की पुष्टि की। हमास ने इजराइल पर हमला कर 200 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया और उन्हें गाजा में रखा गया है।

इस दिन के बाद से बंधक बनाए गए लोगों के परिवार गहरे शोक में डूब गए हैं और वह दुविधा की स्थिति में हैं। इजराइल आतंकवादियों द्वारा मारे गए अपने 1,400 से अधिक लोगों का शोक मना रहा है। इजराइल से बंधक बनाए गए लगभग 30 बच्चों के परिवार अपनी गंभीर पीड़ा का वर्णन करते हैं और उन्हें अपने बच्चों की सुरक्षा का डर सता रहा है। अबीगैल की चाची ताल एडन ने टेलीफोन पर एक साक्षात्कार में कहा, वह एक बच्ची है, सिर्फ तीन साल की है, और वह बिल्कुल अकेली है। शायद वह किसी पड़ोसी के साथ है, लेकिन मुझे नहीं पता कि वे अभी भी साथ हैं या नहीं। उसका कोई नहीं है। इजराइल और हमास के बीच जारी इस युद्ध में बच्चे सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। गाजा की 23 लाख की आबादी में आधी संख्या बच्चों की है। हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बताया कि इजराइल के हमले में अब तक सात हजार से अधिक फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है, जिनमें से 2,913 नाबालिग हैं। गाजा में 800 बच्चे अब भी लापता बताए जा रहे हैं।

विस्फोट से गाजा सिटी के आसमान में लगातार दिख रही चमक

इजरायल के हवाई हमलों के कारण हुए विस्फोट से गाजा सिटी के आसमान में लगतार चमक दिखाई देती रही। फिलिस्तीन के टेलीकॉम प्रदाता पालटेल ने कहा कि बमबारी के कारण इंटरनेट, सेल्युलर और लैंडलाइन सेवाएं पूर्ण रूप से बाधित हो गई हैं। संचार ठप होने का तात्पर्य यह है कि हमले में लोगों के मारे जाने और जमीनी कार्रवाई के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाएगी। हालांकि, क्षेत्र में कुछ सैटेलाइट फोन काम कर रहे हैं।

गाजा एक सप्ताह से बिजली नहीं होने से अंधेरे में डूबा हुआ है। फिलिस्तीन के लोग भोजन और पेयजल की समस्या से भी जूझ रहे हैं। गाजा के लोग उस वक्त दशहत में आ गए, जब मैसेजिंग ऐप अचानक बंद होने के कारण परिवारों के साथ उनका संपर्क कट गया और कॉल आने बंद हो गए। संयुक्त राष्ट्र महासभा में गुरुवार को फिलिस्तीन के राजदूत ने गाजा में जारी युद्ध को लेकर आग्रह किया कि बमबारी रोककर लोगों की जान बचाई जाए। हालांकि, इजरायल के राजदूत ने कठोर रुख जारी रखते हुए एक बार फिर हमास के खात्मे का दृढ़ संकल्प दोहराया। 7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए हमास के हमले के बाद से जारी युद्ध की गूंज 193 देशों वाली महासभा के विशाल कक्ष में भी सुनाई दी। युद्ध को रोकने के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रयास विफल रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में इजरायल के राजदूत गिलाड एरडन को छोड़कर एक के बाद एक विभिन्न वक्ताओं ने संघर्ष विराम के आह्वान से संबंधित अरब के प्रस्ताव का समर्थन किया। एरडन ने महासभा से कहा, संघर्ष विराम का मतलब हमास को हथियार जुटाने के लिए समय देना होगा, ताकि वे एक बार फिर हमारा नरसंहार कर सकें।

इराकी मौलवी अल-सद्र ने की अमेरिकी दूतावास बंद करने की मांग

बगदाद, (आईएएनएस)। इराकी प्रमुख शिया धर्मगुरु मुक्तदा अल-सद्र ने सरकार से गाजा में इजराइली हमलों के लिए वाशिंगटन के समर्थन के जवाब में बगदाद में अमेरिकी दूतावास को बंद करने का आह्वान किया है। अल-सद्र ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, हम इस अनुरोध पर सरकार के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर सरकार और संसद (सकारात्मक) प्रतिक्रिया नहीं देते हैं, तो हमारे पास बाद में घोषणा करने के लिए एक और स्थिति होगी। बयान के अनुसार, मौलवी ने अमेरिकी दूतावास में राजनयिकों और कर्मचारियों की सुरक्षा का भी आह्वान किया और सभी इराकियों से व्यक्तिगत रूप से कार्य न करने और न ही हथियारों का उपयोग न करने का आग्रह किया।

सुडोकू 6360

	8			4				3
	4		7		6			
9			5			2		
1	9							6
		5				1		
7							2	4
		1			9			2
			4		3		1	
2				1			3	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6360

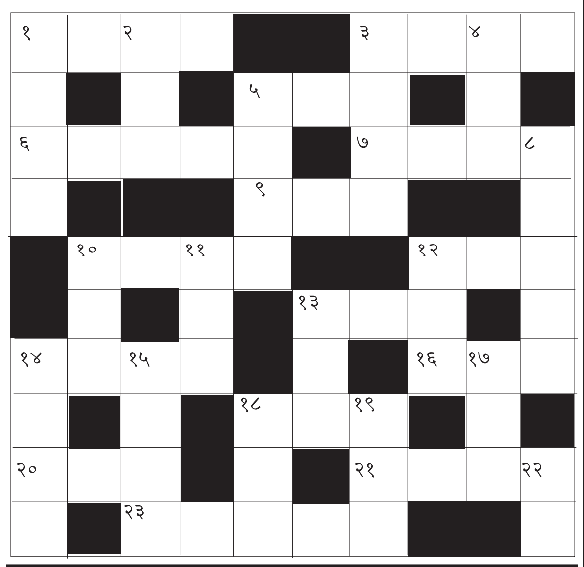

बायें से दायें:-

१. विवरण, ब्यौरा (उर्दू)
३. बदनामी, अपयश (उर्दू)
५. सुरबाला, देवकन्या
६. प्रतीक्षा करना (मुहावरा)
७. बड़ा हाथी, हाथियों का राजा
९. घटना, समाचार, अवसर
१०. शामिल
१२. डर, भय
१३. ज्यों का त्यों
१४. उलझन दूर होना
१६. युवा जवान
१८. श्रीमान (उर्दू)
२०. किसी पत्र-पत्रिका का पिछला अंक
२१. असह्य, अप्रिय (उर्दू)
२३. ख्याति प्राप्त करना (मुहावरा)

ऊपर से नीचे:-

१. विवाद, बहस (उर्दू)
२. स्वभाव, गुण, शील, चरित्र (उर्दू)
३. निवृत्त होना, छुटकारा (उर्दू)
४. वधिक, कातिल
५. जो ढंका हुआ न हो, खुला
८. लोगों का हित, जनहित
१०. कामयाब
११. लिपिबद्ध करना
१२. बुलाया गया, निमंत्रित
१३. पीड़ा होना, टीसना
१४. सौभाग्यवी, सधवा
१५. आभास होना, दीप्तिवान होना
१७. अपमानित, निंदित (उर्दू)
१८. जन्मदाता
१९. निर्माण करना, सुधारना
२२. इच्छा, खुशी, मरजी (उर्दू)

वर्ग पहेली-6359

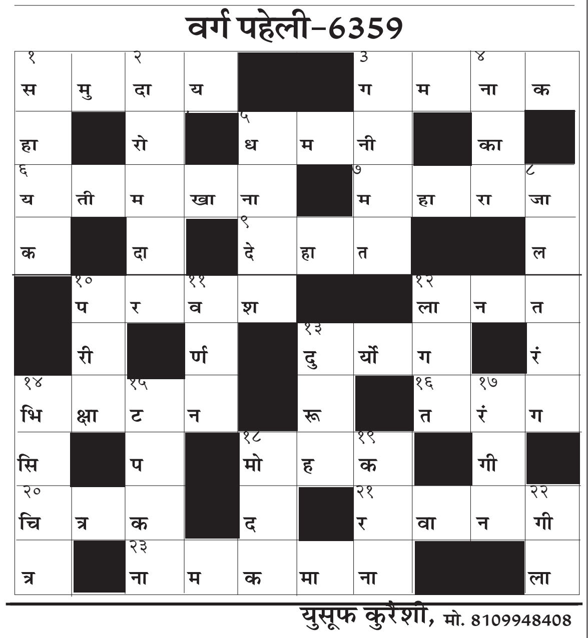

यूसुफ कुरैशी, मो. 8109948408

कार्रवाई *पश्चिम बंगाल में सीबीआई और ईडी द्वारा की गईं कार्रवाई*

2011 से अब तक 13 तृणमूल दिग्गज गिरफ्तार

कोलकाता, (एजेंसियां)। 2011 के बाद से, जब पश्चिम बंगाल में 34 साल के वाम मोर्चा शासन को समाप्त कर वर्तमान तृणमूल कांग्रेस शासन सत्ता में आई, तब से भ्रष्टाचार के आरोप में तृणमूल के विधायकों, सांसदों और मंत्रियों सहित 13 दिग्गज नेताओं को गिरफ्तार किया गया है। एक को छोड़कर, जो कि तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता और पार्टी के पूर्व राज्यसभा सदस्य कुणाल घोष हैं, जिन्हें पश्चिम बंगाल पुलिस ने करोड़ों रुपए के शारदा चिट फंड घोटाले में गिरफ्तार किया था, बाकी सभी गिरफ्तारियां सीबीआई और ईडी द्वारा की गईं।

शारदा चिटफंड घोटाले में घोष के अलावा, पार्टी के तत्कालीन राज्यसभा सदस्य सृंजय बोस और तृणमूल कांग्रेस के विधायक और तत्कालीन पश्चिम बंगाल परिवहन मंत्री मदन मित्रा को गिरफ्तार किया गया था। मित्रा और बोस दोनों को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था।

बाद में रोज़ वैली चिटफंड मामले में, सीबीआई अधिकारियों ने तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सदस्य सुदीप बंदोपाध्याय और अभिनेता से नेता बने स्वर्गीय तापस पाल को गिरफ्तार कर लिया। पाल की फरवरी 2020 में 61 वर्ष की आयु में हृदय गति रुकने से मृत्यु हो गई। 2021 में, ईडी के अधिकारियों ने तृणमूल कांग्रेस के पूर्व राज्यसभा सदस्य और अलकेमिस्ट ग्रुप के संस्थापक के.डी. सिंह को 2018 में केंद्रीय एजेंसी द्वारा शुरू किए गए मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया था 2021 में, राज्य विधानसभा चुनावों के तुरंत बाद, सीबीआई अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल कैबिनेट के दो सदस्यों – स्वर्गीय सुब्रत मुखर्जी और फिरहाद हकीम – और कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के पूर्व मेयर सोवन चट्टोपाध्याय और पार्टी विधायक मदन मित्रा को नारद वीडियो टेप घोटाले में गिरफ्तार किया। पार्टी के कई दिग्गज नेताओं और एक पुलिस अधिकारी को लाभ पहुंचाने के वादे के बदले नकद स्वीकार करते देखा गया था। 2022 के बाद से जब केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल में स्कूल में नौकरी के लिए करोड़ों रुपये के नकद मामले की जांच शुरू की, तो पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के महासचिव पार्थ चटर्जी पहले व्यक्ति थे, जिन्हें पिछले साल जुलाई में गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में पार्टी विधायक और पश्चिम बंगाल बोर्ड ऑफ प्राइमरी एजुकेशन (डब्ल्यूबीबीपीई) के पूर्व अध्यक्ष माणिक भट्टाचार्य को ईडी ने और पार्टी के एक अन्य विधायक जीबन कृष्ण साहा को गिरफ्तार किया गया।

■ **भ्रष्टाचार के आरोप में तृणमूल के विधायकों, सांसदों और मंत्रियों सहित 13 दिग्गज नेताओं को गिरफ्तार किया गया**

खेल जगत

मनु भाकर ने निशानेबाजी में भारत के लिए 11वां पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल किया

नई दिल्ली। ओलंपियन और भारत के सबसे सफल समकालीन निशानेबाजों में से एक मनु भाकर ने कोरिया के चांगवोन में चल रही 15वीं एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में पांचवें स्थान पर रहकर शूटिंग में भारत का 11वां पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा हासिल किया। मनु ने फाइनल में 24 का स्कोर किया और शूट-ऑफ में हारकर एक और अंतरराष्ट्रीय पदक से चूक गईं। ईरान की हनियेह रोस्तमियान दूसरे स्थान पर रहीं, उन्होंने चीन का पदक छीन लिया, क्योंकि पावरहाउस राष्ट्र ने अन्य सभी स्थानों को एक से चार तक ले लिया। यह देखते हुए कि चीन केवल एक कोटा का दावा कर सकता है और हनियाह ने पहले ही अपना कोटा सुरक्षित कर लिया था, दूसरा पेरिस स्थान भारतीय ने हासिल किया। बाहर होने से पहले, मनु अक्सर शीर्ष दो में और पूरे समय पदक की स्थिति में रहती थीं।

भारत की निगाहें जीत के 'छक्के' साथ सेमीफाइनल में स्थान पक्का करने पर

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

- भारत के विजय रथ को रोकना इंग्लैंड के लिए बेहद मुश्किल
- भारत अब इंग्लैंड से हिसाब चुकता करने को बेताब

लखनऊ। चेज मास्टर विराट कोहली, हिटमैन कप्तान रोहित शर्मा, दमदार शुभमन गिल और भरोसेमंद केएल राहुल सहित भारत का शीर्ष क्रम पूरे रंग में है। रफ्तार के सौदागर जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी व मोहम्मद सिराज, बाएं हाथ के लेग स्पिनर कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा की जुगल जोड़ी के साथ बेहद अनुभवी ऑफ स्पिन ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन के रूप में भारत को स्पिनरों की त्रिमूर्ति उपलब्ध है। शुरू के अपने पांचों मैच जीतने वाली भारतीय टीम की निगाहें अब मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड को भी यहां रविवार को हरा जीत के %छक्के% के साथ आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप 2023 के सेमीफाइनल में स्थान पक्का करने पर लगी हैं। भारत के लिए एक अच्छी बात यह है कि पिछली उपविजेता न्यूजीलैंड पर धर्मशाला में चार जीत के बाद उसकी टीम करीब एक हफ्ते आराम कर तरोताजा होकर इंग्लैंड के खिलाफ खेलने उतरेगी।

भारत अब यहां इकाना भारत रत्न अटल बिहारी स्टेडियम मे 2019 में बर्मिंघम में रोहित शर्मा के शतक , विराट के अर्द्धशतक तथा मोहम्मद शमी के गेंद से %पंजे% के बावजूद इंग्लैंड से मिली 31 रन की हार का हिसाब चुकाने को बेताब होगा। बतौर टीम बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले भारत के विजयरथ को शुरू के अपने पांच में चार मैच हार चुकी इंग्लैंड के लिए नवाबों के शहर रोक पाना नामुमकिन न सही लेकर बेहद मुश्किल तो जरूर है। इंग्लैंड को सेमीफाइनल की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए भारत के खिलाफ जीत बेहद जरूरी है।अगर- मगर फंसा इंग्लैंड यदि भारत से रविवार को हारा तो उसके सेमीफाइनल के रास्ते बंद हो जाएंगे। दोनों देशों के बीच वनडे विश्व कप में अब आठ में चार मुकाबले इंग्लैंड ने और तीन भारत ने जीते जबकि एक टाई रहा। ,

बेशक क्रिकेट रोचक अनिश्तिताओं का खेल है और यह कमतर अफगानिस्तान ने इंग्लैंड और पाकिस्तान जैसी दुनिया की बड़ी टीमों को तथा नीदरलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर साबित किया है। भारत को इसलिए आत्ममुग्धता से बचते हुए इंग्लैंड के निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद उसे हल्के में लेने की गलती करने से बचना होगा। इंग्लैंड की टीम जब अपना खिताब बरकरार रखने की हसरत के साथ भारत आई तो उसकी शुरू से जवाबी हमला कर किसी भी प्रतिद्वंद्वी टीम को पस्त करने के चर्चे थे लेकिन किस्मत का फेर देखिए वह खुद इस वक्त पूरी तरह पस्त है। भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने शुरू खुद दे दनादन की रणनीति में इसलिए कामयाब रहे हैं क्योंकि उन्हें मालूम है उनके किसी मैच में नाकाम रहने पर मैच के मिजाज के गियर बदलने में माहिर विराट कोहली और केएल राहुल जैसे जोश के साथ होश रखने में माहिर अनुभवी बल्लेबाज हैं। कप्तान सलामी बल्लेबाज हिटमैन ने पारी के शुरू में जहां दे दनादन कर चेज मास्टर विराट कोहली व केएल राहुल जोश के साथ होश से बल्लेबाजी कर भारत को मंजिल तक पहुंचा रहे हैं वहीं सदाबहार जसप्रीत बुमराह खुद गेंद से रफ्तार के साथ धार दिखा अपने साथी गेंदबाजों को बढिया गेंदबाजी से भी बढिया गेंदबाज कराने में कामयाब हो रहे हैं। उपकप्तान ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या टखने में चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ भी उपलब्ध न होने के बावजूद भारत के पास पर्याप्त विकल्प हैं। हार्दिक के चोट के चलते बाहर होने पर मिले मौके को लपकते हुए अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ गेंद से %पंजा% जड़ पूरी तरह भुनाते हुए भारत को जीत दिलाने के साथ खुद का अगले सभी मैचों के लिए एकादश में स्थान

मैच का समय : दोपहर 2 बजे से।

पक्का कर दिया है। मौजूदा वनडे विश्व कप में सबसे ज्यादा तीन अर्द्धशतक और एक शतक सहित रन बनाने में सबसे आगे चल रहे चेज मास्टर विराट कोहली (कुल 354 रन), पहली ही गेंद से दे दनादन हिट करने वाले कप्तान रोहित शर्मा(311 रन) और सबसे भरोसेमंद केएल राहुल (177 रन) की सूझबूझ भरी बल्लेबाजी भारत को जीत के लक्ष्य का कामयाबी से पीछा कर जिस तरह शुरू के पांचों मैच जिताए उसके मद्देनजर इंग्लैड के लिए गेंदबाजों के लिए लगाम लगाना सबसे मुश्किल चुनौती होगा। विराट कोहली बांग्लादेश के खिलाफ पुणे में मैच अविजित शतक जड़ अंतरराष्ट्रीय वनडे क्रिकेट मे सचिन तेंदुलकर (49 शतक) के दुनिया में सबसे ज्यादा शतक जड़ने से बस एक शतक के फासले पर रह गए। धर्मशाला में अगले मैच में विराट न्यूजीलैंड के मैट हेनरी की गेंद को उड़ाने के फेर में फिलिप्स के हाथों लपके जाने से मात्र पांच रन से लगातार दूसरा शतक जड़ने सचिन की बराबरी से चूके। लखनऊ में पूरी भारतीय टीम ही नहीं हर देश और दुनिया का हर क्रिकेट प्रेमी यह उम्मीद करेगा कि विराट इंग्लैंड के खिलाफ मैच में रविवार को वनडे में अपना 49 वां शतक जड़ने के साथ अपने आदर्श सचिन की बराबरी कर लेंगे। डेंगू की चपेट में आने के बाद शुरू के मैचों से बाहर रहने के बाद इस साल के वनडे क्रिकेट के सफल बल्लेबाज शुभमन गिल ने पिछले तीन मैचों में भले ही एक अर्द्धशतक जड़ा हो लेकिन वह आत्मविश्वास खेले वह इस वन डे विश्व कप में प्रतिद्वंद्वी टीम के गेंदबाजों के लिए खतरनाक की घटी है। भारत ने पहले मैच में मात्र दो रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद जिस तरह विराट और केएल राहुल ने संभाला और इसके बाद जिस दे दनादन के अंदाज में कप्तान रोहित शर्मा ने आगाज कर तेज शुरुआत दिलाई है उससे इससे पहले की प्रतिद्वंद्वी टीम कुछ समझे मुट्ठी में से रेत की तरह मैच प्रतिद्वंद्वी टीम के हाथ से फिसल जाता रहा। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर का बराबर लगभग हर मैच में अपनी एकादश साफ साफ यह दर्शाता है उन्हें न तो अपने बल्लेबाजों पर भरोसा दिख रहा है न ही अपने गेंदबाजों पर। भारतीय बल्लेबाज इंग्लैंड के गेंदबाजों में विश्वास की कमी का लाभ उठाकर खासतौर पर तेज गेंदबाज मार्क वुड(कुल 3 विकेट) को निशाना बनाने से नहीं चूकेंगे और सबसे अनुभवी लेग स्पिनर आदिल राशिद (कल छह विकेट)को भी निशाना बनाने से नहीं चूकेंगे। भारत के कप्तान रोहित ने टॉस जीता या उन्हें पहले बल्लेबाजी की दावत मिली तो वह इसे खुशी खुशी कबूल कर टीम की जीत के सिलसिले को आगे बढ़ाने में कसर नहीं छोड़ेंगे। इंग्लैंड को चोट के चलते अपने सबसे लंबे और सबसे कामयाब तेज गेंदबाज रीस टॉप्ले (8 विकेट) की कमी बुरी तरह अखरेगी। इंग्लैंड की सबसे बड़ी दिक्कत है कि सही मायनों में उसके लिए एक शतक सहित पांच मैचों में उसके लिए रन बनाने में सबसे आगे चल रहे डेविड मलान (कुल 220 रन) और दो अर्द्धशतक सहित रन बनाने में दूसरे स्थान पर चल रहे जो रूट(कुल 175) को छोड़ कर एक एक अर्धशतक जड़ने वालशे जॉनी बैरिस्टो (कुल 127)व हैरी ब्रूक (कुल 128 रन) लगातार बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे हैं। पिछले दो मैचों से जिस तरह इंग्लैंड का शीर्ष क्रम पहले दिल्ली में अफगानिस्तान और फिर बेंगलुरु में श्रीलंका के खिलाफ जिस तरह ताश के पत्तों की ढहा उसके मद्देनजर उनके लिए भारत के रंग में चल रहे तेज गेंदबाजों - जसप्रीत बुमराह (कुल 11 विकेट), मोहम्मद सिराज (कुल छह विकेट) तेज और मात्र एक मैच खेल गेंद से पंजा जड़ने वाले मोहम्मद शमी(5 विकेट) की त्रिमूर्ति के साथ बाएं हाथ के लेग स्पिनर कुलदीप यादव (कुल 8 विकेट) और रवींद्र जडेजा (7 विकेट) के स्पिनरों की जुगल जोड़ी के सामने टिक पाना बेहद मुश्किल नजर आ रहा है। भारत शॉर्ट गेंद के खिलाफ परेशान नजर आए श्रेयस अय्यर और सूर्य कुमार यादव में किसी एक को शीर्ष क्रम में रख कर ऑफ स्पिन ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन को भी एकादश में उतारता है तो इंग्लैंड की परेशानी और भारत की तेज और स्पिन त्रिमूर्ति के सामने और बढ़ सकती है।

रनो की बारिश में आस्ट्रेलिया ने बाजी मारी, न्यूजीलैंड पांच रन से हारा

धर्मशाला। ट्रैविस हेड (109) और डेविड वार्नर (81) के बीच 175 रन की तूफानी भागीदारी की के बाद सधी हुयी गेंदबाजी और चुस्त क्षेत्ररक्षण की मदद से आस्ट्रेलिया ने शनिवार को आईसीसी विश्व कप के रोमांचक मुकाबले में न्यूजीलैंड को पांच रन से हरा दिया। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के खूबसूरत मैदान पर आस्ट्रेलिया ने टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुये 388 रन का स्कोर खड़ा किया जिसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम नौ विकेट पर 383 रन ही बना सकी। विश्व कप में अब तक खेले गये छह मुकाबलों में न्यूजीलैंड की यह दूसरी हार है, इससे पहले भारत ने उसे हराया था जबकि शुरुआती दो मैच हारने वाली आस्ट्रेलिया ने पिछले चार मुकाबलों में जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी राह आसान की हैं। न्यूजीलैंड ने हालांकि गेंद और बल्ले से कंगारूओं को कड़ी टक्कर दी जिसके चलते अंतिम क्षणों तक मैच का रोमांच बरकरार रहा। रचिन रविंद्र (116) ने एक छोर को संभाल कर आस्ट्रेलिया के गेंदबाजी आक्रमण का सामना किया। इसके अलावा डैरिल मिचेल (54) और जिमी मीशम (58) ने भी फटाफट रन बटोरते हुये अपनी टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचाने का भरपूर प्रयास किया मगर एडम जम्पा (74 रन पर तीन विकेट) के अलावा पैट कमिंस और जॉश हेजलवुड ने दो दो विकेट झटक कर कीवियों को जीत से महरूम कर दिया। रनो से भरपूर विकेट पर गेंदबाजों की जम कर पिटाई हुयी मगर दोनो टीमों को मिलाकर कुल 19 विकेट भी गिरे जबकि कुल 771 रन बनाये गये जो आस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड मैच का एक रिकार्ड है। इस दौरान कुल 32 छक्के लगाये गये जिसमें 20 छक्के आस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों ने 12 न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने जड़े।

टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरे हेड और वार्नर के बल्ले की आग ने स्टेडियम के माहौल में तपिश ला दी। दोनो ने कीवी गेंदबाजों की जमकर धुलायी करते हुये 19वें ओवर तक टीम के स्कोर को 175 रन पर लाकर खड़ा कर दिया जिससे लगने लगा था कि आस्ट्रेलिया 450 के आसपास स्कोर कर लेगा मगर ग्लेन फिलिप्स (37 रन पर तीन विकेट) ने न सिर्फ इस तूफान को थामा बल्कि पूरी आस्ट्रेलिया टीम को 388 रनो के भीतर पैक करने में भी अहम योगदान दिया।

विश्व कप में अपना पहला मैच खेल रहे हेड ने मात्र 59 गेंदों पर अपना शतक दस चौके और सात छक्कों की मदद से पूरा किया। इसके साथ ही हेड विश्व कप के पदार्पण मैच में सबसे तेज शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गये है जबकि तेज शतक के मामले में वह ग्लेन मैक्सवेल के बाद दूसरे आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी है। मैक्सवेल ने मौजूदा विश्व कप में 40 गेंदों में शतक जड़ा था। विशाल साझीदारी को तोड़ने के लिये पैट कमिंस ने गेंदबाजों को बदला और आखिरकार कंगारू टीम को पहली सफलता वार्नर के विकेट के तौर पर मिली जिन्हे ग्लेन फिलिप्स अपनी ही गेंद पर लपका। वार्नर ने अपनी धाकड़ पारी में 65 गेंद खेल कर पांच चौके और छह छक्के लगाये। फिलिप्स ने ही हेड को भी जल्द ही दूसरा शिकार बनाया। सलामी साझीदारी टूटने के बाद न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने आस्ट्रेलिया के रनो की रफ्तार पर अंकुश लगाया। इस बीच फिलिप्स ने स्टीव स्मिथ (18) को कैच आउट करा कर अपनी टीम को मैच में वापस ला दिया। बाद में मिचेल मार्श (36),ग्लेन मैक्सवेल (41),जॉश इग्लस (38) और पैट कमिंस (37) ने तेज गति से रन बटोरने की कोशिश की मगर उतनी ही तेजी से ट्रेंट बोल्ट (77 पर तीन विकेट) और मिचेल सेंटनर (80 रन पर दो विकेट) ने आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को आउट करने की सफल कोशिश की। गेंद और बल्ले की इस रोमांचक जंग के बीच पूरी आस्ट्रेलियाई टीम 49.2 ओवरों में 388 रन बना कर पवेलियन लौट गयी।

इंग्लैंड को लखनऊ जाना है और भारत की पार्टी खराब करनी है : नासिर हुसैन

> मैंने इस टूर्नामेंट से पहले टीम नहीं बदली होती, लेकिन मैं निश्चित रूप से अब इसे बदलने के बारे में सोच रहा हूं क्योंकि यह एक युग के अंत जैसा लगता है। इससे इंग्लैंड की इस टीम ने जो हासिल किया है उससे कुछ भी कम नहीं होता है। हम सभी हताश और उदास हो सकते हैं और कह सकते हैं, इनमें से बहुतों से छुटकारा पाए : नासिर हुसैन

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर नासिर हुसैन ने जोस बटलर की अगुवाई वाली इंग्लैंड टीम से आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 में रविवार को मेजबान टीम के खिलाफ खेलते हुए भारत की पार्टी खराब करने और उन्हें पहली बार हार देने का आग्रह किया है।

अंक तालिका में नौवें स्थान पर मौजूद इंग्लैंड चाकू की धार पर चल रहा है और सेमीफाइनल की दौड़ से लगभग बाहर हो गया है। हालाँकि, नासिर को अभी भी इंग्लैंड की टीम एक प्रभावशाली टीम लगती है जिसे अपनी क्षमताओं को दिखाने के लिए एशेज से आगे बढ़ना होगा।

खिलाड़ियों को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। मैं बैज के लिए खेलने जैसी घिसी-पिटी बातों में माहिर नहीं हूं, लेकिन इंग्लैंड को अब यही करना है। उन्हें रविवार को लखनऊ जाना है और भारत की पार्टी खराब करनी है। उन्हें ऐसा करना ही होगा। हुसैन ने द डेली मेल के लिए अपने कॉलम में लिखा, भारत और दुनिया को याद दिलाएं कि वे कितने महान क्रिकेटर थे और अब भी हैं। इससे पहले श्रीलंका के खिलाफ करारी हार के बाद, नासिर ने सफेद गेंद क्रिकेट में इंग्लैंड के दृष्टिकोण पर सवाल उठाया था और इंग्लिश टीम के एक युग का अंत बताते हुए उनसे बाहर निकलने और व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेने का आग्रह किया था।

हुसैन ने स्काई स्पोर्ट्स को बताया, हम अपने सफेद गेंद के इतिहास के कुछ महानतम खिलाड़ियों के बारे में बात कर रहे हैं, लेकिन यह उनमें से कुछ के लिए बहुत दूर का पुल साबित हुआ है।

मैंने इस टूर्नामेंट से पहले टीम नहीं बदली होती, लेकिन मैं निश्चित रूप से अब इसे बदलने के बारे में सोच रहा हूं क्योंकि यह एक युग के अंत जैसा लगता है। इससे इंग्लैंड की इस टीम ने जो हासिल किया है उससे कुछ भी कम नहीं होता है। हम सभी हताश और उदास हो सकते हैं और कह सकते हैं, इनमें से बहुतों से छुटकारा पाएं लेकिन उन्होंने हमें छह या सात साल बिल्कुल शानदार सफेद गेंद वाला क्रिकेट दिया है।

भारत पांच मैचों में पांच जीत के साथ विश्व कप में हार न झेलने वाली एकमात्र टीम है। वे दक्षिण अफ्रीका के बाद अंक तालिका में दूसरे स्थान पर हैं और उनका प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है। इंग्लैंड रविवार को लखनऊ के एकाना क्रिकेट स्टेडियम में मेजबान भारत से भिड़ेगा।

सार संक्षेप

मयंक चाफेकर ने मॉडर्न पेंटाथलॉन में तीन स्वर्ण पदक जीते

पणजी। एशियाई खेल 2023 में भाग लेने वाले भारत के पहले आधुनिक पेंटाथलॉन एथलीट महाराष्ट्र के मयंक चाफेकर ने राष्ट्रीय खेलों में मॉडर्न पेंटाथलॉन में तीन स्वर्ण पदक अपने नाम किये हैं। चापेकर को हांगझाउ एशियन गेम्स के दौरान पिंडली की हड्डी में चोट लग गई थी, जब वह तलवारबाजी कर रहे थे। इस दौरान एक तलवार ने उनका पैर छेद दिया था। ठाणे के कलवा के रहने वाले 23 साल के इस खिलाड़ी ने शुक्रवार को पोंडा में चल रहे 37वें राष्ट्रीय खेलों में पुरुषों की व्यक्तिगत ट्रायथल, पुरुष ग्रुप ट्रायथल और मिश्रित रिले ट्रायथले में स्वर्ण पदक जीतकर घरेलू सर्किट में अपने दबदबे को साबित किया। दो मॉडर्न पेंटाथलन विश्व और एशियाई चैंपियनशिप में भाग ले चुके चाफेकर ने मॉडर्न पेंटाथलन के राष्ट्रीय खेलों में पदार्पण के मौके का पूरा लुत्फ उठा रहे हैं। ट्रायथल आधुनिक पेंटाथलॉन अनुशासन में एक उप-खेल है। जहां एथलीटों को 5×600 मीटर की दौड़ लगानी होती है, 4×50 मीटर गोद में तैरना पड़ता है। साथ ही 10 मीटर की दूरी से लक्ष्य पर लेजर गन शूट करना पड़ता है।

भारत ने पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में 3-3 से बराबरी पर रोका

जोहोर बाहरू (मलेशिया)। मौजूदा चैंपियन भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने दो बार एक गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए शुक्रवार को सुल्तान ऑफ जोहोर कप के रोमांचक शुरुआती मैच में प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3-3 से ड्रा पर रोक दिया। . यह अमनदीप लाकड़ा (30), आदित्य अर्जुन लालागे (56) और उत्तम सिंह (59) के गोल थे जिन्होंने सुनिश्चित किया कि भारत को ड्रॉ से एक अंक मिले जबकि अरबाज अहमद (31, 58) और अब्दुल शाहिद (49)) ने पाकिस्तान के लिए गोल किये।

बाबर आजम को जिम्मेदार न ठहराएं : मिकी आर्थर

चेन्नई। पाकिस्तान के कोच मिकी आर्थर ने मौजूदा विश्व कप में उनकी टीम की विफलता के लिए कुछ लोगों को दोष देने के बजाय परफेक्ट मैच को जिम्मेदार ठहराया। शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम की 1 विकेट से हार के बाद आर्थर ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को कप्तान बाबर आजम के खिलाफ साजिश रचने से रोकने का भी वादा किया। केशव महाराज और तबरेज़ शम्सी के बीच 10वें विकेट के लिए सराहनीय साझेदारी से पाकिस्तान को विश्व कप इतिहास में पहली बार लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले अफगानिस्तान के खिलाफ हार के बाद, पीसीबी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा था, बोर्ड विश्व कप में टीम के प्रदर्शन के आधार पर पाकिस्तान क्रिकेट के सर्वोत्तम हित में निर्णय लेगा। दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद आर्थर ने कहा, वे हर किसी को दोषी ठहराएंगे, चिंता मत कीजिए। यह तो बस दुनिया का दस्तूर है। निश्चित रूप से बाबर आज़म, इंजी (मुख्य चयनकर्ता, इंजमाम-उल-हक), हमारे कोचों, प्रबंधन टीम पर जादू-टोना शुरू करना वास्तव में अनुचित है। मुझे पता है कि लड़कों ने कोशिश की है और प्रयास किया है कोचिंग स्टाफ और खिलाड़ियों का प्रयास प्रथम श्रेणी का रहा है। अगर वे देखेंगे कि खिलाड़ियों और स्टाफ ने कितना प्रयास किया है, तो वे आश्चर्यचकित हो जाएंगे। 271 का औसत स्कोर बनाने के बाद, पाकिस्तान ने दूसरी पारी के पहले भाग में 12.3 ओवर के अंतराल में 54 रन पर पांच विकेट लेकर जीत की तरफ कदम बढ़ाया, जिससे दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 9 विकेट पर 260 रन हो गया, इससे पहले कि अंपायर की कुछ खामियां सामने आईं और महाराज ने मामूली अंतर से जीत हासिल की।

मुझे लगा कि हमने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन मुझे अभी भी लगा कि रन बनाने के मामले में हम कमतर थे। हमने अभी तक एक साथ सही खेल नहीं दिखाया है। ऐसा प्रयास की कमी के कारण नहीं हुआ है, ऐसा नहीं है प्रयास की कमी के कारण, लेकिन इस समय हमारे पास पर्याप्त खिलाड़ी नहीं हैं, विशेषकर बल्ले से। अफगानिस्तान के खेल में, हम सभी विभागों में औसत थे। आज रात, हम बल्ले से ठीक थे, मुझे लगा कि हम गेंद से बहुत अच्छे थे। और आज रात, मुझे वास्तव में उन (खिलाड़ियों) पर गर्व है क्योंकि उन्होंने सही तरीके से लड़ाई लड़ी लेकिन कड़वा अंत। 6 मैचों में 2 जीत के साथ, विश्व कप में पाकिस्तान की यात्रा समाप्त होती दिख रही है, हालांकि, आर्थर टीम के प्रदर्शन को लेकर आशावादी हैं और टूर्नामेंट के लिए तत्पर हैं। आप कभी नहीं जानते। मैं जो जानता हूं वह यह है कि हमें फिर से संयोजनों का आकलन करने की जरूरत है, हमें अपनी टीम के भीतर मौजूद कमियों पर नजर डालने की जरूरत है। हमें कई क्षेत्रों में सुधार शुरू करने की जरूरत है और हमें मिल गया है, इस टूर्नामेंट को तीन जीत के साथ समाप्त करना है। मैं यही जानता हूं। हर दिन हम कोशिश करेंगे और हम ऐसा करने का प्रयास करेंगे।

टीम का फॉर्म उतना अच्छा नहीं रहा जितना हम आम तौर पर रखते हैं : मार्कस ट्रेस्कोथिक

लखनऊ। 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में इंग्लैंड से बहुत उम्मीदें थीं, वैश्विक आयोजन के 2015 संस्करण के पहले दौर में हार के बाद 2019 में घरेलू मैदान पर ट्रॉफी जीतकर 50 ओवर के प्रारूप में खेलने के तरीके को फिर से परिभाषित किया।

लेकिन मौजूदा चैंपियन 2023 विश्व कप में जोरदार प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं, पांच में से चार मैच हार गए हैं और सेमीफाइनल से चूकने के कगार पर हैं। विश्व कप के अपने पांच मैचों में, बल्लेबाजी अभी तक मौके के अनुरूप नहीं आई है, जिसका सारांश यह है कि केवल पांच बल्लेबाज ही 50 के पार गए हैं। इंग्लैंड के सहायक कोच मार्कस ट्रेस्कोथिक ने स्वीकार किया कि टीम की बल्लेबाजी फॉर्म उतनी अच्छी नहीं रही जितनी सामान्य परिस्थितियों में हुआ करती थी। मुझे लगता है कि आत्मविश्वास, लय, जो भी आप इसे कहना चाहें - टीम का फॉर्म उतना अच्छा नहीं है जितना हम आम तौर पर रखते हैं। आम तौर पर उस टीम में हमेशा एक, शायद दो लोग होते हैं जो सौ से अधिक या बड़ा स्कोर हासिल करने वाले होते हैं जो एक बड़ा अंतर पैदा करने वाला होता है। इस प्रतियोगिता के दौरान लगातार हर कोई फॉर्म से बाहर रहा है या रन नहीं बना पाया है जो आपको करना चाहिए, इसलिए हम समझते हैं कि यह आता है और जाता है और हम जानते हैं कि यह क्या है। यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि हम इसे सही ढंग से महसूस कर सकें कि यह क्या है।

सुडोकू 6360 का हल

5	8	7	1	4	2	6	9	3
3	4	2	7	9	6	8	5	1
9	1	6	5	3	8	2	4	7
1	9	4	2	7	5	3	8	6
8	2	5	3	6	4	1	7	9
7	6	3	9	8	1	5	2	4
4	3	1	8	5	9	7	6	2
6	7	8	4	2	3	9	1	5
2	5	9	6	1	7	4	3	8

SENSEX	BSE	63782.80 ▲ 634.65	19047.25 ▲ 190.00	MCX	Gold 61626 ▲ 308	silver 71802 ▲ 272

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

सेबी का बड़ा एक्शन, 13 लोगों पर लगाया 33 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने नियामकीय मानकों का उल्लंघन करने पर शेयरप्रो सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों समेत 13 लोगों पर कुल 33 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। बाजार नियामक सेबी ने इन लोगों पर एक लाख रुपये से लेकर 15 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाया है। इनमें शेयरप्रो की उपाध्यक्ष इंदिरा करकेरा पर 15.08 करोड़ रुपये और कंपनी के प्रबंध निदेशक गोविंद राज राव पर 5.16 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

घाटे से उबरकर पेट्रोलियम कंपनी बीपीसीएल ने 8,243 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी बीपीसीएल ने विपणन पर मार्जिन बढ़ने से चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में घाटे से उबरकर 8,243.55 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया है। भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड ने एक बयान में कहा कि जुलाई-सितंबर, 2023 की अवधि में वह फिर से लाभ की स्थिति में आ गई है जबकि एक साल पहले इसी अवधि में उसे 338.49 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद पेट्रोल एवं डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव न होने से बीपीसीएल को अपना विपणन मार्जिन सुधारने में मदद मिली। इससे कंपनी फिर से लाभ की स्थिति में पहुंच गई। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में रिफाइनिंग और विपणन कारोबार से कंपनी की कर-पूर्व आय 11,283.29 करोड़ रुपये हो गई जबकि पिछले साल की समान तिमाही में उसे 123.17 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। आलोच्य अवधि में तेल की कीमतें नरम होने से जुलाई-सितंबर में बीपीसीएल का राजस्व पिछले साल के 1.28 लाख करोड़ रुपये से गिरकर 1.16 लाख करोड़ रुपये रह गया। बीपीसीएल के मुताबिक, अप्रैल-सितंबर की अवधि में उसने रिकॉर्ड 18,887.85 करोड़ रुपये की कमाई की है।

बढ़े गेहूं के दाम, पिछले साल के मुकाबले बुवाई छू रही आसमान

नई दिल्ली। खुदरा बाजार में गेहूं की अच्छी कीमत और एमएसपी में तेज बढ़ोतरी प्रमुख वजहों में से है, जिसके कारण किसानों ने गेहूं की बोआई का फैसला किया है। गेहूं सहित रबी की अन्य फसलों सरसों और चने की बोआई तेज रही है। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक कीमत तेज रहने और अनुकूल मौसम के कारण बोआई को लेकर उत्साह है।

केंद्रीय कृषि मंत्रालय के ताजा शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक 27 अक्टूबर तक 3.8 लाख हेक्टेयर रकबे में गेहूं की बोआई हो चुकी है। यह पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 80 प्रतिशत ज्यादा है। रकबे में ज्यादातर बढ़ोतरी मध्य प्रदेश में हुई है, जहां इस साल चुनाव होने हैं। मध्य प्रदेश में सामान्यतया प्रमुख गेहूं उत्पादक राज्यों की तुलना में पहले बोआई होती है। खुदरा बाजार में गेहूं की अच्छी कीमत और एमएसपी में तेज बढ़ोतरी प्रमुख वजहों में से है, जिसके कारण किसानों ने गेहूं की बोआई का फैसला किया है। अगर रबी की फसल में गेहूं, सरसों और चने की फसल अच्छी रहती है तो इससे खाद्य महंगाई दर घट सकती है, जो 2024 के आम चुनाव को देखते हुए केंद्र सरकार के लिए बहुत अहम है। आंकड़ों से पता चलता है कि अन्य फसलों में दलहन की बोआई का रकबा 27 अक्टूबर तक 16.7 लाख हेक्टेयर रहा है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में करीब 11.33 प्रतिशत

ज्यादा है। रबी सीजन की प्रमुख दलहन फसल चना है। तिलहन की बोआई 27 अक्टूबर तक करीब 28.4 लाख हेक्टेयर में हुई है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 15.45 प्रतिशत ज्यादा है।

सरकार ने बढ़ाई खुले बाजार में गेहूं की बिक्री- उधर केंद्र सरकार ने आज खुले बाजार में बिक्री की योजना के तहत 1 नवंबर से गेहूं की बिक्री की मात्रा बढ़ाकर 200 टन कर दी है। गेहूं और आटे की कीमत में आगे और स्थिरता लाने की कवायद के तहत यह फैसला किया गया है। घरेलू बाजार में गेहूं की आपूर्ति बढ़ाने के लिए आटा मिलें और छोटे व्यापारियों जैसे थोक खरीदार ई-नीलामी में 200 टन के लिए बोली लगा सकेंगे, जबकि फिलहाल खुले बाजार में बिक्री की योजना (ओएमएसएस) के तहत यह मात्रा 100 टन है। खाद्यान्न की खरीद और वितरण के लिए सरकार की नोडल एजेंसी भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ओएमएसएस के तहत अपने बफर स्टॉक से गेहूं बेच रहा है। बयान में कहा गया है कि देश में प्रत्येक ई-नीलामी में पेश की जाने वाली कुल मात्रा भी 2 लाख टन से बढ़ाकर 3 लाख टन कर दी गई है। बोली की मात्रा में वृद्धि का उद्देश्य खुले बाजार में गेहूं की उपलब्धता को बढ़ाना और गेहूं की कीमतों को स्थिर करना है। सरकारी उपक्रम एफसीआई इन वस्तुओं की खुदरा कीमतों को नियंत्रित करने के लिए साप्ताहिक ई-नीलामी के माध्यम से 28 जून से ओएमएसएस के तहत आटा मिलें और छोटे व्यापारियों जैसे थोक खरीदारों को केंद्रीय पूल से गेहूं और चावल बेच रहा है। 26 अक्टूबर को ई-नीलामी के 18वें दौर में 2,318 सफल बोलीदाताओं को लगभग 1.92 लाख टन गेहूं बेचा गया।अच्छे व औसत गुणवत्ता वाले गेहूं का भारित औसत मूल्य 2,251.57 रुपये प्रति क्विंटल है, जबकि आरक्षित मूल्य 2,150 रुपये प्रति क्विंटल है। मंत्रालय ने कहा कि कारोबारियों को ओएमएसएस के तहत गेहूं की बिक्री के दायरे से बाहर रखा गया है, जिससे स्टॉक जमा करने से रोका जा सके। प्रसंस्करणकर्ताओं के फ्लोर मिलों पर नियमित जांच और निगरानी की जा रही है, जिन्होंने ओएमएसएस के तहत गेहूं खरीदा है। बयान के मुताबिक 16 अक्टूबर से अबतक 1,627 जांच की गई है।

अब 200 टन गेहूं ले सकेंगे आटा मिल मालिक

अब आटा मिल संचालक केंद्र सरकार की खुले बाजार में बिक्री योजना के तहत ज्यादा गेहूं ले सकेंगे क्योंकि सरकार ने इस योजना के तहत गेहूं के आवंटन को बढ़ा दिया है। केंद्र सरकार बाजार में गेहूं की उपलब्धता बढ़ाने के लिए खुले बाजार में गेहूं की बिक्री पर जोर दे रही है। ताकि गेहूं की कीमतों को नियंत्रित रखा जा सके। केंद्र सरकार ने ओएमएसएस योजना के तहत अगले महीने से गेहूं का आवंटन बढ़ाने का फैसला किया है। अब तक इस योजना में बोली लगाने वाले अधिकतम 100 टन गेहूं ले सकते थे। अब सरकार ने एक नवंबर से इस आवंटन को बढ़ाकर दोगुना कर दिया है। जिससे अब बोली लगाने वाले 200 टन गेहूं ले सकते हैं। पूरे भारत में प्रति ई-नीलामी की पेशकश की गई कुल मात्रा को भी बढ़ा दिया गया है। पहले यह मात्रा प्रति नीलामी 2 लाख टन थी, अब इसे बढ़ाकर 3 लाख टन कर दिया गया है। वर्ष 2023-24 की 18वीं ई-नीलामी 26 अक्टूबर को हुई थी। जिसमें देश भर में 444 डिपो से 2 लाख टन गेहूं की पेशकश की गई। ई-नीलामी में गेहूं के लिए 2,763 सूचीबद्ध खरीदारों ने भाग लिया और इसमें 2,318 बोलीदाताओं को 1.92 लाख टन गेहूं बेचा गया। जून से अब तक ओएमएसएस के तहत 27 लाख टन से अधिक गेहूं खुले बाजार में बेचा जा चुका है। स्टॉक की जमाखोरी से बचने के लिए कारोबारियों को ओएमएसएस (घरेलू) के तहत गेहूं की बिक्री के दायरे से बाहर रखा गया है। ओएमएसएस के तहत गेहूं खरीदने वाले प्रोसेसरों की आटा मिलों पर नियमित जांच/निरीक्षण भी किया जा रहा है।

नारियल तेल छोड़कर अन्य सभी खाद्य श्रेणी के वनस्पति तेल का आयात नियंत्रण मुक्त

नई दिल्ली। खाद्य तेलों के दामों में गिरावट को ध्यान में रखते हुए वाणिज्य विभाग ने पाम कर्नेल तेल और पाम स्टीयरिन पर आयात प्रतिबंध हटा दिया है। अब इन तेलों को स्वतंत्र रूप से आयात किया जा सकता है। इसमें नारियल तेल, आरबीडी पाम तेल, आरबीडी पाम स्टेरिन तथा पाम कर्नेल तेल शामिल नहीं है।

नारियल (कोपरा) तेल का आयात केवल सरकारी व्यापारिक उद्यमों (फर्मों) के माध्यम से ही करने की अनुमति दी गई है। वाणिज्य मंत्रालय के अधीनस्थ निकाय- विदेश व्यापार महानिदेशालय द्वारा 26 अक्टूबर 2023 को जारी एक अधिसूचना जारी करके कहा कि मौजूदा समय में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 में शामिल सभी तेलों और साथ ही साथ सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टेड ऑयल, द ऑयल्ड मील एंड एडिबल फ्लोर कंट्रोल आर्डर, 1967 की तीसरी अनुसूची में वर्णित मानकों की अभिपुष्टि करने वाले सभी साल्वेंट एक्स्ट्रैक्टेड तेलों का आयात पूरी तरह मुक्त रूप से किया जा रहा है मगर इसमें नारियल तेल, आरबीडी पाम तेल, आरबीडी पाम स्टेरिन तथा पाम कर्नेल तेल शामिल नहीं है।

नारियल तेल का आयात केवल सरकारी व्यापारिक उद्यमों (फर्मों) के माध्यम से ही करने की अनुमति दी गई है। अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया कि सरकार के मुताबिक संशोधन का उद्देश्य आयात नियमों को भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण मानकों के साथ संरेखित करना है। संशोधित नीति शर्तों के तहत, एफएसएसएआई नियमों के अनुरूप परिष्कृत वनस्पति तेल और विलायक-निकाले गए तेल सहित अधिकांश वनस्पति तेल, स्वतंत्र रूप से आयात योग्य हैं। नारियल/खोपरा तेल के आयात मैं कोई भी बदलाव न करते हुए राज्य व्यापार उद्योगों के माध्यम से ही करने की अनुमति दी गई है है। यह संशोधन सुनिश्चित करता है कि आयातित वनस्पति तेल खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देते हुए एफएसएसएआई मानकों का पालन करते हुए आयत की जा सकती है। ठक्कर ने कहा कि मौजूदा नीति में पाम समूह के तेलों के आयात को नियंत्रित सूची में रखा गया था लेकिन संशोधित नीति में इसके आयात को नियंत्रण मुक्त कर दिया गया है।

बीएसएनएल की 4जी सेवा दिसंबर में शुरू, जून तक देश भर में पेशकश : चेयरमैन

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल की इस साल दिसंबर में 4जी सेवा की शुरुआत की योजना है। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक पी के पुरवार ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि छोटे स्तर पर शुरुआत करने के बाद कंपनी इसे अखिल भारतीय स्तर पर अगले साल जून तक लागू कर देगी। पुरवार ने यहां 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस' में पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा कि बीएसएनएल की योजना जून के बाद 4जी सेवा को 5जी सेवा में बदलने की है।

उन्होंने कहा, बीएसएनएल 4जी सेवा दिसंबर में पंजाब में शुरू होने के लिए तैयार है। हमने 200 जगहों पर इस नेटवर्क के लिए जरूरी कदम पहले ही उठा लिए हैं।

हम पंजाब में इस तरह की 3,000 जगहें स्थापित करने की प्रक्रिया में हैं। पुरवार ने कहा कि बीएसएनएल अपना नेटवर्क प्रति महीने की दर से बढ़ाकर धीरे-धीरे इसे 15,000 जगह तक ले जाएगी। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य 4जी सेवा को अगले साल जून तक पूरी तरह लागू करने का है।

इसके बाद हम 5जी सेवाओं की पेशकश का रुख करेंगे। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी टीसीएस और सार्वजनिक क्षेत्र की आईटीआई को बीएसएनएल से 19,000 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले हैं जिसके तहत 5जी सेवाओं में बदली जा सकने लायक 4जी नेटवर्क स्थापित करने हैं। पुरवार ने कहा कि 4जी सेवा पूरी तरह शुरू हो जाने के बाद बीएसएनएल के पास 5जी सेवा के लिए पर्याप्त स्पेक्ट्रम उपलब्ध हैं।

और रुलाएगी प्याज, नवंबर महीने में 100 रुपये प्रति किग्रा से उपर जाने की संभावना

नई दिल्ली। प्याज की कीमतों में एक बार फिर तेजी देखी जा रही है और नवंबर महीने में इसके 100 रुपये प्रति किलोग्राम से उपर जाने की संभावना है। पिछले कुछ दिनों में दिल्ली-एनसीआर के बाजारों में प्याज की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। पिछले सप्ताह जहां प्याज 30-50 रुपये प्रति किलो बिक रही थी, वहीं अब यह 70-80 रुपये पर है और नवंबर के पहले सप्ताह तक 100 रुपये तक पहुंचने की संभावना है।

कम उत्पादन और आपूर्ति की कमी ने प्याज की कीमतों में उबाल लाया है। प्रमुख उत्पादक राज्यों महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से फसल की आवक में देरी के कारण दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसी जगहों पर खुदरा कीमतें 60 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई हैं, जो एक पखवाड़े पहले 40 रुपये प्रति किलोग्राम थी। नवरात्रि त्योहार के बाद प्याज की कीमतों में अचानक उछाल से खरीदार और विक्रेता दोनों हैरान हैं। एक हफ्ते पहले ही खुदरा बाजारों में प्याज 40-50 रुपये प्रति किलो बिक रहा था, लेकिन अब कीमतें हर दिन बढ़ती जा रही हैं। महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे कई अन्य राज्य भी प्याज की कीमतों में उछाल से प्रभावित हैं। बेंगलुरु में इसकी कीमत 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई है। मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार बेंगलुरु के यशवंतपुर में कृषि उपज बाजार समिति (एपीएमसी) यार्ड में प्याज 65-70 रुपये प्रति किलोग्राम पर बेचा जा रहा था। इस वर्ष कर्नाटक में कम उत्पादन का कारण कुछ क्षेत्रों में अनियमित बारिश और सूखा हो सकता है।

उपभोक्ता मामलों के विभाग के अनुसार, 26 अक्टूबर तक प्याज की औसत थोक कीमत बढ़कर 3,112.6 रुपये प्रति क्विंटल हो गई, जो 1 अक्टूबर के 2,506.62 रुपये प्रति क्विंटल से काफी अधिक है। दिल्ली के गाजीपुर सब्जी बाजार के व्यापारियों के अनुसार प्याज की आमद कम है जिसके परिणामस्वरूप कीमतें ऊंची हैं। एक हफ्ते पहले दरें 200 रुपये, 160 रुपये या 250 रुपये थीं। आपूर्ति में कमी के कारण पिछले हफ्ते दरें बढ़ गई हैं।

एपीआई के नेतृत्व में ट्राइब्स में होने वाली बीमारियों पर शोध कर रही 25 फिजिशियंस की टीम

छिंदवाड़ा के तामिया पहुंची चिकित्सकों की टीम, बनी नेशनल सिंपोजियम का हिस्सा

जबलपुर। छिंदवाड़ा के तामिया में एपीआई (एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस, इंडिया) जबलपुर चैप्टर से 25 फिजिशियंस की टीम शोध कार्यों के लिए पहुंची है। उल्लेखनीय है कि तामिया में बसने वाले ट्राइब्स पर शोध और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के उद्देश्य से अपने आपमें पहला सिंपोजियम 28 व 29 अक्टूबर को आयोजित हो रहा है। इसमें विशेष रूप से एपीआई जबलपुर चैप्टर का सहयोग है। एपीआई जबलपुर चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. अखिलेश दुबे ने बताया कि टीम मध्यभारत में बसने वाली ट्राइब्स में होने वाली बीमारियों पर शोध व चर्चा कर रही है। साथ ही कैंप के माध्यम से रोगों की पहचान भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य समस्याओं का निराकरण करना इस आयोजन का मकसद है। ट्राइब्स को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए कई तरह के शोध कार्य किए गए हैं, टीम भी इस दिशा में श्रेष्ठ कार्य करने का प्रयास कर रही है। इस दौरान न्यूरोलॉजिकल डिजीज, कार्डियक डिजीज एवं रीनल डिजीज पर विशेषज्ञ चर्चा करेंगे। इन सत्रों में डॉ.एमएस जोहरी, डॉ. एच पी एस चंदेल, डॉ.अश्विनी पाठक, डॉ.आदित्य परिहार, डॉ.दीपक वरकड़े, डॉ.अभिजीत पाल, डॉ. एए अंसारी, डॉ. विकास मिश्रा, डॉ.संजय के नेमा,डॉ.पवन सोनी,डॉ. संदीप सिंह, डॉ. अतिशय जैन की सहभागिता है। दो दिवसीय कार्यक्रम में एपीआई जबलपुर चैप्टर के डॉ. दीपक बहरानी, डॉ. अनुपम श्रीवास्तव, डॉ.संजय के नेमा,डॉ. डॉ. ए ए अंसारी, डॉ. पंकज असाटी का विशेष सहयोग है।

दाम बढ़ाकर छूट देने के ई-कॉमर्स कंपनियों के तरीके पर रोक लगाए सरकार

नई दिल्ली। सरकार और नियामकीय एजेंसियों को ई-कॉमर्स क्षेत्र में व्याप्त अनुचित कारोबारी तौर-तरीकों पर लगाम लगाने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। शनिवार को एक रिपोर्ट में यह सुझाव दिया गया।

थिंक टैंक कट्स इंटरनेशनल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि ई-कॉमर्स मंचों पर उत्पादों के दाम बढ़ाकर छूट की पेशकश करने का अनुचित तरीका अपनाया जा रहा है। इससे ग्राहकों के मन में उत्पाद की खरीद पर बचत होने का भ्रम पैदा होता है जबकि असल में उन उत्पादों की वास्तविक कीमत कम ही होती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ई-कॉमर्स मंचों की तरफ से समय-समय पर बिक्री सेल के आयोजन पर पूरी तरह रोक लगाने के बजाय सरकार को उपभोक्ता अधिकारों के संरक्षण की दिशा में सख्ती बरतनी चाहिए। इससे सभी बाजार प्रतिभागियों के लिए समान अवसर मुहैया कराए जा सकेंगे। भारत में ई-कॉमर्स के संदर्भ में वाणिज्य की स्थिति पर जारी रिपोर्ट कहती है कि एक निष्पक्ष एवं टिकाऊ ई-कॉमर्स पारिस्थितिकी को बढ़ावा देने के लिए जरूरी है कि विक्रेताओं के पास अपने उत्पादों

की कीमतें तय करने की स्वायत्तता हो। इसके मुताबिक, विक्रेताओं पर अतिरिक्त छूट का बोझ डालने से वित्तीय तनाव बढ़ता है और मुनाफे के मार्जिन पर भी असर पड़ता है।

रिपोर्ट में भारी छूट देने और प्रतिस्पर्द्धा को खत्म करने के लिए जानबूझकर कीमत को बहुत कम रखने के बीच फर्क करने का सुझाव भी दिया गया है। रिपोर्ट कहती है, नीति-निर्माताओं, नियामकों एवं हितधारकों के लिए इन दोनों अवधारणाओं के बीच फर्क करने के लिए इन्हें परिभाषित करना महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट के मुताबिक, उपभोक्ता कल्याण को अहमियत देने और सभी विक्रेताओं के लिए एकसमान अवसर मुहैया कराने के लिए जरूरी है कि ई-कॉमर्स कंपनियां ऐसे तौर-तरीकों में लिप्त होने से परहेज करें। इन कंपनियों को क्षेत्रीय भाषाओं में सामग्री मुहैया कराने को भी कहा गया है।

महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज
फोन- 4067270, 9826035338
प्रति क्विंटल- राहर दाल एवरेज 13000-14000, मीडियम बोल्ड 15000-16000, फाइन 17000-17500, एक्स्ट्रा बोल्ड 17500-18000, चना दाल एवरेज 7400-7600 चना दाल मार्का 7600-7800, मसूर दाल एवरेज 7800-8000, मसूर दाल फाइन 8000-8200, उड़द छिलका 11000-12000, फाइन 12500-13000, उड़द धुली 11500-12500, फाइन 13000-13500, मूंग दाल छिलका 9000-9500, मूंग दाल फाइन 10000-10200, मूंगदाल धुली 10500-10800, फाइन 10800-11000। चावल - पुराना चावल सरना चालू 3000-3200, बेस्ट 3200-3400, बीपीटी चालू 3200-3400, फाइन 4000-4200,एचएमटी-5000-5300 फाइन-5500-5800 दुबराज भाटापारा 5000-5200, जेजेएल चालू 5500-6000, फाइन 6000-6500, बासमती कनकी चालू 3000-3500, बासमती कनकी मीडियम 4000-4500, बेस्ट 4500-5500, मोगरा- 4000-4500, दुबार- 5500-6000, तिबार- 7000-8000, बासमती 10000-11000, बेस्ट 12000-12500 पोहा- 4000-4200, फाइन 4200-4400, मुरमुरा- 5800-6500, फाइन- 7000-7500, रु.- लाई- 6000-6500 रु., फाइन- 8000-8500 रु.।

सोहन लाल एण्ड संस
रसल चौक फोन- 9425156095
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 61900 चांदी टंच-72950
चांदी रिफाइन -73950

दुल्हन श्री आभूषण
कमानिया गेट, सराफा बाजार-
मो. 9425860998,9826307100
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 61900 चांदी टंच-72950
चांदी रिफाइन -73950

रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	83.24
एक यूरो	87.96
एक ब्रिटिश पाउंड	101.01
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	52.72
एक जापानी येन	00.55

परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.
864 मारुति शोरूम के सामने
फोन- 2412223,9329428085
जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 96 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 106 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-116 नेट प्रति किलो
जिंदा मुर्गी लेयर कल्स -75 नेट प्रति किलो
जिंदा काकरेल-मुर्गा- 160 रु. प्रति किलो
(जिंदा थोक फार्म रेट)

अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स
शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070
भाव प्रति क्विं.- 5.5 एम एम 6700, 6 एम एम 6700, 8 एम एम 6200, 10 एम एम 6050,12 एम एम, 6000 एवं 16 एम 6000 रु.। तार- 75 रु. किलो।

देशबन्धु
ग्राहक सेवा

रेमण्ड से ट्रेनिंग प्राप्त फ्यूजिंग सूट, ट्राउजर शर्ट स्पेशलिस्ट
टेलर्स वारिस
शॉप नं. 3 आनंद टॉकीज शॉपिंग काम्पलेक्स, जबलपुर फोन: 2405596
मो.-9424392281, 9425152707
देग्रासे सी 30/7/2022

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज
क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें
बिना ऑपरेशन
डॉ. विश्वास
राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे
मो: 9827042596
देग्रासे-सी-31/7/22

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें। देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अत: विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

जबलपुर ज़ोन

'स्वच्छ शहर, स्वस्थ नागरिक'

सुप्रभात से शुभरात्रि तक

सड़क किनारे बैठे युवक पर ईंट से भरा ट्रक पलटा, मौके पर ही मौत

ट्रक का पट्टा टूटने से हुआ हादसा

जबलपुर, देशबन्धु। घमापुर थाना क्षेत्र के जीसीएफ स्टेट सतपुला अस्पताल के सामने ईंट भरकर रांझी तरफ जा रहा एक ट्रक अचानक पलट गया। जो सड़क किनारे बैठकर अखबार पढ़ रहे एक व्यक्ति पर पलटा। जिससे व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह लगभग 9 बजे ट्रक में ईंट भरकर रांझी की ओर जा रहा एक ट्रक जैसे ही सतपुला अस्पताल के सामने चढ़ाई चढ़ रहा था। तभी ट्रक का पट्टा टूट गया।

और वह जवाहर विद्या मंदिर विद्यालय की दीवार किनारे अखबार पढ़ रहे एक व्यक्ति के ऊपर पलट गया। ट्रक के नीचे दबकर व्यक्ति की मौत गई। उसकी जान बचाने के लिये राहगीरों ने बहुत कोशिश की लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। ट्रक पलटने से ईंट सड़क पर बिखर गयी और रास्ते पर जाम लग गया। प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि ट्रक के नीचे दबे व्यक्ति को काफी मशक्कत की लेकिन निकाला नहीं जा सका।

जिसके बाद राहगीरों ने घमापुर थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल क्रेन बुलाई और ट्रक को हटवाया गया। सड़क में बिखरी ईंटों को किनारे कराया गया। और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भिजवाया। घटना के बाद ट्रक ड्रायवर और कंडेक्टर मौके से भाग निकले। पुलिस जिनकी तलाश में जुटी है। पुलिस ने ट्रक को जप्त कर लिया है। हादसे मौत का शिकार व्यक्ति बिछिया का रहने वाला अजय तिवारी बताया जा रहा है। जो घमापुर के पास किराए का मकान लेकर रह रहा था। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पहुंचे जबलपुर, पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर दी हिदायत

संभागीय कार्यालय में भाजपा पदाधिकारियों के साथ की बैठक

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर में शनिवार को केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रानीताल संभागीय कार्यालय में पदाधिकारियों की बैठक ली। जिसमें उन्होंने पदाधिकारियों को अनुशासन का पाठ पढ़ाया। वहीं चुनाव में एकजुटता से काम करने की हिदायत दी।

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह शनिवार को दोपहर एक बजे के लगभग डुमना विमानतल पर पहुंचे, जहां पर उनका भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा सहित अन्य नेताओं ने स्वागत किया। श्री शाह ने मालगोदाम स्थित जनजातीय महानायक शंकर शाह व रघुनाथ शाह की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद संभागीय कार्यालय में भाजपा पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में कई बिन्दुओं पर पदाधिकारियों को चुनाव संबंधी दिशा निर्देश दिए। बैठक में सिर्फ चुनिंदा पदाधिकारियों को ही आने दिया गया।

महाकौशल की 38 सीटों के लिए पदाधिकारियों को दिया मार्गदर्शन

अमित शाह ने बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए महाकौशल की 38 सीटों के लिए सभी पार्टी पदाधिकारी को अपना मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर अमित शाह ने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं को आगामी विधानसभा लोकसभा चुनाव में पार्टी को प्रचंड विजय दिलाने का संकल्प भी दिलाया।

राज्यसभा सांसद को बैठक में जाने से रोका

वैसे तो बैठक में चुनिंदा पदाधिकारियों को ही जाने दिया गया था लेकिन यहां पर राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीक को ही पुलिस कर्मियों ने बैठक में जाने से रोक दिया। जिससे वे काफी नाराज हो गई और उन्होंने यहां तक कह दिया कि कैसी ड्यूटी करते हो आप लोग कि राज्यसभा सांसद को ही नहीं पहचानते हो। इसके बाद पुलिस अधिकारी पहुंच गए जिन्होंने सुमित्रा वाल्मीक से माफी मांगते हुए अंदर जाने दिया।

विस्फोटक डेटोनेटर फ्यूज के 400 बॉक्स जब्त, तीन आरोपी गिरफ्तार

मदंसौर, देशबन्धु। मंदसौर में चेकिंग के दौरान अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट से भानपुरा पुलिस ने कंटेनर से बत्तीस लाख की विस्फोटक सामग्री जब्त की है। कंटेनर में आर-कॉरड्स डेटोनेटर फ्यूज के 400 बॉक्स भरकर ले जाए जा रहे थे।

मामले में तीन को गिरफ्तार कर केस दर्ज किया गया है। मंदसौर पुलिस ने बताया कि विधानसभा चुनाव 2023 के मद्देनजर जिले की सभी अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट पर सघन चेकिंग करवाई जा रही है। इसी कड़ी में एसएसटी टीम भानपुरा के मजिस्ट्रेट दीपक पाटीदार व पुलिस अधिकारी सउनि रुपसिंह झाला द्वारा अंतर्राज्यीय चेकपोस्ट ओसारा पर वाहन चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान एक कंटेनर एमएच 40 बीजी 4105 जो झालावाड़ तरफ से आता दिखा। कंटेनर को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी में कंटेनर के अंदर विस्फोटक आर-कॉरड्स डेटोनेटर फ्यूज के 400 बॉक्स रखे हुए थे। एसएसटी टीम द्वारा कंटेनर में रखे डेटोनेटर फ्यूज के कागज परमिट को चेक करते परमिट में 26 अक्टूबर 2023 को मुरैना में होना लिखा पाया गया।

जबकि 26 अक्टूबर 2023 को कंटेनर मंदसौर जिले की सीमा में होना पाया गया। और तो और परमिट के 31 अक्टूबर 2023 को मंदसौर जिले में प्रवेश करना लिखा हुआ था। इससे परमिट शर्तों का उल्लंघन करने से कंटेनर और डेटोनेटर फ्यूज को जब्त किया गया है। मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार किये गए हैं।

अनूपपुर व छत्तीसगढ़ सीमा पर लाखों रूपये व सोना-चांदी के आभूषण जप्त

जबलपुर, देशबन्धु। अनूपपुर व छत्तीसगढ़ की सीमा पर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने चेक पोस्ट पर दो लाख तीन हजार पचास रूपये व सोना-चांदी के जेवरात जप्त किये हैं। आचार संहिता लगने पर जिला अनूपपुर व छत्तीसगढ़ की सीमा पर चेक पोस्ट बनाया गया है।

एसडीओपी पुष्पराजगढ़ सोनाली गुप्ता, थाना प्रभारी राजेन्द्रग्राम प्रवीण कुमार साहू, सहायक उपनिरीक्षक दीपचन्द बर्मन, प्रधान आरक्षक शैलेन्द्र भट्ट, आरक्षक मोहित राणा, आरक्षक दुर्गेश सिन्द्राम व स्टेटिक सर्विलेंस टीम प्रभारी रामनिवास साकेत, जनपद पंचायत समन्वयक अधिकारी पुष्पराजगढ़ ने राजेन्द्रग्राम से अनूपपुर मार्ग के बीच लांघाटोला चेकपोस्ट पर चेकिंग कर रहे थे। जिसके चलते पिकअप क्रमांक एमपी 20 जीए 3978 से जा रहे रामानुज द्विवेदी पिता तीरथ प्रसाद निवासी बिहारी कॉलोनी अनूपपुर जिला अनूपपुर से दस्तावेज पेश न करने पर दो लाख तीन हजार पचास रूपये जप्त कर कार्रवाई की गई। चेकिंग के दौरान ही एक बाइक क्रमांक एमपी 65 एमबी 3332 से जा रहे पुष्कर सोनी पिता जयकुमार सोनी निवारी अनूपपुर से दस्तावेज पेश न करने पर 846.486 ग्राम चांदी व 0.40 मिग्रा सोना अनुमानित कीमती बासठ हजार चार सौ अस्सी रूपए जप्त कर कार्रवाई की गई है।

रांझी में देर रात दो दुकानों में भड़की भीषण आग, सारा सामान जलकर राख

जबलपुर, देशबन्धु। रांझी थाना क्षेत्र के बड़ा पत्थर इलाके में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे जैन टेंट के गोदाम में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटे नजदीक स्थित तुला फर्नीचर शॉप तक जा पहुंची। आग की लपटें इतनी भयावह थी कि क्षेत्रीयजनों ने दुकानों के संचालकों को फोन पर इसकी सूचना दी।

उसके बाद अग्निशमन दल को सूचित किया। जिसके बाद मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग को फैलने से रोका जा सका, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। रांझी थाना प्रभारी नीलेश दोहरे ने बताया कि बड़ा पत्थर स्थित जैन टेंट व तुला फर्नीचर की दुकान में शॉट सर्किट होने से आग लग गई थी। थाना प्रभारी ने बताया कि थोड़ी ही देर में आग ने पास के दो दुकानों को भी चपेट में ले लिया। फिलहाल, आग को काबू में कर लिया गया। लाखों का नुकसान होना बताया जा रहा है।

स्टेट जीएसटी के एंटी इवेजन ब्यूरो ने तीन फटाखा फर्मों से वसूले 40.39 लाख रूपये

इन से वसूली गई राशि

जय मां त्रिपुर सुन्दरी, फायर वर्क्स- 10 लाख रुपये, सैफी सेवा आश्रम एण्ड बारुद वाला शॉप, बालाघाट 18.39 लाख रुपये, कमर अली यूसुफ अली, कटंगी, बालाघाट 13.54 लाख रुपये

जबलपुर, देशबन्धु। स्टेट जीएसटी के एन्टी इवेजन ब्यूरो की टीम ने 26 अक्टूबर को जीएसटी अधिनियम की धारा 67 (2) के अंतर्गत फटाखा कारोबार की तीन फर्मों में जांच की कार्यवाही शुरू की थी, जो कि शनिवार को पूर्ण हो चुकी है। जांच कार्यवाही पूर्ण होने के बाद फायर वर्क्स (फटाखा) आदि का व्यवसाए करने वाले तीनों फर्मों से नगद व आईटीसी के द्वारा कुल 41.39 लाख रूपये की वसूली स्टेट जीएसटी के एन्टी इवेजन ब्यूरो की जांच टीम द्वारा की गई।

उक्त जानकारी देते हुए स्टेट जीएसटी के एन्टी इवेजन ब्यूरो के संयुक्त आयुक्त गणेश सिंह कंवर ने बताया कि जबलपुर की फर्म जय माँ त्रिपुर सुंदरी फायर वर्क्स, जिसके संचालक किशनचंद नेहचलानी से 10 लाख रूपये की वसूली की गई। वहीं बालाघाट में स्थित सैफी सेवा आश्रम एण्ड बारूद वाला शॉप संचालक जुल्फिकार अली से 18.3 लाख रूपये एवं कमर अली युसुफ अली कटंगी, बालाघाट संचालक कमर अली से 13.54 लाख रूपये की वसूली की गयी। इस प्रकार तीनों फर्मों से कुल राशि 41.39 लाख रूपये जमा कराई गई।

3 मोबाइल फर्म में स्टेट जीएसटी की जांच कार्यवाही जारी

स्टेट जीएसटी जबलपुर सम्भाग-1 की जांच टीम ने शुक्रवार को संयुक्त आयुक्त रवि मोहन पटेल के मार्गदर्शन में तीन मोबाईल दुकानों में कर अपवंचन की आशंका को लेकर जांच की कार्यवाही शुरू की थी, यह कार्यवाही शनिवार के दिन भी जारी रही। तीनों मोबाईल दुकानों में बड़ी मात्रा में मिले माल के स्टॉक का बिल के आधार पर मूल्यांकन बारीकी से किया जा रहा है और इससे जुड़े दस्तावेजों को जांच टीम ने जप्त कर लिया है । इस सम्बंध में सहायक आयुक्त राघवेन्द्र सिंह ने बताया कि नौदरा ब्रिज स्थित धर्मेन्द्र इलेक्ट्रॉनिक्स, ही एण्ड शी ई स्टोर एवं मालवीय चौक स्थित अभिषेक इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड मोबाईल में जांच की कार्यवाही की जा रही है। इसके सम्बंध में तीनों फर्मों में माल का बड़ा स्टॉक मिला है, जिसका मूल्यांकन बिल के आधार पर किया जा रहा है। स्टॉक अधिक होने के कारण मूल्यांकन में समय लग रहा है लेकिन जांच की कार्यवाही जल्द पूरी होने की उम्मीद है और जांच की कार्यवाही पूरी होने के बाद भी कर और पेनाल्टी की तय हो सकेगी। सूत्रों के मुताबिक इन दुकानों के रिटर्न में अंतर आ रहा है। साथ ही कई अन्य अनियमिताऐं भी हो रही है। जिसके चलते सभी दुकानों के दस्तावेजों को खंगाला जा रहा है और पूछताछ की जा रही है। धर्मेन्द्र इलेक्ट्रानिक्स फर्म का संचालन गोपाल दास गुप्ता, तपन गुप्ता और जय श्री गुप्ता कर रही हैं। जांच टीम जय नगर स्थित उनके घर पर भी पहुंची है।

दूसरी फर्म ही एण्ड शी ई-स्टोर है। यह स्टोर अमृत बाजार कॉम्पलेक्स नगर निगम मार्ग पर संचालित है और इसके संचालक शैलेन्द्र जैन है। एक जांच दल उनके अनंततारा स्थित घर पर भी पहुंचा। तीसरी फर्म अभिषेक इलेक्ट्रॉनिक्स एवं मोबाईल मालवीय चौक सुपरमार्केट में संचालित की जा रही है और उसके संचालक नीरज दास केशरवानी हैं। तीनों कारोबारियों के बैंक खातों को भी खंगाला जा रहा है।

A.P.N. C.B.S.E. SENIOR SECONDARY SCHOOL
Affiliation No.: 1031302
School No.: 51319
An English Medium Co-educational School
ADMISSIONS OPEN
Class: Nursery 12th
(Science, Commerce & Humanities)
Call us: 0761-2676370, 9826587200
Sadar, Jabalpur Cantt, Web: www.apncbseschool.com
E-mail: apncbseschool@gmail.com

मंडला के उदयपुर में जांच के दौरान 46 लाख से अधिक के गहने व नगदी बरामद

मंडला, देशबन्धु। चुनाव की तारीख घोषित होते ही प्रदेश भर में एफएसटी और एसएसटी की टीमे जिले की सीमाओं पर तैनात कर दी गई हैं।

जो हर संदिग्ध वाहनों की चैकिंग कर रही है। जिसमें रूपये व अन्य सामग्रियों की जांच की जा रही है। कुछ जिलों में टीम को लाखों रूपये नगद व सोने-चांदी पकड़ने में बड़ी कामयाबी भी मिली है तो वहीं मंडला में बीजाडांडी थाना क्षेत्र में एफएसटी की टीम ने करीब 46 लाख रूपए के गहने और नगद राशि बरामद की है। यह कार्रवाइ एफएसटी दल क्रमांक 3 की ओर से निवास विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत उदयपुर में की गई है। एफएसटी टीम की ओर से जेवर व नगद राशि को जप्त कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही कुल जप्ती 10 लाख से अधिक होने की वजह से आयकर विभाग को भी सूचित किया गया है।

बताया गया है कि चुनाव आचार संहिता के चलते एफएसटी टीम की ओर से मानिकसरा मार्ग पर वन विभाग नाका के सामने चेकिंग के दौरान सोने के जेवरात वजनी 388.808 ग्राम कीमती 2029577 रूपए, चांदी के जेवरात वजनी 33.996 किग्रा कीमती 2515704 रूपए व नगदी 1 लाख 84 हजार 900 रूपये बरामद किये गए हैं। बरामद सोने-चांदी के जेवर व नगद राशि जप्त कर अग्रिम कार्रवाई की गई है।

जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन
J.B.F.A.
मुर्गा छोटा - रु. 116
मुर्गा मीडियम - रु. 106
मुर्गा बड़ा - रु. 96
मुर्गा जम्बो - रु. 96
मो.-9039925000, 9425800409

सोनू पोल्ट्री
बड़ा ब्रॉयलर - रु. 92
मीडियम ब्रॉयलर - रु. 102
छोटा ब्रॉयलर - रु. 112
मोबाइल नं. 9300692405

अब फेमटो सेकेण्ड लेजर - विक्टस से
मोतियाबिंद ऑपरेशन
मध्य भारत का सबसे आधुनिक
नया युग
आधुनिक नेत्र चिकित्सा ब्लेड फ्री, दर्द रहित, बिना इंजेक्शन, बिना पट्टी, बिना भर्ती, कुछ ही मिनटों में उपचार वापस अपने काम पर
डॉ.पवन स्थापक-सीधा संपर्क/ जांच एवं ऑपरेशन मोबाईल-9754601010, 9516244894
जनज्योति सुपर स्पेशिलिटी आई हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर

महिलाएँ ध्यान दें
महिलाओं की व्यक्तिगत समस्याओं हेतु
५५ जड़ी बूटियों का संतुलित मिश्रण
श्वेतनिल
सायरप
श्वेत प्रदर (सफेद पानी), अनियमित महावारी
• कमर एवं पेट दर्द
• मूत्र मार्ग में जलन एवं संक्रमण
• योनी मार्ग में चिपचिपाहट एवं दुर्गंध
• शारीरिक एवं मानसिक थकावट
• भूख न लगना • चक्कर आना
• खून की कमी • नींद न आना
• बेचैनी एवं घबराहट
उपयोग करते ही असर प्रारंभ
जबलपुर 9826035091 | कटनी 9303092693 | अनूपपुर 9993902291
सभी मेडिकल स्टोर्स पर उपलब्ध

FOR ENQUIRY CALL 0761-4069888
FOLLOW BY SAMDAREEYA_CINEMAS
समदड़िया सिनेमा
MORNING SHOW OFFER RS. @ 100/- (CONDITION APPLY)
12Th Fail 10:30 AM 01:30 PM 04:30 PM 07:30 PM 10:30 PM
Mujib The Making of Nation 10:45 PM
Mandali 11:00 AM
Tejas 10:15 AM 03:00 PM 05:30 PM 08:00 PM 10:30 PM
Ganapath 12:30 PM 06:00 PM
Leo IN HINDI 10:00 AM 01:00 PM 04:00 PM 10:15 PM
Jawan 07:00 PM
Sajini Shinde ka Viral Video 03:45 PM 08:30 PM
Yaariyan 01:15 PM

आसान किस्तों में उपलब्ध
मिश्रा इन्टरप्राइजेज
सभी ब्रांडेड कम्पनियों के टी.वी. एल.सी.डी. फ्रिज, डी.वी.डी. वुडन फर्नीचर, स्टील फर्नीचर उपलब्ध है
1. उपभोक्ता की संतुष्टि ही सफलता की सीढ़ी है।
2. उपभोक्ता सेवा ही जीवन का लक्ष्य है।
एल.जी. सेमसन, फिलिप्स, बी.पी. एल. सोनी, वेस्टन व अन्य कंपनियों के उपलब्ध है।
441, सरकारी कुंआ, शीतलामाई वार्ड पश्चिमी घमापुर, जबलपुर
मो. 9200000162 फोन- 2626496